14 नवंबर 2025

शुक्रवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

मिनी काशी बक्सर में आस्था का महाकुंभ, पंचकोशी मेला संपन्न, एकता और परंपरा का बना प्रतीक

2

आपकी आवाज

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

देश में 6 करोड़ मृतकों के आधार कार्ड एक्टिव

- पश्चिम बंगाल में 34 लाख आईडी धारक अब जिंदा नहीं UIDAI ने सर्वे शुरू किया

एजेंसी/नई दिल्ली

शुरूआत के 15 साल हो चुके हैं। इस दौरान 142 करोड़ से अधिक आधार कार्ड जारी हुए, लेकिन 8 करोड़ से ज्यादा धारकों की मौत के बावजूद 1.83 करोड़ कार्ड ही निष्क्रिय हो पाए हैं। करीब 6 करोड़ मृतकों के आधार अभी सक्रिय हैं। पश्चिम बंगाल में लगभग 34 लाख आधार कार्ड धारकों की मौत हो चुकी है। हालांकि, उनके आधार कार्ड अब भी एक्टिव हैं। इससे बैंक फ्रॉड, फर्जी खातों और सरकारी योजनाओं के लाभ में गड़बड़ी जैसी आशंकाएं बढ़ गई हैं। यूनीक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया यानी वक्ळ्अक के उएड भुवनेश कुमार के मुताबिक भारत के महापंजीयक से अब तक वक्ळ्अक को 1.55 करोड़ मृतकों का डेटा मिला है। नवंबर 2024 से सितंबर 2025 के बीच 38 लाख और मृतकों की सूची जुड़ी। इनमें 1.17 करोड़ की पहचान पुष्ट हुई है और उनके आधार कार्ड निष्क्रिय कर दिए गए हैं। प्राधिकरण का अनुमान है कि दिसंबर तक 2 करोड़ कार्ड निष्क्रिय हो जाएंगे। UIDAI ने चार महीने पहले वेबसाइट पर मृत्यु सूचना पोर्टल शुरू किया ताकि परिजन मृतक का आधार ऑनलाइन निष्क्रिय करा सकें।अब तक केवल 3,000 लोगों ने यह जानकारी दर्ज की है, जिनमें से 500 मामलों में ही पुष्टि हो सकी और उनके कार्ड निष्क्रिय किए गए हैं।भुवनेश कुमार ने कहा, आधार की शुरूआत 2010 में हुई। वहीं, 2016 के बाद से करीब 8 करोड़ आधार धारकों की मृत्यु का अनुमान है। सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम से केवल 25 राज्यों के आंकड़े मिलते हैं। बाकी राज्यों से डेटा जुटाने का काम जारी है। उन्होंने आगे बताया कि जब आधार जारी होना शुरू हुआ तो देश में सालाना मौतें करीब 56 लाख थीं। बढ़ते-बढ़ते आंकड़ा 85 लाख पहुंच गया। इसलिए हम 2016 से अब तक आठ करोड़ मौत मान रहे हैं। मृत्यु का पंजीकरण अब भी बेहद कैजुअल है। करीब 48 लाख नामों का मिलान अब तक नहीं हो पाया है। इनमें से 4-5% रिकॉर्ड क्षेत्रीय भाषा में दर्ज जानकारी के कारण मैच नहीं हो सके। इस प्रक्रिया में 80 ऐसे मामले सामने आए जिनमें मृत घोषित किए गए लोग बाद में जिंदा पाए गए। अब इन मामलों की जांच चल रही है।

100 साल पार करने वाले 8.3 लाख आधार की जांच

- UIDAI के डेटाबेस में 8.30 लाख आधार धारकों की उम्र 100 साल से अधिक दर्ज है।
- इनमें सर्वाधिक महाराष्ट्र में 74,000, यूपी में 67,000, आंध्र में 64,000 व तेलंगाना में 62,000 कार्ड धारक शामिल हैं।
- राज्यों ने इनमें से अब तक 3,086 मामलों की ही पुष्टि की। इनमें 629 जिंदा, 783 मृत और 1,674 की जानकारी नहीं मिली।
- बैंकों और राशन सिस्टम से भी गड़बड़ी के संकेत
- एसबीआई के 22 करोड़ आधार-लिंक्ड खातों में 8 लाख मृतकों के खाते बंद किए गए।
- पीएनबी के 14 करोड़ खातों में से 4 लाख मौतों की पुष्टि हुई।
- पीडीएस से जुड़े 80 करोड़ राशन कार्डों में से 4.5 लाख मृतकों के कार्ड सक्रिय पाए गए।
- दो करोड़ पेंशनरों में 22 लाख की मौत की पुष्टि। बीमा कंपनियों के पास 5 लाख मृतकों की जानकारी।

दिल्ली ब्लास्ट-यात्रियों को एक घंटे पहले स्टेशन पहुंचने की सलाह

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली में ब्लास्ट के बाद कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इसमें यात्रियों से रेलवे स्टेशन, मेट्रो स्टेशन और एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच के कारण होने वाली देरी से बचने के लिए समय से पहले पहुंचने के लिए कहा गया है। दिल्ली के जॉइंट पुलिस कमिश्नर मिलिंद डुंबरे ने एडवाइजरी में कहा कि दिल्ली में सिक्योरिटी बढ़ा दी गई है। रेलवे स्टेशन, मेट्रो स्टेशन और एयरपोर्ट पर यात्रियों की जांच की जा रही है। इसलिए ट्रेन से यात्रा करने वाले पैसेंजर्स ट्रेन जाने के टाइम से कम से कम एक घंटा पहले स्टेशन पहुंचें। एडवाइजरी में दिल्ली मेट्रो से जाने वाले लोगों को 20 मिनट पहले पहुंचने और फ्लाइट से जाने वाले पैसेंजर्स को एयरपोर्ट पर कम से कम तीन घंटे पहले पहुंचने की सलाह दी गई है। दरअसल, 10 नवंबर को लाल किला परिसर के पास सिग्नल पर 20 कार में ब्लास्ट के बाद दिल्ली में सुरक्षा जांच कड़ी कर दी गई है। इस आतंकी घटना में 13 लोगों की मौत हो गई थी और 20 लोग घायल हैं। यह एडवाइजरी इसलिए जारी की गई है ताकि सुरक्षा जांच आसानी से हो सके और लोगों को आखिरी समय में परेशानी न हो। अधिकारियों ने लोगों से सहयोग करने की अपील की है ताकि सतर्कता के इस समय में सुरक्षा और यात्रा व्यवस्था ठीक से बनी रहे।

ट्रक का ब्रेक फेल हुआ, कार से भिड़ा, दोनों में आग लगी, 5 जिंदा जले

पुणे में 25 गाड़ियां टकराईं, 9 की मौत

एजेंसी/पुणे

पुणे के बाहरी इलाके में नवले ब्रिज के पास गुरुवार शाम एक ट्रक का ब्रेक फेल होने से 20 से 25 गाड़ियां आपस में टकरा गईं। ट्रक सबसे पहले एक कार से टकराया। कार आगे जा रहे कंटेनर से भिड़ गई और उसमें आग लग गई। ट्रक भी जल गया। हादसे में कार सवार 5 लोग जिंदा जल गए। ट्रक ड्राइवर समेत 9 लोगों की मौत हो गई। हादसे में करीब 20 लोग घायल भी हुए हैं। पुलिस के मुताबिक हादसा पुणे-नासिक हाईवे पर भोरगांव के पास हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह से कंटेनर और ट्रक के बीच दब गई और आग लगने के कुछ सेकेंड में ही लपटों में घिर गई। मृतकों की पहचान की जा रही है। हादसे के बाद करीब एक घंटे तक हाईवे पर ट्रैफिक प्रभावित रहा। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया. हादसे में घायल हुए सभी लोगों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है. बताया जा रहा है कि सतारा से पुणे की ओर आ रहे दोनों ट्रकों के बीच कार फंस गई थी. इससे दोनों ट्रकों और कार में आग लग गई. हादसे के कारण नवले ब्रिज पर लंबा जाम लग गया है. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक ट्रक के ब्रेक फेल हो गए और वह आगे जा रही कार से टकराया जिससे वह कंटेनर से जा भिड़ी और उसमें आग लग गई, जिससे वह पूरी तरह जल गई. कार में 5 लोग सवार थे. इसके अलावा ट्रक में भी आग लग गई इससे ड्राइवर बाहर नहीं निकल सका. उसकी भी मौत हो गई. पीछे एक यात्री वाहन था, वह भी आग की चपेट में आ गया. उसमें 17-18 लोग सवार थे. सभी घायल हुए हैं. इसके अलावा कुछ कारें और अन्य वाहन भी आपस में टकरा गए।

कई वाहन आपस में भिड़े

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। हादसे में घायल हुए सभी लोगों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि ट्रक और कंटेनर सतारा से पुणे की ओर आ रहे थे। कार इनके बीच फंस गई। हादसे के कारण नवले ब्रिज पर लंबा जाम लग गया है। ट्रक में आग लगने से इसका ड्राइवर बाहर नहीं निकल सका। लिहाजा उसकी भी जलकर मौत हो गई। पीछे एक यात्री वाहन था, वह भी आग की चपेट में आ गया। उसमें 17-18 लोग सवार थे। सभी घायल हुए हैं। इसके अलावा कुछ कारें और अन्य वाहन भी आपस में टकरा गए।

सीएम फडणवीस ने मदद का ऐलान किया

महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी और मरने वालों के परिवार को 5-5 लाख रुपए की मदद देने का ऐलान किया है। सांसद सुप्रिया सुले ने भी हादसे पर दुख जताते हुए घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की है।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने मुकुल रॉय की विधायकी रद्द की

एजेंसी/कलकत्ता

कलकत्ता हाईकोर्ट ने गुरुवार को दलबदल विरोधी कानून के तहत तृणमूल कांग्रेस के नेता मुकुल रॉय की पश्चिम बंगाल विधानसभा की सदस्यता रद्द कर दी। जस्टिस देबांगसु बसाक की अध्यक्षता वाली डिवीजन बेंच ने विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी और भाजपा विधायक अंबिका रॉय की याचिकाओं पर फैसला दिया। अधिकारी ने विधानसभा अध्यक्ष बनर्जी के उस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी जिसमें रॉय को दलबदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य ठहराने की उनकी याचिका खारिज कर दी गई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि भाजपा के टिकट पर निर्वाचित होने के बाद वह सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए थे। दरअसल मुकुल रॉय मई 2021 में भाजपा की टिकट पर विधायक बने थे लेकिन 11 जून 2021 को रॉय और उनके बेटे सुभ्रांशु टीएमसी में शामिल हो गए थे। उन्होंने सीएम ममता बनर्जी और उनके सांसद भतीजे अभिषेक बनर्जी की उपस्थिति में करीब 4 साल बाद घर वापसी की थी। इससे पहले 2017 में वे टीएमसी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। इसके बाद 18 जून 2021 को सुवेंदु अधिकारी ने विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी को मुकुल की सदस्यता खत्म करने को लेकर अर्जी दी थी। उन्होंने दल बदल कानून के तहत सदन में रॉय की सदस्यता को अयोग्य घोषित करने की मांग की थी।

दिल्ली कार धमाका : गृह मंत्री अमित शाह के घर अहम बैठक, आईबी चीफ और एनएसए अजित डोभाल मौजूद

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली में हुए कार धमाके के बाद केंद्र सरकार की सुरक्षा एजेंसियों की गतिविधियां तेज हो गई हैं। गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर गुरुवार देर शाम एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई हुई, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल, इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के प्रमुख, गृह सचिव, और अन्य वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी मौजूद हैं।इससे पहले अमित शाह ने इन हमलों को लेकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 साल में आतंकवाद के खिलाफ भारत की

लड़ाई को पूरी दुनिया ने स्वीकार किया है। इस लड़ाई का नेतृत्व करने में प्रधानमंत्री मोदी विश्व में सबसे आगे हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने भी यह कायरतापूर्ण काम किया है और जो लोग इसके पीछे हैं, उन सभी को कानून के सामने खड़ा कर सख्त से सख्त सजा देने के लिए भारत सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है।शाह ने कहा कि माणसा के सभी नागरिकों के लिए मोती भाई काका एक आदर्श हैं। मोती भाई ने एक ऐसा आदर्श जीवन जिया जो पूरी तरह महात्मा गांधी के सिद्धांतों पर आधारित, प्रामाणिक और पारदर्शी रहा। उन्होंने कहा कि उस समय के सभी लोगों ने गुजरात के पशुपालकों, किसानों और राज्य के गांवों के लिए समृद्धि के द्वार खोलने का कार्य किया। शाह ने कहा कि आज अमूल पूरे विश्व में सहकारिता का एक नंबर का ब्रान्ड बना है और इसका मूल उस समय के सभी महानुभावों की ओर से रखी गई नींव है।

त्रिशूल से तीनों सेनाओं की ताकत हुई और मजबूत

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सबसे बड़ा सैन्य अभ्यास

एजेंसी/नई दिल्ली

भारत की तीनों सेनाओं थल सेना, नौसेना और वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद अब तक का सबसे बड़ा संयुक्त युद्धाभ्यास ह्यत्रिशूलह्व पूरा किया है। गुजरात के पोरबंदर तट पर समाप्त हुए इस अभ्यास ने भारत की सैन्य एकजुटता, तकनीकी समन्वय और युद्धक क्षमताओं को नई ऊंचाई दी है। शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने इसे नई मिसाल बताया।करीब दो सप्ताह तक चले इस अभ्यास में तीनों सेनाओं ने एकजुट होकर कई जटिल युद्ध परिस्थितियों का अभ्यास

किया। दक्षिणी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ, पश्चिमी नौसेना कमान के प्रमुख वाइस एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन और दक्षिण-पश्चिमी वायु कमान के प्रमुख एयर मार्शल नागेश कपूर ने इस युद्धाभ्यास की निगरानी की। अभ्यास में लगभग 30,000 सैनिक, 25 युद्धपोत और कई लड़ाकू विमान शामिल रहे। अभ्यास के दौरान थल सेना, नौसेना और वायुसेना ने थार रेगिस्तान से लेकर कच्छ तक युद्धाभ्यास किया। वायुसेना ने लगभग 1,450 उड़ानें भरीं और नई तकनीकों का परीक्षण किया। एयर मार्शल कपूर ने बताया कि इस अभ्यास का उद्देश्य किसी रणनीतिक संदेश देना नहीं था, बल्कि नई तकनीक को परखना और संयुक्त युद्ध रणनीतियों को मजबूत बनाना था।

नौसेना ने दिखाया समुद्री प्रभुत्व

वाइस एडमिरल स्वामीनाथन ने बताया कि त्रिशूल में विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत भी शामिल था। नौसेना ने कैरीयर बैटल ग्रुप के साथ जटिल समुद्री युद्धाभ्यास किए और अपनी उभयचर (अम्फीबियस) क्षमताओं का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि यह अभ्यास भारत को समुद्री सीमाओं की सुरक्षा में और सक्षम बनाएगा तथा किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए सेनाएं पूरी तरह तैयार हैं।

गंगा तट से किला मैदान तक लिट्टी-चोखा का प्रसाद, देश-विदेश से उमड़े श्रद्धालु

मिनी काशी बक्सर में आस्था का महाकुंभ, पंचकोशी मेला संपन्न, एकता और परंपरा का बना प्रतीक

- **स्वामी, संतों और जनप्रतिनिधियों ने बढ़ाया मेला का वैभव**

केटी न्यूज/बक्सर

गंगा की लहरों से उठती भक्ति ध्वनि, मिट्टी के उपलों पर सिकती लिट्टी की महक, मंदिरों की घंटियों का कंपन और श्रद्धालुओं की जयघोष ने बक्सर को एक जीवंत तीर्थ में बदल दिया। यह नजारा गुरूवार को मिनी काशी से नाम से मशहूर बक्सर का था, जहां पंचकोशी परिक्रमा के अंतिम दिन श्रद्धालुओं लिट्टी चोखा बनाकर प्रसाद ग्रहण कर त्रेता युग से चली आ रही परंपरा का निवर्हन किया।

मिनी काशी (बक्सर) ने एक बार फिर अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर का भव्य प्रदर्शन किया। नौ नवंबर से प्रारंभ हुई विश्व प्रसिद्ध पंचकोशी परिक्रमा यात्रा गुरुवार, 13 दिसंबर को चरित्रवन पहुंचकर पूर्ण हुई। पूरे शहर में भक्ति, भोग और भाईचारे की ऐसी लहर उमड़ी कि हर गली-मोहल्ला प्रसाद वितरण केंद्र में बदल गया।

पंचकोशी मेला के अंतिम दिन चरित्रवन, किला मैदान और गंगा तट श्रद्धालुओं से खचाखच भरे रहे। बुधवार की रात से ही दूर-दराज के राज्यों उत्तर प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान यहां तक कि पड़ोसी देश नेपाल से भी श्रद्धालु पहुंचने लगे थे। भोर में गंगा स्नान और पूजा-अर्चना के बाद लिट्टी-चोखा प्रसाद का दौर शुरू हुआ। हर ओर धुएं से भरा आसमान, भक्ति में लीन चेहरों की चमक और मिट्टी के उपलों पर सिकती लिट्टी की सुगंध वातावरण को अलौकिक बना रही थी। श्रद्धालु स्वयं उपले लेकर लिट्टी लगाते और उसे प्रसाद के रूप में ग्रहण करते दिखे।

स्वामी अच्युत प्रपन्नाचार्य ने दिया भक्ति का संदेश

चरित्रवन श्रीनिवास मंदिर परिसर में पंचकोशी परिक्रमा समिति के अध्यक्ष पूज्य स्वामी अच्युत प्रपन्नाचार्य जी महाराज द्वारा विशाल प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई। यहां श्रद्धालुओं की लंबी कतारें भक्ति और अनुशासन का अद्भुत उदाहरण पेश कर रही थीं। शहर के विभिन्न मठों और आश्रमों के महंतों ने भी प्रसाद वितरण में सहयोग किया।

स्वामी जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि पंचकोशी केवल परिक्रमा नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और लोककल्याण की साधना है। यह मेला बक्सर की आध्यात्मिक पहचान और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है।

नेताओं ने भी निभाई सेवा की परंपरा

इस अवसर पर सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र से भी लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। निवर्तमान सदर विधायक संजय कुमार तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी ने कलेक्ट्रेट रोड पर विशाल लिट्टी-चोखा भोज का आयोजन किया, जहां हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। वहीं पूर्व आईपीएस सह भाजपा प्रत्याशी आनंद मिश्रा ने गोयल धर्मशाला में श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया। इन आयोजनों में सभी समुदायों के लोग, प्रशासनिक अधिकारी और आमजन समान रूप से शामिल हुए। इस दृश्य ने बक्सर को सामाजिक एकता के अद्भुत उदाहरण के रूप में स्थापित कर दिया।

कम्हरिया धाम से नौलखा मंदिर तक गूंजा भक्ति संगीत

कम्हरिया धाम के स्वामी गंगापुत्र लक्ष्मीनारायण जी महाराज ने नौलखा मंदिर के सामने श्रद्धालुओं के लिए भव्य प्रसाद और ठहरने की व्यवस्था की। उन्होंने कहा कि यह परंपरा त्रेतायुग से चली आ रही है। जब भगवान श्रीराम ने ताड़का वध के बाद पंचऋषियों से आशीर्वाद लिया और विभिन्न स्थानों पर प्रसाद ग्रहण किया था, तभी से पंचकोशी यात्रा का आरंभ माना जाता है। उनके प्रवचनों में रामायण और वेदांत की झलक ने श्रद्धालुओं को भक्ति भाव से भर दिया।

बक्सर, धर्म, संस्कृति और पर्यटन का संगम

धर्मशास्त्री डॉ. रामनाथ ओझा ने कहा कि बक्सर वह भूमि है, जहां से सृष्टि की शुरुआत मानी जाती है। पंचकोशी परिक्रमा आत्मा की शुद्धि और जीवन के लक्ष्य की प्राप्ति का मार्ग है। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि जनप्रतिनिधि और प्रशासन बक्सर के धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठाएं, ताकि यह क्षेत्र विश्व स्तर पर अपनी पहचान और मजबूत कर सके।

आस्था, एकता और आनंद का पर्व

पंचकोशी परिक्रमा अब केवल धार्मिक यात्रा नहीं रही, यह लोक-जीवन का उत्सव बन चुकी है। इसमें शामिल हर व्यक्ति चाहे वह साधु हो या आम जन, स्थानीय व्यापारी हो या प्रशासनिक अधिकारी, सब भक्ति और सेवा की भावना से एक सूत्र में बंधे नजर आए। बक्सर की पंचकोशी परिक्रमा ने इस बार भी यह साबित कर दिया कि जब आस्था और एकता एक साथ चलें, तो पूरा शहर मंदिर बन जाता है। मिनी काशी का यह मेला न केवल धार्मिक उत्सव है, बल्कि भारत की जीवंत संस्कृति, सामूहिक सद्भाव और भक्ति के अनोखे संगम का प्रतीक बन चुका है।

आज पूरा जिला खाएगा लिट्टी चोखा

पौराणिक पंचकोशी परिक्रमा के अंतिम दिन जहां परिक्रमा में शामिल श्रद्धालु चरित्रवन में लिट्टी चोखा का प्रसाद ग्रहण करते है, वहीं इस दिन बक्सर जिले के सभी घरों में लिट्टी चोखा ही बनाया जाता है। यह भी अजीब संयोग है कि पूरा जिला इस दिन पंचकोशी की याद में लिट्टी चोखा ही खाता है। जिससे इस परंपरा की गहराईयों तथा लोगों की आस्था प्रमाणित हो रही है।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720

डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ

डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन

डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST

पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

प्रशिक्षण में अनुपस्थित कर्मियों पर गिरी गाज वेतन स्थगित, विधिसम्मत कार्रवाई का आदेश

- **जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने दी कड़ी चेतावनी, चुनावी प्रक्रिया में लापरवाही बर्दाश्त नहीं**

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को लेकर प्रशासनिक तैयारियों के बीच बक्सर जिले में प्रशिक्षण में अनुपस्थित कर्मियों पर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। नोडल पदाधिकारी, कार्मिक कोषांग बक्सर से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मतदान एवं मतगणना कार्य में नियुक्त कर्मियों की अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए उनके विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

सूत्रों के अनुसार, दिनांक 23 से 25 अक्टूबर 2025 तक मतदान दल में नियुक्त कर्मियों के लिए द्वितीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया था। इस दौरान कुल 17 कर्मी बिना सूचना अनुपस्थित पाए गए। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी, बक्सर द्वारा इन सभी अनुपस्थित कर्मियों से स्पष्टीकरण मांगा गया था। हालांकि, उनमें से 04 कर्मियों ने अब तक कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया है। वहीं दूसरी ओर, 30 अक्टूबर 2025 को मतगणना कार्य हेतु नियुक्त कर्मियों का प्रथम प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। इस प्रशिक्षण में भी 42 कर्मी अनुपस्थित रहे। संबंधित नोडल पदाधिकारी द्वारा इन कर्मियों से भी स्पष्टीकरण मांगा गया, परंतु 23 कर्मियों ने अब तक कोई उत्तर नहीं दिया है। इन दोनों प्रशिक्षणों में लापरवाह पाए गए कर्मियों के खिलाफ जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सख्त रुख अपनाते हुए तत्काल प्रभाव से उनका वेतन अगले आदेश तक स्थगित रखने की स्वीकृति प्रदान की है। साथ ही, आरपी एक्ट के सुसंगत प्रावधानों के तहत विधि-सम्मत कार्रवाई करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि निर्वाचन कार्य राज्य का सर्वोच्च दायित्व है और इस प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर लापरवाही या उदासीनता लोकतांत्रिक प्रणाली के प्रति असंवेदनशीलता को दर्शाती है। ऐसे में अनुपस्थित रहने वाले कर्मियों के विरुद्ध किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि चुनाव संबंधी सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उपस्थिति अनिवार्य है। प्रशिक्षण के दौरान मतदान और मतगणना से जुड़े प्रत्येक कर्मी को अपने दायित्वों, तकनीकी प्रक्रियाओं और प्रशासनिक दिशानिर्देशों की जानकारी दी जाती है। ऐसे में अनुपस्थिति न केवल चुनावी कार्य में बाधा उत्पन्न करती है, बल्कि पूरे निर्वाचन तंत्र की दक्षता पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, संबंधित विभागों को निर्देश दिया गया है कि वे अनुपस्थित कर्मियों की रिपोर्ट तैयार कर शीघ्र जिला निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध कराएं। दोषी पाए जाने पर न केवल वेतन रोका जाएगा, बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जाएगी।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएंः
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

मतगणना से पहले राजपुर में पुलिस का फ्लैग मार्च, शांति भंग करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

- **चुनावी नतीजों से पहले बढ़ी हलचल, समर्थकों में बढ़ी चचार्एं, प्रशासन सतर्क, सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद**

केटी न्यूज/राजपुर

विधानसभा चुनाव की मतदान प्रक्रिया संपन्न होने के बाद अब पूरे जिले की नजरें मतगणना पर टिकी हुई हैं। जैसे-जैसे मतगणना की तारीख करीब आ रही है, वैसे-वैसे प्रत्याशियों के समर्थकों के बीच उत्सुकता और चचाओं का बाजार गर्म होता जा रहा है। राजपुर समेत आसपास के इलाकों में जगह-जगह लोगों के बीच अपने-अपने उम्मीदवारों की संभावित जीत को लेकर चचाएं जारी हैं। समर्थक एक-दूसरे से नतीजों को लेकर अनुमान लगा रहे हैं, वहीं कई जगहों पर इसको लेकर बहस भी तेज हो गई है। ऐसे माहौल में प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है ताकि मतगणना के दौरान या उसके बाद किसी तरह की अप्रिय घटना न घटे। शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से गुरुवार को राजपुर थानाध्यक्ष निवास कुमार के नेतृत्व में पुलिस बलों ने इलाके में व्यापक फ्लैग मार्च किया। यह फ्लैग मार्च राजपुर बाजार, सरेंजा, तियरा और भलुहा सहित प्रमुख इलाकों से निकाला गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि मतगणना के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। किसी भी कीमत पर शांति भंग करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। क्षेत्र में गश्ती बढ़ा दी गई है और संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि मतगणना केंद्रों के आसपास और भीड़भाड़ वाले इलाकों में महिला पुलिस बल सहित अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है। सभी चौक-चौराहों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पुलिस अधिकारी लगातार इलाके का भ्रमण कर स्थिति का जायजा ले रहे हैं। मतगणना के दिन संभावित भीड़ या जुलूस को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने कई स्तरों पर सुरक्षा योजना तैयार की है। सीसीटीवी निगरानी, पिकेट ड्यूटी, और पैदल गश्ती की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है ताकि किसी भी स्थिति पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। स्थानीय प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों से दूर रहें और मतगणना के दौरान शांति बनाए रखें। अधिकारियों का कहना है कि किसी भी तरह के भ्रामक संदेश या भड़काऊ बयान पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। राजपुर में मतगणना से पहले किए गए फ्लैग मार्च ने यह साफ संदेश दिया है कि पुलिस और प्रशासन किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। अब देखना यह होगा कि मतगणना के परिणाम आने के बाद जिले में राजनीतिक माहौल कितना संयमित रहता है।

वीर कुंवर सिंह सेतू से गंगा में कूद गया युवक, तलाश व पहचान जारी

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर के वीर कुंवर सिंह सेतू से एक युवक ने गंगा में छलांग लगा दी है। घटना गुरूवार की शाम करीब पांच बजे की है। इसकी जानकारी मिलते ही नगर थाने की पुलिस व स्थानीय प्रशासन लापता युवक के तलाश में जुट गई है। समाचार लिखे जाने तक उसकी शिनाख्त भी नहीं हो पाई थी।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि युवक अचानक वीर कुंवर सिंह सेतू के रेलिंग पर चढ़ा। इस दौरान उसकी मंशा को भांप लोगों ने उसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन तबतक वह गंगा में छलांग लगा दिया।

वहां, मौजूद लोगों ने ही बक्सर नगर थाने को इसकी जानकारी दी। जानकारी मिलते ही नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सदल बल मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थानीय गोताखोरों की मदद से लापता युवक की तलाश शुरू करवाई है। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक लापता युवक के संबंध में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। उसकी शिनाख्त भी नहीं हो पाई है कि युवक कौन था तथा उसने किस परिस्थिति में ऐसा कदम उठाया है। फिलहाल पुलिस ने लापता युवक की तलाश के लिए एसडीआरएफ टीम को सूचना दिया है।

घटना के बाद वीर कुंवर सिंह सेतू पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई है। नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि युवक की शिनाख्त के साथ ही उसकी तलाश की जा रही है। एसडीआरएफ टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। उन्होंने कहा कि युवक की शिनाख्त के बाद ही इस मामले में कुछ कहा जा सकता है कि उसने किस परिस्थिति में ऐसा कदम उठाया है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी विद्यानंद सिंह ने मतगणना के एक दिन पूर्व सभी नियुक्त दंडाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण संयुक्त ब्रीफिंग की

मतगणना को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद, डीएम ने दिए सख्त निर्देश, तीन-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित

केटी न्यूज/बक्सर

विधानसभा चुनाव 2025 की मतगणना को लेकर जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। गुरुवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी विद्यानंद सिंह ने मतगणना के एक दिन पूर्व सभी नियुक्त दंडाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण संयुक्त ब्रीफिंग की। बैठक में पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य, उप विकास आयुक्त आकाश चौधरी, अपर समाहर्ता सहित चारों विधानसभा क्षेत्रों, बक्सर, डुमरांव, राजपुर और ब्रह्मपुर के निवार्ची पदाधिकारी (आरओ) उपस्थित रहे। डीएम ने इस दौरान स्पष्ट कहा कि मतगणना प्रक्रिया में किसी भी

स्तर पर लापरवाही या असावधानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्र मतगणना हॉल, स्ट्रॉन्ग रूम, परिधि क्षेत्र और आवंटित टेबल पर पूर्ण सजगता और तत्परता बनाए रखें। डीएम ने कहा कि मतगणना कार्य कानूनी प्रक्रिया, पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ सम्पन्न होना चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार का संदेह या विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो। बैठक में पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने सुरक्षा व्यवस्था का विस्तृत खाका प्रस्तुत करते हुए कहा कि मतगणना स्थल पर तीन-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। पहले स्तर पर केंद्रीय अर्धसैनिक बल, दूसरे स्तर पर राज्य पुलिस और तीसरे स्तर पर जिला बल एवं होमगार्ड की तैनाती रहेगी। उन्होंने कहा कि प्रवेश नियंत्रण प्रणाली को सख्ती से लागू किया जाएगा, केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही मतगणना परिसर में प्रवेश की अनुमति होगी। एसपी ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि भीड़ प्रबंधन, सीसीटीवी निगरानी और संवेदनशील बिंदुओं पर विशेष गश्ती सुनिश्चित की जाए। किसी भी अप्रिय स्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया और समन्वित कार्रवाई की व्यवस्था रहेगी। उप विकास आयुक्त ने मतगणना केंद्र की व्यवस्थाओं पर जानकारी देते हुए बताया कि बिजली आपूर्ति, जनरेटर बैकअप, बैरिकेडिंग, परिवहन व्यवस्था, सहायता डेस्क तथा अन्य सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया गया है। अपर समाहर्ता ने भी कहा कि प्रशासनिक और लॉजिस्टिक सभी तैयारियां पूरी तरह से मुकम्मल हैं। चारों निवार्ची पदाधिकारियों (आरओ) ने अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों से संबंधित तैयारियों का अद्यतन ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए बताया कि मतगणना कर्मियों की तैनाती, टेबल आवंटन, राउंड-वार योजना और स्ट्रॉन्ग रूम सुरक्षा की सभी प्रक्रियाएँ निर्धारित मानक के अनुरूप पूरी कर ली गई हैं। बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने दोहराया कि मतगणना दिवस पर हर अधिकारी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन पूर्ण निष्ठा से करें। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता एक ही है कृ शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी मतगणना। साथ ही यह भी निर्देश दिया गया कि किसी भी प्रकार की तकनीकी या प्रशासनिक समस्या आने पर त्वरित स्तर पर समन्वय स्थापित कर उसका समाधान किया जाए।

कारोबारी के पूरे शरीर से निकली शराब की शीशियां, गिरफ्तार

केटी न्यूज/चौगाई

मुरार पुलिस ने गुप्त सूचना पर गुरूवार को थाना क्षेत्र के चौगाईं गांव में शराब तस्करी के विरूद्ध छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान एक कारोबारी 11 फुटी पैक शराब के साथ पकड़ा गया। जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार कारोबारी की पहचान स्थानीय गांव निवासी कन्हैया सिंह के रूप में की गई है। खास यह कि कारोबारी ने शराब की खेप को अपने शरीर में कपड़े के अंदर छिपाया था, जिसे देख तलाशी लेने वाले पुलिसकर्मी भी दंग रह गए।

पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि कन्हैया सिंह शराब की होम डिलीवरी कर रहा है। इस सूचना पर एक टीम गठित कर छापेमारी करवाई गई। इस दौरान उसके पूरे शरीर से शराब की शीशिया मिली, जिसके बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

मृतका सविता के पिता ने पति पर दर्ज कराया एफआईआर, सामने आ रही है परिवार की लापरवाही

तीन बच्चों समेत विवाहिता की मौत मामले में प्राथमिकी दर्ज, पुलिस की तफ्तीश तेज

- **कीटनाशक दुकानदार, पीएचसी के चिकित्सा पदाधिकारी आदि से पूछताछ कर गुत्थी सुलझा रही है पुलिस**

केटी न्यूज/डुमरांव

नया भोजपुर में घटित एक दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। महज एक मोबाइल फोन की मांग पर हुए विवाद ने चार जिंदगियों को खत्म कर दिया। घटना में एक विवाहिता ने न सिर्फ खुद जहर खाकर आत्महत्या कर ली, बल्कि अपने तीन मासूम बच्चों को भी मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने मृतका के पिता के आवेदन पर पति सुनील कुमार सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गुरूवार को नया भोजपुर पुलिस ने कीटनाशक बेचने वाले दुकानदार, बच्चों का प्राथमिक इलाज करने वाले डुमरांव पीएचसी के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आरबी प्रसाद तथा

ग्रामीणों से पूछताछ कर इस लोमहर्षक घटना की गुत्थी सुलझाने का प्रयास कर रही है। नया भोजपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार खुद इस बहुचर्चित मामले की जांच कर रहे है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में परिवार की भारी लापरवाही सामने आई है। मिली जानकारी के अनुसार घटना के बाद परिवार ने पुलिस को सूचना नहीं दी। वहीं, बच्चों के साथ कीटनाशक खाने वाली महिला को घर में मरता छोड़ परिवार के लोग सिर्फ तीन बच्चों को लेकर ही इलाज के लिए पीएचसी पहुंचे। सबसे अहम बात तो ये है कि बच्चों के जहर पीने की जानकारी के बावजूद परिवार ने पीएचसी के चिकित्सा पदाधिकारी के समक्ष यह बात छिपा ली तथा कहा कि बच्चे उल्टी कर रहे है। जिस कारण उनका इलाज सही दिशा में नहीं हो सका। यही कारण है कि बच्चों की हालत बिगड़ी तथा सदर अस्पताल में इलाज के दौरान बच्चों समेत उनकी मां की मौत हो गई।

बोले चिकित्सा पदाधिकारी स्वजनों ने नहीं दी थी जहर पिलाने की जानकारी

इस मामले में पुलिस की पूछताछ में चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आरबी प्रसाद ने बताया मंगलवार को ओपीडी के आखिरी क्षणों में नया भोजपुर के लोग तीन बच्चों को लेकर आए थे तथा यह नहीं बताए कि बच्चों को जहर पिलाया गया है, बल्कि सिर्फ इतना बताए कि बच्चे उल्टी कर रहे है। जिसके बाद मैने उल्टी रोकने की दवा दी तथा उन्हें हायर सेंटर ले जाने का सलाह दिया। चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि वे लोग किसी महिला को लेकर नहीं आए थे।

कई बिंदुओं पर जांच कर रही है पुलिस

थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि पुलिस इस मामले की काफी गहराई से जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि जांच में कई बिंदुओं को शामिल किया गया है। मसलन कीटनाशक दवा कितने दिन पहले खरीदी गई थी। क्या उस दौरान पति-पत्नी दोनों साथ गए थे। पीएचसी में सिर्फ बच्चों का ही प्राथमिक इलाज क्यो करवाया गया, जहर पीने वाली सविता को तत्काल अस्पताल क्यों नहीं पहुंचाया गया, पुलिस को इस घटना की जानकारी क्यों नहीं दी गई। इसके अलावे पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा एफएसएल रिपोर्ट का इंतजार भी कर रही है।

क्या है घटनाक्रम

बता दें कि मंगलवार को नया भोजपुर निवासी व पेशे से राजमिस्त्री सुनील कुमार का अपनी पत्नी सविता के साथ विवाद हो गया था। इसके बाद सविता ने अपने तीन मासूम बच्चों के साथ खुद भी जहर घोलकर पी ली थी। देर शाम सदर अस्पताल में मां समेत दो बच्चों की जबकि पीएमसीएच में इलाज के दौरान एक वर्षीय बच्चे की मौत हो गई।

तीसरे दिन भी होते रही घटना की चर्चा

इस लोमहर्ष घटना की चर्चा तीसरे दिन भी गांव में होते रही। ग्रामीणों में इस घटना को लेकर कई तरह की चर्चाएं हो रही थी। सिर्फ मोबाईल के लिए इतनी बड़ी घटना होना ग्रामीणों के गले नहीं उतर रही थी। गुरूवार को भी पीड़ित परिवार के घर मातमपूर्सी करने वालों को तांता लगा रहा। इस दौरान तीसरे दिन भी पीड़ित परिवार के घर चूल्हे नहीं जले। परिवार के सदस्यों को इस घटना के बाद मानों काठ मार गया है, कोई कुछ बोलने को तैयार नहीं हो रहा है। पूरे दिन घर से रह-रहकर महिलाओं तथा बच्चों के रोने की आवाजे आ रही थी। जिससे मोहल्ले में वीरानगी छाई रही।

परिवार पर लग रहा है साक्ष्य मिटाने का आरोप

इन सभी घटनाओं के बीच मृतका के ससुराल वालों पर साक्ष्य मिटाने का आरोप भी लग रहा है। बुधवार को घटना स्थल से साक्ष्य इकट्ठा करने आई एफएसएल टीम ने जब घटना स्थल का मुआयना किया तो उसे यह बात समझते देर नहीं लगी कि परिवार द्वारा साक्ष्य मिटाने का भरपूर प्रयास किया गया है। बता दें कि जहरीला कीटनाशक पीने के बाद सविता तथा उसके तीनों बच्चे उल्टी किए थे। लेकिन उनके घर से बाहर निकलते ही परिवार द्वारा पूरे घर की सफाई कर दी गई थी। यही नहीं मृतका जो कपड़े पहनी थी, उसे भी धो दिया गया था, जिससे एफएसएल टीम को घटना स्थल से साक्ष्य इकट्ठा करने में मशक्कत करनी पड़ी।

चारों विधानसभा की मतगणना आज, आठ बजे से शुरू होगी गिनती

- **सुबह छह बजे से अभिकताओं का प्रवेश, मोबाइल ले जाने पर रहेगी रोक**

केटी न्यूज/बक्सर

विधानसभा चुनाव की मतगणना को लेकर जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। गणन अभिकर्ता व प्रत्याशियों को मतगणना केंद्र में सुबह छह बजे से प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। हालांकि, मतगणना कक्ष में मोबाइल फोन ले जाने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। जिला निर्वाचन कार्यालय के अनुसार, मतगणना कार्य ठीक सुबह आठ बजे एक साथ प्रारंभ किया जाएगा।

चारों विधानसभा क्षेत्रों बक्सर, डुमरांव, ब्रह्मपुर और राजपुर के लिए अलग-अलग कक्ष बनाए गए

हैं। प्रत्येक कक्ष में 14-14 टेबल लगाए गए हैं, जहां चरणबद्ध तरीके से मतगणना की जाएगी। ब्रह्मपुर और राजपुर विधानसभा क्षेत्रों में 30-30 राउंड में मतगणना पूरी होगी। वहीं, बक्सर विधानसभा में 25 राउंड तथा डुमरांव विधानसभा में 28 राउंड में नतीजे सामने आएंगे। मिली जानकारी के अनुसार ब्रह्मपुर की गिनती केशोपुर से बक्सर की चरित्रवन वही, डुमरांव की चिलहरी से तो राजपुर की गिनती भी ग्रामीण क्षेत्र से प्रारम्भ की जाएगी।

जिले में कुल चार विधानसभा क्षेत्रों में अलग-अलग संख्या में मतदान केंद्र थे। ब्रह्मपुर में कुल 418 बूथ, राजपुर में 421 बूथ, बक्सर में 346 बूथ तथा डुमरांव में 382 बूथ स्थापित किए गए थे। इस बार बक्सर जिले में औसतन 62 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है।

प्रशासन ने मतगणना केंद्रों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। केंद्रीय बलों के जवानों की तैनाती के साथ प्रवेश द्वार पर तीन स्तरीय जांच की व्यवस्था की गई है। मतगणना स्थल के अंदर केवल अधिकृत गणन अभिकर्ता, प्रत्याशी और निर्वाचन पदाधिकारी ही प्रवेश कर सकेंगे। जिला प्रशासन ने मतगणना प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने का भरोसा जताया है।

सिमरी के ई-शताब्दी कृषि भवन में बीज वितरण के दौरान अफरातफरी, किसानों में आक्रोश

- **लिंक फेल होने से वितरण कार्य बाधित, दो दिन से लाइन में खड़े किसान लौटे खाली हाथ**

केटी न्यूज/सिमरी

सिमरी स्थित ई-शताब्दी कृषि भवन में गुरुवार को बीज वितरण के दौरान भारी अफरातफरी का माहौल देखने को मिला। सैकड़ों किसान बीज लेने के लिए सुबह से लाइन में खड़े थे, लेकिन अचानक लिंक फेल हो जाने के कारण वितरण प्रक्रिया बाधित हो गई। इस बीच धक्का-मुक्की और हंगामे की स्थिति उत्पन्न हो गई। ग्रामीण क्षेत्रों से आए महिला-पुरुष किसानों ने बताया कि वे पिछले दो दिनों से बीज लेने के लिए सुबह

से शाम तक लाइन में लगे रहते हैं, मगर शाम होते-होते खाली हाथ लौटना पड़ता है। किसानों ने बताया कि तकनीकी खराबी और अव्यवस्था के कारण उन्हें काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। पूर्व पंचायत अध्यक्ष राहुल कुमार ठाकुर, अशोक कुमार, सुभाष यादव, महेंद्र यादव, लालू यादव, शिव शंकर ठाकुर, रमाकांत यादव, प्रवीन राय सहित अन्य किसानों ने बताया कि बीज वितरणकताओं द्वारा हर बार यही कहा जाता है कि लिंक फेल है, जिसके कारण वितरण कार्य रुक जाता है। इस संबंध में कृषि विभाग के अमन अहमद ने बताया कि यह स्थिति रोज नहीं होती है। कभी-कभी तकनीकी समस्या आने पर लिंक फेल हो जाता है, जिससे वितरण में असुविधा होती है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिन किसानों को बीज नहीं मिला है, उन्हें अगले दिन प्राथमिकता के आधार पर बीज उपलब्ध करा दिया जाएगा। किसानों ने विभाग से तकनीकी व्यवस्था सुधारने की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति न उत्पन्न हो।

मतगणना के दिन बंद रहेंगे सभी विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र और कोचिंग संस्थान

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 की मतगणना को लेकर जिला प्रशासन ने 14 नवंबर (शुक्रवार) को बक्सर जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों को बंद रखने का आदेश जारी किया है। जिला शिक्षा पदाधिकारी संदीप रंजन से प्राप्त सूचना के अनुसार मतगणना कार्य के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय स्थिति से बचाव के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है।

निर्देश के तहत जिले के सभी सरकारी, गैर-सरकारी और निजी विद्यालयों के साथ-साथ संस्कृत विद्यालय, मदरसा, आंगनबाड़ी केंद्र एवं सभी प्रकार के कोचिंग संस्थान 14 नवंबर को बंद रहेंगे। प्रशासन ने कहा है कि मतगणना केंद्रों और आसपास के क्षेत्रों में शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। साथ ही जिला प्रशासन ने विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों से सहयोग की अपील की है, ताकि मतगणना प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके। मतगणना दिवस पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं और पुलिस बल को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

बक्सर में मतगणना को लेकर प्रशासन पूरी तरह तैयार है और अधिकारियों द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है।

विधिक सेवा प्राधिकार की बैठक संपन्न, विभिन्न योजनाओं के सफल क्रियान्वयन पर जोर

- **न्यायाधीश हर्षित सिंह ने अधिकारियों व अधिवक्ताओं को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश**

केटी न्यूज/बक्सर

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बक्सर की ओर से गुरूवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बक्सर हर्षित सिंह की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक उनके न्यायालय परिसर स्थित प्रकोष्ठ में आयोजित की गई, जिसमें विधिक सहायता प्रतिरक्षा प्रणाली, कारा बंदियों के लिए विचाराधीन समीक्षा समिति, बाल कल्याण समिति तथा नालसा द्वारा निर्देशित ह्लआशा योजनाह्व जैसी जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में अध्यक्ष ने उपस्थित

सभी न्यायिक पदाधिकारियों, कार्यपालक अधिकारियों तथा पैनल अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार का उद्देश्य समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों को न्याय की मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि विधिक सहायता योजनाओं के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति को न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। श्री सिंह ने आगे कहा कि कारा बंदियों के मामलों में त्वरित समीक्षा की आवश्यकता है ताकि विचाराधीन बंदियों को न्याय में विलंब न हो। इसके साथ ही बाल कल्याण समिति के माध्यम से बाल अधिकारों की सुरक्षा तथा पुनर्वास कार्यों को और सशक्त बनाने पर बल दिया गया। उन्होंने उपस्थित अधिवक्ताओं से अपील की कि वे नालसा की आशा योजना से संबंधित जनजागरण और सहायता कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस अवसर पर अवर न्यायाधीश सह सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बक्सर, नेहा दयाल ने बैठक का संचालन किया। उन्होंने प्राधिकार द्वारा संचालित सभी योजनाओं की जानकारी दी और उपस्थित अधिकारियों व अधिवक्ताओं से इनके सफल संचालन में सहयोग की अपील की।

बैठक में प्रतिरक्षा प्रणाली के मुख्य अधिवक्ता विनय कुमार सिन्हा, कुमार मानवेंद्र, संजय कुमार चौबे, अभिनव वशिष्ट, विकास यादव समेत कई अधिवक्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी ने विधिक सेवा प्राधिकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

बैठक के अंत में जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से यह संकल्प दोहराया गया कि समाज के प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक ह्लन्याय सबके लिएह्व की भावना के साथ विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

चना, मसूर व सरसों बीज का वितरण शुरू

केटी न्यूज/केसठ

रवि फसल के लिए सरकार की ओर से उन्नत किस्म का प्राप्त बीज किसानों के बीच वितरण शुरू कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार प्रखंड के सभी

पंचायतों के किसानों के लिए प्रखंड मुख्यालय स्थित कृषि विभाग के कार्यालय में चना, मसूर, हरा मटर व सरसों बीज का वितरण किया जा रहा है। इसके अलावे गेहूं बीज का वितरण भी शुरू हो चुका है। किसान सलाहकार अमरेन्द्र कुमार ने बताया कि चना, सरसों, बीज वितरण हो गया है, मसूर और हरा मटर, गेहूं बीज का वितरण किया जा रहा है। ऑन लाइन आवेदन करने वाले किसानों को ही बीज दिया जा रहा है। कृषि विभाग से मिले जानकारी के अनुसार मसूर, चना, हरा मटर, सरसों का बीज वितरण होने के पश्चात गेहूं बीज भी वितरण किया जा रहा है। बिज लेने के लिए प्रखंड मुख्यालय स्थित कृषि विभाग के कार्यालय में किसानों की भीड़ उमड़ रही है।

गया जी में शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ मतदान, 68.64% मतदाताओं ने किया वोट, पिछले चुनाव से 10% अधिक

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दूसरे चरण में मंगलवार को गया जी जिले के सभी 10 विधानसभा क्षेत्रों में शांतिपूर्ण माहौल में मतदान संपन्न हुआ। जिले के किसी भी क्षेत्र से किसी अप्रिय घटना या गड़बड़ी की सूचना नहीं मिली। मतदाताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही लोग लोकतंत्र के इस महापर्व में भाग लेने के लिए मतदान केंद्रों पर कतारबद्ध होकर पहुंचे।जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह डीएम शशांक शुभंकर ने बताया कि मंगलवार को हुए द्वितीय चरण के मतदान में जिले के 10 विधानसभा क्षेत्रों में 68.64% मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। यह संख्या पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में लगभग 10% अधिक है। जानकारी के अनुसार, जिले में दूसरे चरण के तहत इमामगंज, शेरघाटी, बाराचट्टी, बोधगया, टनकुप्पा, गुरुआ, वजीरगंज, टिकारी, अतरी और बेलागंज विधानसभा क्षेत्रों में वोटिंग हुई। मतदान सुबह 7 बजे से शुरू होकर शाम 6 बजे तक चला।

2020 विधानसभा चुनाव में गया जिले का मतदान प्रतिशत

गया जी जिला कुल मतदान प्रतिशत : 58.65%	गया टाउन : 49.73%
गुरुआ: 62.51%	टिकारी: 60.16%
शेरघाटी : 63.03%	बेलागंज : 61.37%
इमामगंज: 58.69%	अतरी : 55.22%
बाराचट्टी : 60.75%	वजीरगंज: 56.07%
बोधगया : 61.33%	

चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने अर्धसैनिक बलों की तैनाती की थी। डीएम शशांक शुभंकर, एसएसपी आनंद कुमार और अन्य वरीय अधिकारी लगातार क्षेत्र का भ्रमण करते रहे। संवेदनशील और अतिसंवेदनशील बूथों पर विशेष निगरानी रखी गई। डीएम ने बताया कि मंगलवार को संपन्न हुए विधानसभा चुनाव के दौरान अतरी विधानसभा क्षेत्र के दो, जबकि इमामगंज और बाराचट्टी विधानसभा क्षेत्र के एक-एक मतदान केंद्र पर मतदाताओं ने वोट बहिष्कार किया। प्रशासन ने सभी बूथों पर ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की पूर्व जांच कर ली थी। कुछ बूथों पर मतदान शुरू होने के समय तकनीकी गड़बड़ियां आईं, जिन्हें तुरंत ठीक कर लिया गया। डीएम के अनुसार, गया जिले में इस बार 68.64% मतदान दर्ज हुआ, जबकि पिछली बार यह 58.65% था। ग्रामीण इलाकों में मतदान प्रतिशत अधिक रहा, जबकि शहरी क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कम वोटिंग हुई।

मतगणना से पहले तेजस्वी ने बुलाई हाईलेवल मीटिंग दीपांकर, सहनी समेत महागठबंधन के कई नेता पहुंचे

एजेंसी। पटना

मतगणना से पहले महागठबंधन के समन्वय समिति के अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने हाईलेवल मीटिंग बुलाई है। पोलो रोड स्थित अपने आवास पर तेजस्वी यादव, महागठबंधन के सभी दलों के प्रमुख नेताओं के साथ हाईलेवल मीटिंग कर रहे। इसमें इस बैठक में विकासशील इंसान पार्टी (श्क्ढ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश सहनी, भाकपा (माले) के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य सहित अन्य वरिष्ठ नेता तेजस्वी यादव के आवास पर पहुंच चुके हैं।इससे पहले तेजस्वी यादव ने पार्टी उम्मीदवारों और जिला स्तर के पदाधिकारियों के साथ एक ऑनलाइन बैठक की, जिसमें मतगणना से जुड़े दिशा-निर्देशों और मतगणना प्रक्रिया की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई। चुनावी गड़बड़ी के आरोप को दोहराते हुए राजद नेता ने कहा कि पार्टी और बिहार की जनता सतर्क, चौकस, सावधान और हर तरह की अनुचित व असंवैधानिक गतिविधियों से निपटने के लिए पूरी तरह सक्षम, जागरूक, तैयार और उत्साह, आशा तथा विश्वास से भरी हुई है।तेजस्वी बोले- सतर्क, सचेत और सावधान रहने के लिए तैयार है बिहार

तेजस्वी यादव ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि पार्टी प्रत्याशियों तथा जिला संगठन पदाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए मतगणना संबंधित दिशा-निर्देश एवं काउंटिंग की तैयारियों के संबंध में गहन विचार-विमर्श किया। लोकतंत्र की जननी बिहार की न्यायप्रिय जनता तथा बिहार व संविधान प्रेमी सभी सामाजिक राजनीतिक कार्यकर्ता उत्साह, उम्मीद व विश्वास के साथ सतर्क, सचेत, सावधान एवं किसी भी प्रकार के अनुचित असंवैधानिक कार्य से निपटने के लिए पूर्ण रूप से सक्षम, जागरूक और तैयार है। बिहार और बिहारी लोकतंत्र व संविधान बचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

दिन में प्रत्याशियों से की थी बात

काउंटिंग से ठीक एक दिन पहले राजद नेता तेजस्वी यादव ने गुरुवार को दिन में महागठबंधन के प्रत्याशियों और कार्यकताओं के साथ ऑनलाइन बैठक की. इस बैठक में उन्होंने चुनावी गड़बड़ी पर नजर बनाए रखने का आदेश दिया. उन्होंने पार्टी नेताओं को आदेश दिया कि किसी भी काउंटर पर गिनती के दौरान उन्हें लगता है कि गड़बड़ी हो रही है तो वह तुरंत पार्टी हाईकमान को इसकी जानकारी दें।

किसी भी परिस्थिति में लापरवाही नहीं होनी चाहिए

महागठबंधन के उम्मीदवारों के साथ बैठक के दौरान तेजस्वी ने कहा कि ह्लकाउंटिंग वाले दिन किसी भी परिस्थिति में लापरवाही नहीं होनी चाहिए. हमारे पोलिंग एजेंट हर टेबल पर मौजूद रहें और फॉर्म 17उ से लेकर ईवीएम की सील तक हर चीज की बारीकी से जांच करें.ह्व उन्होंने यह भी कहा कि मतगणना की गति को प्रभावित करने या किसी तरह का दबाव बनाने की कोशिशें हो सकती हैं, इसलिए सबको अलर्ट रहना होगा।

भोजपुर में एनीमिया का कहर : 69.5% बच्चे, 63.6% महिलाएं ग्रस्त

एजेंसी। आरा

जिले में 06 से 59 माह के 69.5 प्रतिशत बच्चे एवं 58.3 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं समेत प्रजनन आयु वर्ग की 63.6 प्रतिशत महिलाएं एनीमिया से ग्रसित हैं। इस बीमारी से बचाव के लिए स्वास्थ विभाग के एक अभियान के तहत छह विभिन्न आयु वर्ग की महिलाओं व बच्चों को लक्षित किया गया है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एनीमिया जैसे गंभीर रोगों से उनका बचाव करना है। इस कार्यक्रम के तहत एनीमिया में प्रतिवर्ष तीन प्रतिशत की कमी लाने का लक्ष्य रखा गया है। कुपोषण के खिलाफ जारी लड़ाई में एनीमिया बनी गंभीर बाधा कुपोषण से लड़ने की राह में एनीमिया एक गंभीर बीमारी व बाधा के रूप में उभरी है। खासकर महिलाएं और प्रसूताओं को इस बीमारी से ज्यादा परेशानी हो रही है। थोड़ी सी भी लापरवाही जान को जोखिम में डाल सकती है।इसलिए लोगों को इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। व्यक्ति के शरीर में आयरन की कमी के कारण जब हीमोग्लोबिन का बनना सामान्य से कम हो जाता है, तब शरीर में खून की कमी होने लगती है। इस स्थिति को ही एनीमिया कहा जाता है। इस बीमारी से बचाव के लिए लोगों को जीवनशैली में बदलाव और आयरनयुक्त आहार का सेवन करने की जरूरत है। जिले में स्वास्थ्य विभाग केंद्र सरकार द्वारा संचालित एनीमिया मुक्त भारत निर्माण योजना को प्रभावी बनाने के प्रयासों में जुट गया है। सिविल सर्जन डॉ. एसके सिन्हा ने बताया कि एनीमिया का शुरूआती लक्षण थकान, कमजोरी, त्वचा का पीला होना, दिल की धड़कन में बदलाव, सांस लेने में तकलीफ, चक्कर आना, सीने में दर्द होना, हाथों और पैरों का ठंडा होना, सिरदर्द आदि हैं। ऐसे लक्षण अगर आपको दिखाई दें तो तत्काल अपनी जीवनशैली में बदलाव करें और डाक्टर के पास जाकर इलाज करवाएं। डाक्टर की सलाह के मुताबिक दवा और खानपान लें। एनीमिया के दौरान प्रोटीनयुक्त भोजन जैसे- पालक, सोयाबीन, चुकंदर, लाल मांस, मूंगफली, मक्खन, अंडे, टमाटर, अनार, शहद, सेब, खजूर आदि का सेवन करें, जो आपके शरीर में खून की कमी को पूरा करता है। इन चीजों का सेवन करते रहने से आप एनीमिया की चपेट में आने से बच सकते हैं।

तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से वृद्ध की मौत से मचा बवाल, छपरा में ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

एजेंसी। छपरा

बिहार के छपरा में एक दर्दनाक सड़क हादसे में तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई। घटना सारण जिले के सहाजितपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मानोपाली गांव के पास की बताई जा रही है। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर छपरा-सलेमपुर मुख्य मार्ग (एनएच-331) को घंटों जाम कर दिया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद लोगों को शांत कर यातायात बहाल कराया। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, गुरुवार की शाम एनएच-331 पर हुए हादसे में 60 वर्षीय रामसागर सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान सहाजितपुर थाना क्षेत्र के पिपरा गांव निवासी रामसागर सिंह के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि वे सहाजितपुर बाजार से दवा लेकर अपने घर लौट रहे थे, तभी तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक उन्हें कुछ दूर तक घसीटते हुए ले गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना था कि इस सड़क पर वाहनों की रफ्तार पर कोई नियंत्रण नहीं है, जिसके कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। उन्होंने मृतक के परिजन को मुआवजा देने और ट्रक चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलने पर सहाजितपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया। इसी दौरान पुलिस ने भगवानपुर हाट (सिवान) की ओर भाग रहे ट्रक चालक और वाहन को दूसरे थाने की मदद से जब्त करवा लिया। पुलिस प्रशासन द्वारा मुआवजे और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने के बाद ग्रामीणों ने जाम समाप्त किया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेज दिया। घटना के

एक नजर

बिहार में नशे में धुत कार ड्राइवर ने कई लोगों को रौंदा, बाइक सवार महिला और बच्चा घायल

जमुई। बिहार के जमुई जिले में बुधवार रात एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। कार अनियंत्रित होकर एक दुकान में जा घुसी, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में बाइक सवार महिला और एक बच्चा घायल हो गए। यह हादसा शहर के कांग्रेस कार्यालय के पास हुआ। बाइक पर कल्याणपुर निवासी निशा कुमारी और रोहित कुमार अपने बच्चे के साथ सवार थे। वे मायके कल्याणपुर से ससुराल उझंडीह जा रहे थे। कार कचहरी चौक की ओर से महाराजगंज की दिशा में जा रही थी। कांग्रेस कार्यालय के पास पहुंचते ही नशे में धुत चालक ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सड़क पर पलट गई। इसके बाद कार स्वतंत्रता सेनानी दुखहरण प्रसाद की झोपड़ीनुमा दुकान में बैरियर तोड़ते हुए घुस गई। गनीमत रही कि हादसे के समय दुकान में कोई मौजूद नहीं था, वरना बड़ी जनहानि हो सकती थी। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने शराबी कार चालक को पकड़कर जमकर पिटाई की और पुलिस के हवाले कर दिया।

जमुई पुलिस कैंप में हादसा: पानी की टंकी गिरने से दो सीआरपीएफ जवान घायल, अस्पताल में भर्ती

जमुई। जमुई जिले के बरहट प्रखंड स्थित मलयपुर पुलिस लाइन में गुरुवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। पानी की टंकी गिरने से दो सीआरपीएफ जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद दोनों को इलाज के लिए पहले सदर अस्पताल जमुई लाया गया, जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए शहर के एक निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया है। घायल जवानों की पहचान मनीष कुमार (33) और कामेश्वर प्रसाद (55) के रूप में हुई है। दोनों मलयपुर पुलिस लाइन में ही तैनात हैं। घायल जवानों के साथियों ने बताया कि पुलिस लाइन में पानी की सप्लाई में दिक्कत आ रही थी। समस्या को ठीक करने के लिए दोनों जवान सीमेंट की बनी पानी की टंकी पर चढ़े थे। इसी दौरान टंकी फट गई और उसकी दीवार ढहकर दोनों जवानों पर गिर पड़ी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए।हादसे की सूचना मिलते ही पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और घायलों को मलबे से बाहर निकाला। वर्तमान में दोनों जवानों का इलाज चल रहा है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

बिजली बिल बकाया नहीं जमा करने पर उपभोक्ता के कटेंगे कनेक्शन

सासाराम। बिजली कंपनी ने बकायेदारों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। बकाया पर कनेक्शन काटे जाने के बाद अगर कोई उपभोक्ता बिना बिल जमा किए बिजली जलाते पाया गया तो उसके खिलाफ बिजली चोरी की प्राथमिकी दर्ज होगी। अधिकारियों ने बकायेदारों से जल्द बिल जमा कर रिकनेक्शन रसीद कटवाने की अपील की है। मुख्यालय द्वारा डिस्कनेक्शन अभियान को और तेज करने का निर्देश दिया गया है। विद्युत कार्यपालक अभियंता सासाराम ई. ब्रवीम के निर्देश पर सभी सहायक विद्युत अभियंता व जेई अपने-अपने क्षेत्र में बकाएदार उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन काटने में जुट गए हैं। अभियान के तहत पहले ही कई उपभोक्ताओं की बिजली काटी जा चुकी है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिन उपभोक्ताओं का कनेक्शन बकाया पर काटा गया है, यदि वे बिना बिल जमा किए व बिना पुनः विद्युत संयोजन शुल्क (आरसी) रसीद कटाए दोबारा बिजली जलाते पाए गए तो उनके खिलाफ बिजली चोरी की एफआईआर दर्ज करायी जाएगी। वही अधिकारियों ने बताया कि बकायेदारों से वसूली अभियान लगातार जारी रहेगा। बिक्रमगंज के सहायक विद्युत अभियंता राज कुमार ने बताया कि लाइन काटने के बाद बिना बकाया राशि जमा किए बिजली का उपयोग अवैध माना जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसा करने वालों पर जुमार्ना लगाते हुए संबंधित थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी जाएगी। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपना बकाया बिजली बिल जल्द जमा करें और उसके बाद 100 रुपये का रिकनेक्शन शुल्क का रसीद अवश्य कटवा लें। बिजली कंपनी का डिस्कनेक्शन अभियान अब और तेज गति से चलाया जाएगा।

पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह को आचार संहिता उल्लंघन मामले में बिक्रमगंज कोर्ट से मिली जमानत

बिक्रमगंज। भोजपुरी फिल्मों के पावरस्टार पवन सिंह की पत्नी और काराकाट से निर्दलीय प्रत्याशी ज्योति सिंह को आचार संहिता उल्लंघन के मामले में बिक्रमगंज कोर्ट से जमानत मिल गई। मामला 10 नवंबर की देर रात की है, जब बिक्रमगंज के एसडीएम प्रभात कुमार ने उस होटल में छापेमारी की थी, जहां ज्योति सिंह अपने समर्थकों के साथ ठहरी हुई थीं। छापेमारी के दौरान दोनों के बीच तीखी बहस भी हुई थी। इसके बाद एसडीएम प्रभात कुमार ने बिक्रमगंज थाना में आचार संहिता के उल्लंघन और सरकारी कार्य में बाधा डालने का केस दर्ज कराया था। इस मामले की आज बिक्रमगंज के एसीजेएम कोर्ट में सुनवाई हुई, जिसके बाद न्यायालय ने ज्योति सिंह को जमानत दे दी। जमानत मिलने के बाद ज्योति सिंह ने कहा कि उन्हें न्यायालय पर पूरा भरोसा था। उन्हें राजनीतिक दुर्भावना से ग्रसित होकर झूठे मुकदमे में फंसाया गया है। आधी रात को बिना महिला कांस्टेबल के ज्योति सिंह जिस होटल में थी, उसमें छापामारी की गई। जिसको लेकर बहस भी हुई थी। इस मामले में आज ज्योति सिंह को जमानत मिल गई है।

काउंटिंग कराने वाले अधिकारियों को तेजस्वी ने दी चेतावनी, कहा..गड़बड़ी की तो मिलेगा करारा जवाब

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों से पहले तेजस्वी यादव ने महागठबंधन के प्रमुख नेताओं के साथ बैठक की। जिनमें कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी, और भाकपा माले के नेता दीपांकर भट्टाचार्य सहित महागठबंधन के कई नेता शामिल हुए। यह बैठक मतगणना की रणनीति को लेकर बुलाई गई थी। बैठक के बाद तेजस्वी यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मीडिया से बातचीत की। गुरुवार शाम में पटना में आयोजित महागठबंधन की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी, सीपीआई माले के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य समेत अन्य नेता मौजूद रहे। काउंटिंग के 12 घंटे पहले महागठबंधन के मुख्यमंत्री उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने मतगणना में लगे अधिकारियों को चेतावनी दी। कहा कि 2020 वाली गलती नहीं होनी चाहिए। काउंटिंग में किसी भी तरह की गड़बड़ी ना करें। अगर किसी अधिकारी ने 2020 के चुनाव वाली गलती दोहराई और काउंटिंग के दौरान गड़बड़ी की तो करारा जवाब मिलेगा। तेजस्वी ने आगे कहा कि अगर किसी मतगणना अधिकारी ने अन्याय और अंसवैधानिक काम किया तो उसका जवाब जनता देगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो ईमानदारी से मतगणना कार्य करेगा, उनको डरने की जरूरत नहीं है। लेकिन किसी के इशारे पर काम करने वाले और लिमिट क्रॉस करने वाले अफसरों को सोचना पड़ेगा। तेजस्वी ने यह दावा किया कि महागठबंधन भारी बहुमत से चुनाव जीत रहा है। तेजस्वी ने कहा कि पिछली बार क्या हुआ, यह हम सब लोग जानते हैं। इसलिए हम तमाम अधिकारियों से यह अपील करते हैं कि निष्पक्ष रूप से मतगणना कार्य कराये। बिहार की जनता ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है, उनके साथ न्याय नहीं करें। ऐसा प्रोपगेंडा फैलाया जा रहा है कि भाजपा के लोग चुनाव जीत रहे हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि भाजपा के लोग इसलिए डरे हुए हैं कि उनकी सरकार जा रही है। तेजस्वी यादव ने चुनाव में लगे अधिकारियों पर दबाव बनाए जाने का आरोप लगाया है। तेजस्वी ने कहा कि पटना और दिल्ली से कई अधिकारियों को कॉल आ रहा है। उनसे कहा गया है कि मतगणना का कार्य धीमी गति से कराये। एनडीए जीत रहा हो तो चुनाव घोषित कर दिया जाए लेकिन जब महागठबंधन जीत रही हो तो रिजल्ट घोषित ना किया जाए। तेजस्वी ने कहा कि बिहार के युवाओं ने बदलाव के लिए महागठबंधन को वोट किया है। अधिकारियों को इस बात का ख्याल रखना होगा।

ईवीएम के हेराफेरी अफवाह पर विपक्ष ने सासाराम में किया हंगामा, पुलिस एलर्ट

- **हंगामा की खबर मिलते ही पहुंचे रोहतास डीएम और एसपी**

एजेंसी। रोहतास

सासाराम में बाजार समिति परिसर में बुधवार की रात ट्रक प्रवेश करने पर स्ट्रांग रूम में रखे ईवीएम की हेराफेरी का आरोप लगाते हुए विपक्ष के द्वारा हंगामा किये जाने को लेकर गुरुवार को बिक्रमगंज में पुलिस एलर्ट रही। सभी चौक चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर पुलिस अधिकारी के साथ पुलिस बल तैनात किये गए है। जहां भी लोगों की भीड़ लगते ही स्थानीय पुलिस वहां पहुंच कर लोगों को हटाते रही। लोगों की गतिविधियों पर पुलिस अपनी नजरें जमाये हुए थी। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बिक्रमगंज संकेत कुमार ने बताया कि ईबीएम के हेराफेरी के विपक्ष के आरोप को लेकर बिक्रमगंज में लोग हो हंगामा न करे तथा किसी तरह की अप्रिय घटना न घटे इसको लेकर पुलिस को एलर्ट किया गया है। साथ हीं सोशल मीडिया पर भी नजर रखी जा रही है। गौरतलब हो कि सासाराम में स्ट्रांग रूम परिसर बाजार समिति में आधी रात को ट्रक के प्रवेश पर महागठबंधन और अन्य विपक्ष के प्रत्याशी और उसके समर्थक वहां पहुंच कर जमकर हंगामा किये। हालांकि डीएम और एसपी वहां पहुंच कर ट्रक पर लदे सभी बक्से को दिखाया। ईबीएम की हेराफेरी अफवाह निकली।

मतगणना के दिन बंद रहेंगे स्कूल-कॉलेज: अरवल और बेतिया सहित कई जिलों में 14 नवंबर को छुट्टी की घोषणा

एजेंसी। पटना

पटना, गोपालगंज, बेतिया, अरवल सहित कई जिलों में स्कूल, कॉलेज और कोचिंग संस्थानों को कल बंद करने का आदेश जिला प्रशासन ने लिया है। 14 नवंबर को होने वाले मतगणना कार्य को लेकर यह फैसला लिया गया है। अरवल जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा के निर्देश के आलोक में बिहार विधानसभा आम निर्वाचन, 2025 के मतगणना कार्यों को देखते हुए जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों में अवकाश की घोषणा की गई है।

इसके तहत सरकारी विद्यालय, निजी विद्यालय, अनुदानित विद्यालय, महाविद्यालय एवं कोचिंग संस्थान सभी प्रकार के पठन-पाठन कार्यों के लिए दिनांक 14 नवंबर, 2025 को बंद रहेंगे। जिला प्रशासन का कहना है कि यह कदम मतगणना प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से उठाया गया है। बच्चों की सुरक्षा और यातायात सुचारू रखने के लिए जिला प्रशासन ने यह फैसला लिया है। बिहार विधानसभा आम निर्वाचनझ2025 के तहत पश्चिम चम्पारण जिले के नौ विधानसभा क्षेत्रों में 11 नवम्बर को शांतिपूर्ण मतदान संपन्न हो गया। अब 14 नवम्बर (शुक्रवार) को जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना जिला मुख्यालय स्थित बाजार समिति, बेतिया में होगी। मतगणना के दिन संभावित भीड़भाड़ और शहर के विभिन्न मार्गों पर राजनीतिक दलों के वाहनों के दबाव को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारीझसहझ जिला पदाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धाराझ163 के तहत आदेश जारी करते हुए कहा है कि बेतिया नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत सभी सरकारी एवं निजी विद्यालय, प्रीझस्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र और कोचिंग संस्थान 14 नवम्बर को बंद रहेंगे। उन्होंने बताया कि यह निर्णय विद्यार्थियों की सुरक्षा, यातायात की सुगमता और मतगणना कार्य के निर्विघ्न संचालन को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे मतगणना दिवस पर अनावश्यक रूप से भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में न जाएँ और प्रशासनिक निर्देशों का पालन करें।

सासाराम में स्ट्रांग रूम पर हंगामा : मतगणना स्थल में ट्रक घुसने से मची अफरातफरी, जांच हुई शुरू

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के मद्देनजर रोहतास जिला मुख्यालय सासाराम में बने मतगणना स्थल पर बुधवार की मध्य रात्रि को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक ट्रक अचानक स्ट्रांग रूम परिसर के अंदर घुस गया। ट्रक को मतगणना परिसर के अंदर जाते देख मौके पर मौजूद कई प्रत्याशियों के समर्थक हंगामा करने लगे। लोगों ने स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। कुछ देर के लिए वहां अफरातफरी और तनाव का माहौल बन गया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, पुलिस ने भी हंगामा कर रहे लोगों पर लाठीचार्ज किया, हालांकि पुलिस ने इस आरोप से इनकार किया है। हंगामे की सूचना मिलते ही जिला अधिकारी उदिता सिंह और पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। दोनों अधिकारियों ने मौके पर ट्रक की जांच की, जिसमें खाली बक्से पाए गए। डीएम ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की जांच कराई जा रही है, और यदि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पाई जाती है तो विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। वहीं एसपी रौशन कुमार ने लाठीचार्ज के आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि स्थिति अब नियंत्रण में है। घटना के बाद अफवाह फैल गई कि स्ट्रांग रूम में ईवीएम बदली जा रही है। इस अफवाह के बाद सातों विधानसभा क्षेत्रों के कई प्रत्याशी देर रात घटनास्थल पर पहुंच गए। कई प्रत्याशी अपने भारी समर्थक दल के साथ रातभर मतगणना स्थल के बाहर जमे रहे और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते रहे।

डीएम और एसपी मौके पर पहुंचे, जांच शुरू

हंगामे की सूचना मिलते ही जिला अधिकारी उदिता सिंह और पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। दोनों अधिकारियों ने मौके पर ट्रक की जांच की, जिसमें खाली बक्से पाए गए। डीएम ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की जांच कराई जा रही है, और यदि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पाई जाती है तो विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। वहीं एसपी रौशन कुमार ने लाठीचार्ज के आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि स्थिति अब नियंत्रण में है।

प्रत्याशियों ने जताई नाराजगी, सौंपा ज्ञापन

करगहर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी संतोष मिश्रा ने इस पूरे मामले की लिखित शिकायत चुनाव पर्यवेक्षक को सौंपी और जांच की मांग की। वहीं काराकाट से निर्दलीय प्रत्याशी ज्योति सिंह ने आरोप लगाया कि जब उनके समर्थक मतदान केंद्र के बाहर शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांग रख रहे थे, तभी पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। उन्होंने कहा कि जिस ट्रक ने स्ट्रांग रूम में प्रवेश किया, उसकी सीसीटीवी फुटेज से जांच की जानी चाहिए। आरजेडी प्रत्याशी सतेंद्र शाह ने भी समर्थकों पर हुए कथित लाठीचार्ज और ट्रक के प्रवेश को लेकर विशेष जांच की मांग की है। जिला प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि अफवाहों पर ध्यान न दें, क्योंकि स्ट्रांग रूम पूरी तरह सुरक्षित और निगरानी में है। अधिकारियों ने कहा कि मतगणना की प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष ढंग से कराई जाएगी। इस मामले में चेनारी विधानसभा के आरओ सह एडीएम से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

एक नजर

समस्तीपुर में मतगणना की सभी तैयारियां पूरी: डीएम-एसपी ने कर्मियों को किया ब्रीफिंग, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

समस्तीपुर। कल 14 नवम्बर को होने वाले मतगणना के लिए समस्तीपुर कॉलेज में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। समस्तीपुर जिले के सभी 10 विधानसभा क्षेत्र समस्तीपुर, सरायरंजन, मोरवा, कल्याणपुर, वारिसनगर, विभूतिपुर, मोहिउद्दीननगर, हसनपुर, रोसड़ा और उजियारपुर में भी मतगणना के लिए समस्तीपुर कॉलेज को मतगणना केंद्र बनाया गया है। जहां सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतेजाम किये गये हैं। मतगणना कार्य में लगाए गए सभी कर्मियों को डीएम रौशन कुशवाहा और एसपी अरबिंद प्रताप सिंह ने संयुक्त रूप से ब्रीफिंग कर उनके लिए सभी जरूरी निर्देश दिए। इसके बाद मीडिया कर्मियों को जानकारी देते हुए डीएम, एसपी बताया कि सुबह 8 बजे से पहले पोस्टल बैलेट फिर साढ़े 8 बजे से ईवीएम से डाले गए वोट की काउंटिंग शुरू की जाएगी। मीडिया सेंटर में राउंड वाइज समय समय पर जानकारी दी जाएगी। आमलोगों को मतगणना केंद्र से कुछ दूरी पर रुकने के लिए बैरिकेटिंग के साथ ही धारा 144 लगाया गया है। ट्रैफिक व्यवस्था को भी दूसरे रास्ते से चालू करने के निर्देश दिए गए है। परिणाम होने के बाद किसी भी विजयी प्रत्याशी द्वारा विजय जुलूस निकालने पर प्रतिबंध लगाया गया है। किसी तरह की अफवाह को रोकने के लिए भी सोशल मीडिया निगरानी टीम बनाई गई है।आमलोगों से भी अपील की गई है कि आप अफवाहों पर ध्यान नही देकर सिर्फ प्रशासन द्वारा जारी सोशल मीडिया प्रेस विज्ञप्ति पर ही भरोसा करेंगे।

वैशाली में चलती कार में लगी आग: तीन यात्रियों ने कूदकर बचाई अपनी जान

वैशाली। कार में आग लगने की घटनाएं आए दिन सामने आ रही है। इस बार कार में आग लगने की घटना वैशाली से निकलकर सामने आई है। जहां चलती कार में अचानक आग लग जाने से मौके पर अफरा-तफरी मच गयी। इस दौरान कार में सवार लोगों ने किसी तरह कूदकर अपनी जान बचाई। घटना नगर थाना क्षेत्र के अनजान पीर चौक के पास की है, जहां चलती कार में अचानक आग लग गयी और कार बीच सड़क पर धू-धूकर जलने लगी। पूरी कार को आग ने अपने आगोश में ले लिया। इस घटना में कार पूरी तरह जलकर खाक हो गया। घटना का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। कार में तीन लोग सवार थे, जो छपरा से पटना की ओर जा रहे थे तभी उनकी कार में अचानक आग लग गई। कार में आग लगने की सूचना लोगों ने पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस के कार में सवार लोगों से पूछताछ कर आगे की कार्रवाई में जुट गयी है।

दिल्ली ब्लास्ट के बाद बढ़ाई गई गयाजी की सुरक्षा व्यवस्था, महाबोधि मंदिर और एयरपोर्ट पर हाई अलर्ट

गयाजी। दिल्ली में लाल किले के समीप हुए आतंकी ब्लास्ट की घटना के बाद बिहार के गया जिले में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। प्रशासन ने महाबोधि मंदिर, विष्णुपद मंदिर और गया एयरपोर्ट सहित कई संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा बढ़ा दी है। गया के सिटी एसपी रामानंद कुमार कौशल ने बताया कि दिल्ली में हुए धमाके के बाद गया में सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता की गई है। संभावित आतंकी खतरों वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और सुरक्षा कर्मियों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। उन्होंने यह भी बताया कि संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और किसी भी प्रकार की असामान्य हलचल पर तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस की दबिश से घबराकर चंदन हत्याकांड के 2 नामजद आरोपियों ने किया सरेंडर, भाई की हत्या का लिया था बदला

एजेंसी। पटना

पुलिस की दबिश से घबराकर चंदन हत्याकांड के 2 नामजद आरोपियों ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया। जिसके बाद अंकित और संजीत को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। वही भोजपुर पुलिस अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी में जुटी है। बता दें कि इससे पहले ही एक नामजद आरोपी सत्येन्द्र सिंह ने को 25 अक्टूबर को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। घटना भोजपुर के चरपोखरी थाना क्षेत्र के बजेन टोला की है। जब 23 अक्टूबर की रात गोवर्धन पूजा पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान हथियारबंद बदमाशों ने राजेंद्र सिंह के बेटे चंदन की गोली मारकर हत्या कर दी थी। भाई की हत्या का बदला लेने के लिए इस वारदात को अंजाम दिया गया था। बताया जाता है कि 2023 में सत्येंद्र सिंह के भाई उपेंद्र सिंह की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। वही सत्येंद्र सिंह भी घायल हो गया था। तब मृतक चंदन समेत 4 लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया था। चंदन जेल भी गया था लेकिन बाद में जमानत पर छूट गया था। 23 अक्टूबर को चंदन की

हत्या कर दी गयी थी। इस घटना के बाद मृतक के बड़े भाई विनोद के बयान पर सत्येंद्र सिंह सहित 8 आरोपियों के खिलाफ चरपोखरी थाने में नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी गयी थी। जिसके बाद मुख्य आरोपी सत्येंद्र सिंह को पुलिस ने पहले अरेस्ट किया फिर अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जाने लगी। पुलिस की दबिश से घबराकर दो नामजद आरोपियों ने आज कोर्ट में सरेंडर कर दिया। सरेंडर के बाद अंकित और संजीत को जेल भेज दिया गया। वही फरार अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। चरपोखरी थानाध्यक्ष ने दावा किया है कि चंदन हत्याकांड के अन्य 5 आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। पांचों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

श्रेयसी सिंह को जान से मारने की मिली धमकी साइबर डीएसपी से भाजपा प्रत्याशी ने की शिकायत

एजेंसी। पटना

जमुई की बीजेपी प्रत्याशी श्रेयसी सिंह को जान से मारने की धमकी मिली है। सोशल मीडिया पर यह धमकी दी गयी है। साइबर डीएसपी से श्रेयसी सिंह ने इस बात की शिकायत की और तत्काल कार्रवाई की मांग की। थाने में केस दर्ज होने के बाद धमकी देने वालों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने छापेमारी शुरू कर दी है। सोशल मीडिया अकाउंट पर नजर रखी जा रही है. जमुई विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी प्रत्याशी श्रेयसी सिंह को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी दी गई है। फेसबुक और इंस्टाग्राम पर श्रेयसी सिंह की छवि को खराब करने, आपत्तिजनक पोस्ट डालने और उनकी फोटो का दुरुपयोग कर गरिमा को ठेस पहुंचाने की कोशिश की गई। इस बात की जानकारी श्रेयसी सिंह के पीएस मिल्टन सिंह ने डीएसपी को दी। श्रेयसी सिंह के पीएस मिल्टन सिंह ने डीएसपी को बताया कि कुछ असामाजिक तत्वों ने सोशल मीडिया पर श्रेयसी सिंह के नाम और तस्वीर का इस्तेमाल कर फर्जी अकाउंट बना लिया है। इन अकाउंट्स से भ्रामक और अभद्र सामग्री शेयर की जा रही है, जिससे जनता में गलत संदेश जा रहा है। साथ ही उन्हें राजनीतिक और व्यक्तिगत रूप से बदनाम करने की साजिश रची जा रही है। इस तरह की हरकतें न सिर्फ साइबर अपराध की श्रेणी में आता है, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी हमला है। श्रेयसी सिंह को धमकी मिलने की बात सामने आने के बाद बीजेपी कार्यकताओं और स्थानीय लोगों में खासा आक्रोश देखने को मिल रहा है। दोषियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की मांग लोग कर रहे हैं। वही पुलिस इस पूरे मामले की छानबीन में जुटी है। डीएसपी ने बताया कि बीजेपी उम्मीदवार श्रेयसी सिंह को धमकी देने वाले और छवि खराब करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में विधायक के निजी सचिव मिल्टन कुमार ने साइबर थाना, जमुई में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत पत्र में कहा गया है कि फेसबुक और इंस्टाग्राम पर कृष्णा यादव नामक एक व्यक्ति ने अभद्र और अश्लील गानों पर रील बनाकर उसमें विधायक श्रेयसी सिंह की फोटो का उपयोग किया है। रीलों में आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग कर उनकी छवि और गरिमा को ठेस पहुंचाने का प्रयास किया गया है। इसके साथ ही रील के माध्यम से जान से मारने की धमकी भी दी गई है।

मुंगेर में तीसरी कक्षा के छात्र ने की आत्महत्या : मां की डांट से नाराज होकर हॉस्टल की खिड़की से लगाया फांसी

एजेंसी। पटना

मुंगेर में हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। जहां तीसरी कक्षा के छात्र ने स्कूल के हॉस्टल में सुसाइड कर ली। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुटी है। इस घटना से पुलिस भी हैरान है। बताया जाता है कि हॉस्टल से वह बार-बार भागकर घर आ जाता था। इसी बात को लेकर बेटे को मां ने डांटा था। उसके बाद उसे स्कूल ले जाकर छोड़ दिया था। मां के स्कूल से जाने के आधे घंटे बाद वह स्कूल के हॉस्टल में गया और वहां जाकर गले में फांसी लगा ली। मृत बच्चे की पहचान पौकरी गांव निवासी दीपक बिंद के बेटे साहिल के रूप में हुई है। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि साहिल हॉस्टल में रहना नहीं चाहता था। वह बार-बार हॉस्टल से भागकर घर आ जाता था और हर बार मां उसे हॉस्टल पहुंचाती थी। इसे लेकर मां उसे डांट फटकार भी लगाती थी। लेकिन साहिल मां की बात मानने को तैयार नहीं था, वह फिर हॉस्टल से भागकर घर आ गया था। इस बार भी

मां ने उसे खूब डांटा कहा कि पढ़ाई करके बड़ा आदमी बनना है। इसके लिए तुमको घर पर नहीं बल्कि हॉस्टल में रहकर ही पढ़ना होगा और परिवार का नाम रोशन करना होगा। साहिल हवेली खड़गपुर के कृष्णा बाजार स्थित एक प्राइवेट स्कूल के हॉस्टल में रहता था। वह तीसरी कक्षा का छात्र था। साहिल के इस कदम से हर कोई हैरान है। हॉस्टल के शिक्षक-शिक्षिकाएं जब साहिल के बारे में सुने तो उन्हें पहले विश्वास नहीं हुआ। साहिल हॉस्टल के खिड़की से लटका हुआ था। स्कूल के टीचर ने बच्चे को गोद में उठाकर हवेली खड़गपुर स्थित अस्पताल ले गये जहां डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। इस घटना से परिजनों के बीच कोहराम मचा हुआ है। मां का रो-रोकर बुरा हाल है। उनके आंखों के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। वही पिता दीपक बिंद दूसरे प्रदेश में रहकर मजदूरी करते हैं। जब उन्हें इस घटना की जानकारी हुई तब फूट-फूटकर रोने लगे। बेटे की मौत से वो काफी सदमें में हैं। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज आगे की कार्रवाई में जुट गयी है।

जमुई में मतगणना की तैयारियाँ पूरी: डीएम-एसपी ने की संयुक्त ब्रीफिंग, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

एजेंसी। पटना

जमुई के केकेएम कॉलेज में 14 नवंबर को होने वाली मतगणना कार्य के लिए सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। चार विधानसभा क्षेत्र 240 सिकंदरा, 241 जमुई, 242 झाझा और 243 चकाई के मतों की गिनती यहीं पर होगी। पूरे परिसर को त्रि-स्तरीय सुरक्षा घेरे में रखा गया है। जिलाधिकारी नवीन कुमार और पुलिस अधीक्षक विश्वजीत दयाल ने मतगणना केंद्र का निरीक्षण कर सभी कर्मियों की संयुक्त ब्रीफिंग की। इस दौरान उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की जानकारी देते हुए आवश्यक निर्देश दिए। डीएम ने बताया कि सुबह

8:00 बजे से पोस्टल बैलेट की गिनती शुरू होगी, जिसके बाद 8:30 बजे से ईवीएम मतों की गणना की जाएगी। प्रत्येक राउंड की जानकारी मीडिया सेंटर के माध्यम से समय-समय पर साझा की जाएगी। मतगणना केंद्र के आसपास धारा 144 लागू की गई है, साथ ही आमलोगों को निर्धारित दूरी पर रुकने के लिए बैरिकेटिंग की व्यवस्था की गई है। ट्रैफिक को वैकल्पिक मार्गों से संचालित किया जाएगा। डीएम ने यह भी स्पष्ट किया कि परिणाम घोषणा के बाद किसी भी प्रकार का विजय जुलूस निकालना प्रतिबंधित रहेगा। सोशल मीडिया पर अफवाहों पर रोक के लिए निगरानी टीम गठित की गई है। प्रशासन ने अपील की है कि नागरिक केवल प्रशासनिक प्रेस विज्ञप्तियों पर ही भरोसा करें। मतगणना स्थल पर केंद्रीय अर्द्धसैनिक बल, जिला पुलिस बल और दंडाधिकारी सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे हैं। पूरे परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। मतगणना कर्मियों और अभ्यर्थियों के लिए पेयजल, चिकित्सा, शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएँ भी सुनिश्चित की गई हैं। डीएम नवीन कुमार ने कहा कि निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार स्वच्छ, निष्पक्ष और पारदर्शी मतगणना कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। वहीं एसपी विश्वजीत दयाल ने बताया कि शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने कहा, ह्लपुलिस हर स्तर पर सतर्क और सजग है। किसी भी शरारती तत्व पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।ह्व इस अवसर पर एडीएम रविकांत सिन्हा, नजारत उप समाहर्ता भानु प्रकाश, वरीय उपसमाहर्ता नागमणि कुमार वर्मा, डीपीआरओ विनोद प्रसाद और जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी विकेश कुमार सहित कई अधिकारी उपस्थित थे।

प्रवेश व्यवस्था इस प्रकार रहेगी

गेट नंबर 3 (दक्षिणी द्वार): चकाई और झाझा विधानसभा क्षेत्र के अभ्यर्थी एवं अभिकर्ता

उत्तर द्वार: सिकंदरा और जमुई विधानसभा क्षेत्र के अभ्यर्थी एवं अभिकर्ता

मुख्य द्वार: पदाधिकारी और मतगणना कर्मी

मतगणना केंद्र में मोबाइल फोन ले जाना वर्जित रहेगा।

बेटे की मौत की खबर नहीं सुन पाई मां, सदमे से तोड़ दी दम

एजेंसी। पटना

बिहार के मुजफ्फरपुर से एक हैरान कर देने वाला और हृदयविदारक मामला सामने आया है, जहां एक ही दिन में बेटे और मां दोनों की मौत हो गई। यह घटना शहर के अंडीगोला इलाके की है, जिसने पूरे मोहल्ले और स्थानीय समुदाय को शोक में डुबो दिया।जानकारी के मुताबिक, शहर के प्रसिद्ध गल्ला व्यवसायी कन्हैया लाल सलामपुरिया के छोटे बेटे, 54 वर्षीय अनिल कुमार, बुधवार सुबह हार्ट अटैक का शिकार हो गए। परिजनों ने बताया कि सुबह 7:30 बजे अनिल कुमार को सीने में तेज दर्द हुआ और उन्हें अस्पताल ले जाने की तैयारी हो ही रही थी कि वे वहां ही दम तोड़ बैठे। अनिल का अंतिम संस्कार सिकंदरपुर स्थित मुक्तिधाम में किया गया। परिवार के लिए दुख का पहाड़ यहीं नहीं रुका। अंतिम संस्कार से लौटते समय बेटे की मौत का सदमा सहन न कर पाई उनकी 78 वर्षीय मां, विमला देवी भी चंद घंटे बाद निधन हो गईं। परिवार के मुखिया कन्हैया लाल सलामपुरिया ने बताया कि यह उनके जीवन का सबसे बड़ा दुख था। एक ही दिन में बेटे और पत्नी दोनों का चले जाना अत्यंत पीड़ादायक और असहनीय है। उन्होंने कहा कि बेटे की अचानक मौत ने उनकी पत्नी को पूरी तरह टूट कर रख दिया था।

सुभाषितम्

हजार योद्धाओं पर विजय पाना आसान है, लेकिन जो अपने ऊपर विजय पाता है वही सच्चा विजयी है। - गौतम बुद्ध

मेयर ने निकाली ट्रंप की हवा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का रुख अब भारतीयों के प्रति नरम पड़ता दिखने लगा है। यह परिवर्तन एक झटके में देखने को मिला है। जब न्यूयॉर्क के मेयर पद पर भारतीय मूल के जोहरान ममदानी के चुने जाने पर उन्होंने जिस तरह से ट्रंप को अमेरिका में चुनौती दी है। उसके कारण ट्रंप को अपने रूप में बदलाव लाना पड़ा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले 10 महीने में भारतीयों को प्रताड़ित करने का कोई मौका नहीं छोड़ा। टैरिफ में भी भारत को सबसे पहले निशाने पर लिया। ट्रंप ने अवैध भारतीय प्रवासियों को अमेरिका से निकालते वक्त हथकड़ी और बेड़ी पहनाकर भारत वापस भेजा था। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी उन्होंने नीचा दिखाने का कोई मौका नहीं छोड़ा। ऑपरेशन सिंदूर के समय भी उन्होंने भारत के प्रति जो रुख इख्तियार किया था, वह एक तरह से भारत को नीचा दिखाने वाला काम ही था। न्यूयॉर्क सहित दो अन्य राज्यों में जिस तरह से ट्रंप को पराजय का सामना करना पड़ा है, उसके बाद ट्रंप को समझ आ गया है, कि भारत के खिलाफ वह जो कार्रवाई कर रहे हैं। वह अमेरिका के लिए हितकारी नहीं है। जिस तरह से न्यूयॉर्क के मेयर ने चुने जाने के तुरंत बाद भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और भारत की नीतियां जिसमें समाजवाद, साम्यवाद और पूंजीवाद तीनों शामिल था उसके आधार पर अमेरिका के नागरिकों को अधिकार देने की बात कही। उनकी समस्याओं को हल करने के लिए कहा। उसके बाद से ही ट्रंप के रुख में परिवर्तन आना शुरू हो गया। ट्रंप ने दो हफ्ते में दूसरी बार ट्रेड डील और टैरिफ को कम करने के बारे में बयान दिया है। हाल ही में व्हाइट हाउस में भारत में अमेरिकी राजदूत सर्गियों गौर के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के साथ बेहतर संबंध बनाने की बात कही। ट्रंप ने कहा, भारत कभी भी अमेरिका के कंज्यूमर प्रोडक्ट का बाजार नहीं रहा है। अमेरिका खुद चीन से कंज्यूमर प्रोडक्ट मांगता है। ऐसी स्थिति में हम भारत के साथ जल्द ही ऐसे संबंध स्थापित कर रहे हैं जिसे भारतीय मुझसे फिर प्यार करने लगेंगे। भारत की तारीफ करते हुए ट्रंप यहां तक कह दिया कि दुनिया की सबसे तेज आर्थिक गति से बढ़ता हुआ मध्यम वर्गी देश है। हिंद प्रशांत सागर क्षेत्र में अमेरिका का एक महत्वपूर्ण आर्थिक एवं सामरिक साझेदार है। ऐसी स्थिति में अमेरिका के संबंध भारत से बहुत बेहतर होने जा रहे हैं। पिछले 10 महीने में जो तनाव देखने को मिला था वह जल्दी ही दूर हो जाएगा। एक बार फिर भारत और अमेरिका के बीच प्यार परवान चढ़ेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का जो नजरिया बदला है, उससे भारत की मुसीबतें कम होंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस रुख से एक बड़ी राहत मिलती हुई नजर आ रही है। भारतीय प्रवासियों एवं छात्रों के लिए जिस तरह की नीतियां अमेरिका ने बनाई थीं उसमें भारी शुल्क लगाया था। तरह-तरह की शर्तें लगाई गईं थीं। निश्चित रूप से उसमें अब भारत को राहत मिलेगी। भारत और अमेरिका के एक बार फिर बेहतर संबंध स्थापित होंगे। अमेरिका में रह रहे भारतीय छात्रों तथा अमेरिका में जो प्रवासी भारतीय काम कर रहे हैं उन्हें भी ट्रंप के इस बदले हुए रुख से राहत मिलेगी। ट्रंप ने जो कहा है, यदि वास्तव में वह भारत के प्रति इस तरह का रुख बदलेंगे तभी इस पर विश्वास होगा। जिस तरह से पिछले 10 माह में ट्रंप पहले कोई बात कहते हैं। बाद में मुकर जाते हैं, जिसके कारण उन्हें बहुत गंभीर व्यक्ति नहीं माना जा रहा है। अमेरिका में जो बदलाव देखने को मिले, 40 दिन से अधिक शटडाउन लगा रहा। अब जाकर अमेरिकी सीनेट ने बजट पास किया और राष्ट्रपति ट्रंप ने इस पर साइन किए हैं। इससे पहले लाखों लोग नौकरी से बाहर हो गए। अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डोनाल्ड ट्रंप की छवि लगातार खराब हो रही थी, जिसे देखते हुए ट्रंप में जो बदलाव देखने को मिल रहा है वह समय की मांग है। 27 नवंबर से अमेरिका में थेंक्स गिविंग फेस्टिवल शुरू हो जाता है। छुट्टियां शुरू हो जाती हैं। ऐसी स्थिति में इस माह के अंत तक या अगले साल की जनवरी माह तक अमेरिका से भारत को बड़ी राहत मिल सकती है।

चिंतन-मनन

सफलता का मार्ग

संग्रह की वृत्ति बहिमरुखता का लक्षण है। साधक क्षणजीवी होता है। अतीत की स्मृति और भविष्य की चिंता वह करता है जो आत्मस्थ नहीं होता। वर्तमान में जीना आत्मस्थता का प्रतीक है। एक साधक कल की जरूरत को ध्यान में रखकर संग्रह नहीं करता, पर एक व्यवसायी सात पीढ़ियों के लिए पूरी व्यवस्था जुटाने में संलग्न रहता है। यह बात सही है कि साधक अशरीरी नहीं होता, शरीर की अपेक्षाओं को वह गौण नहीं कर सकता; पर दैहिक अपेक्षाओं को लेकर वह मूढ़ नहीं हो सकता। उसका विवेक जागृत रहता है। वह अपनी आवश्यकताओं को सीमित रखता है और आकांक्षाओं पर नियंत्रण रखता है। कभी-कभी साधक के जीवन में भी स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति जाग सकती है। प्रश्न उठता है कि इन वृत्तियों का उत्स क्या है? कौन-सी अभिप्रेरणा इन्हें उभरने का अवसर देती है? मेरे अभिमत से इन तीन संस्कारों का उद्भव तीन आकारों से होता है। वे तीन आकार हैं- अहं, अश्रम और असंतोष। स्वच्छंदता की मनोवृत्ति वहीं सक्रिय होती है, जहां अहंकार का नाग फन उठाए रखता है। अहंवादी व्यक्ति स्वयं को सब कुछ समझता है। उसे अपने सामने अन्य सभी लोग बौने दिखाई देते हैं। ऐसी स्थिति में वह न तो किसी से मार्गदर्शन ले सकता है और न किसी के नियंत्रण में रह सकता है। सुविधावाद का भाव वहां विकसित होता है जहां व्यक्ति श्रम से जी चुराता है, अपनी क्षमता का उपयोग नहीं करता और पुरुषार्थ में विश्वास नहीं करता। अश्रम का बीज ही आगे जाकर सुविधावाद के रूप में पल्लवित होता है। इस दृष्टि से साधना के साथ श्रमशीलता की युति आवश्यक है। संग्रह वृत्ति का बीज है असंतोष। जिस व्यक्ति को पदार्थ में संतोष नहीं होता, वह संग्रह करने की बात सोचता है। जिस समय जैसा पदार्थ उपलब्ध होगा, उसी से आवश्यकता की पूर्ति हो जाएगी- यह विधायक चिंतन असंतोष की जड़ को काट सकता है और संग्रह की मनोवृत्ति को बदल सकता है। साधना की सफलता स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति में नहीं है।

मधुमेह को दवा से ही नहीं, संतुलित जीवन से परास्त करें

- ललित गर्ग

दुनिया में बढ़ती मधुमेह की भयावहता इसलिये चिन्ताजनक है कि हर तीसरा शहरी वयस्क डायबिटीज से जूझ रहा है। यह बीमारी अनेक अन्य बीमारियों को भी बढ़ाने का बड़ा कारण है। मधुमेह के बढ़ने के कारणों में मुख्यतः खानपान में अनियमितता और शारीरिक निष्क्रियता सबसे बड़ी वजह है। विश्व मधुमेह दिवस हर वर्ष 14 नवम्बर को मनाया जाता है। यह दिन प्रसिद्ध वैज्ञानिक फ्रेडरिक बैंटिंग के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है, जिन्होंने 1922 में इंसुलिन की खोज कर दुनिया को मधुमेह से राहत देने का मार्ग दिखाया। अंतरराष्ट्रीय मधुमेह संघ और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 1991 में इसकी शुरूआत की थी। इस वर्ष का थीम है मधुमेह और समग्र कल्याण। यह थीम इस तथ्य पर केंद्रित है कि मधुमेह का उपचार केवल दवाइयों से नहीं बल्कि संतुलित और स्वस्थ जीवनशैली से संभव है। मधुमेह आज एक वैश्विक स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है। बदलती जीवनशैली, अनियमित भोजन, तनाव, मोटापा और शारीरिक निष्क्रियता इसके प्रमुख कारण हैं। यह बीमारी चुपचाप शरीर को भीतर से खोखला करती है और हृदय, गुर्दे, आंखों और नसों पर गहरा असर डालती है। मधुमेह को नियंत्रित करना केवल चिकित्सा का विषय नहीं, बल्कि यह जीवन जीने की एक कला है। इसके लिए सबसे पहले जीवन में संतुलन एवं सात्विक जीवनशैली की आवश्यकता होती है यानी संतुलित आहार, संतुलित नींद, संतुलित विचार और संतुलित आचरण। जीवन का यह संतुलन ही स्वास्थ्य का मूल मंत्र है। जब हम अपने जीवन को एक अनुशासन में ढालते हैं, तो रोग अपने आप दूर भागते हैं। मधुमेह आज केवल रोग नहीं, बल्कि समग्र स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है। मधुमेह का प्रबंधन केवल दवा और आहार तक ही सीमित नहीं है; इसमें मानसिक स्वास्थ्य सहायता, तनाव प्रबंधन, जीवनशैली शिक्षा और सामुदायिक जुड़ाव भी शामिल है। इसका लक्ष्य रोगी को मधुमेह की चुनौतियों का सामना करते हुए एक स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने के लिए सशक्त बनाना है। समग्र देखभाल, शीघ्र हस्तक्षेप और सहायक वातावरण को बढ़ावा देकर, मधुमेह रोग के बजाय व्यक्ति के उपचार के महत्व पर जोर देना मधुमेह दिवस का उद्देश्य है। यह दिवस मधुमेह से पीड़ित लोगों के शारीरिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन और जीवन की गुणवत्ता के बीच महत्वपूर्ण संबंध पर प्रकाश डालता है। इस वर्ष का अभियान डॉक्टरों, नीति निमार्ताओं और समुदायों से आग्रह करता है कि वे केवल रक्त शर्करा के स्तर से आगे बढ़कर रोगी के संपूर्ण कल्याण पर ध्यान केंद्रित करें। डायबिटीज जैसी घातक एवं असाध्य बीमारी को नियंत्रित करने के लिये अफवाहों से बचना जरूरी है, इसके लिये बड़ा दिल नहीं, समझदार दिल होना चाहिए। मर्यादित आहार ही, इस बीमारी को रोकने का एक सस्ता और असरदार उपाय हो सकता है। डायबिटीज (मधुमेह) की समस्या भारत समेत पूरे विश्व में तेजी से बढ़ रही है। इसके चलते हमें कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। डायबिटीज पहले अमूमन अधेड़ उम्र के लोगों में होती थी, अब यह बच्चों एवं युवकों को भी शिकंजे में ले रही है। भारत में करीब 10 करोड़ लोगों को डायबिटीज है। वहीं विश्व में 44 करोड़ लोग इससे पीड़ित है। भारत में डायबिटीज की प्रचलित दर 11.5 प्रतिशत है, जबकि प्री डायबिटीज के मामलों की दर 15.3 प्रतिशत तक पहुँच गई है , यानी देश का हर 10 में से एक व्यक्ति इस बीमारी से प्रभावित है। एक अनुमान के अनुसार 85 करोड़ लोग दुनिया भर में डायबिटीज के मरीज 2050 तक हो जाएंगे।

मधुमेह से बचने और इसे नियंत्रित करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण है नियमित शारीरिक गतिविधि। सुबह-सुबह की सैर, हल्का व्यायाम, दौड़ना या साइकिल चलाना न केवल शरीर को सक्रिय रखता है बल्कि रक्त में ग्लूकोज के स्तर को भी संतुलित करता है। इसके साथ ही योग और ध्यान का अभ्यास मधुमेह के नियंत्रण में अत्यंत प्रभावी माना गया है। योग केवल शरीर को लचीला नहीं बनाता बल्कि मन को शांत करता है और तनाव को कम करता है। प्राणायाम, अनुलोम-विलोम, कपालभाति, भ्रामरी जैसे योग अभ्यास इंसुलिन के स्राव को संतुलित करते हैं और मन को स्थिर बनाते हैं। ध्यान से मन की अस्थिरता और चंचलता कम होती है, जिससे तनाव नियंत्रित रहता है। तनाव और अवसाद मधुमेह के छिपे हुए शत्रु हैं। जब मन तनावग्रस्त होता है तो शरीर में कोर्टिसोल जैसे हार्मोन बढ़ जाते हैं, जो रक्त में शर्करा का स्तर बढ़ाते हैं। इसलिए मन को शांत और प्रसन्न रखना उतना ही आवश्यक है जितना शरीर को स्वस्थ रखना। मधुमेह के प्रबंधन में भोजन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। खानपान में शुद्धता और संयम दोनों ही जरूरी हैं। आज के समय में फास्ट फूड, प्रोसेस्ड फूड, तले-भुने और मीठे खाद्य पदार्थों की भरमार ने लोगों के स्वास्थ्य को बिगाड़ दिया है। भोजन में सादा, ताजा और पौष्टिक आहार अपनाना ही सबसे बड़ी दवा है। साबुत अनाज, दालें, हरी सब्जियां, सलाद, फल, अंकुरित अनाज और पर्याप्त मात्रा में पानी-ये सब मिलकर शरीर को ऊर्जा तो देते ही हैं, मधुमेह को भी नियंत्रित रखते हैं। अधिक तला-भुना, मिठाई, नमक, और चाय-कॉफी जैसी चीजें सीमित मात्रा में लेनी चाहिए। समय पर भोजन करना और ओवरईटिंग से बचना भी आवश्यक है। खाना न केवल पेट भरने का माध्यम है बल्कि यह हमारे जीवन की गुणवत्ता को निर्धारित करता है। ह्यजैसा अन्न वैसा मनह्व-यह कहावत मधुमेह के संदर्भ में बिल्कुल सत्य है। संतुलित जीवनशैली का अर्थ केवल आहार-विहार का नियंत्रण नहीं बल्कि सकारात्मक सोच और अनुशासित दिनचर्या भी है। जो व्यक्ति अपने दिन का एक निश्चित समय योग, ध्यान और आत्मचिंतन में लगाता है, वह न केवल शारीरिक रूप से बल्कि मानसिक रूप से भी स्वस्थ रहता है। तनाव, क्रोध, ईर्ष्या, असंतोष जैसी भावनाएं मन में रासायनिक असंतुलन पैदा करती हैं जो धीरे-धीरे शरीर में रोगों का कारण बनती हैं। अति-विचार से बचना भी जरूरी है। मधुमेह से बचने के लिए इन मानसिक विषों को दूर रखना उतना ही आवश्यक है जितना दवा लेना। अपने मन को हल्का और हृदय को प्रसन्न रखने की कला सीखनी होगी। धार्मिक प्रवृत्तियाँ, सत्संग, संगीत, साहित्य, प्रकृति के निकट समय बिताना, परिवार के साथ हंसी-मजाक करना-ये सब जीवन को संतुलन और आनंद से भर देते हैं। मधुमेह के रोगियों को नियमित रूप से अपने शुगर स्तर की जांच करनी चाहिए और डॉक्टर की सलाह का पालन करना चाहिए। दवा के साथ-साथ आत्म-निगरानी और जीवनशैली में निरंतर सुधार ही स्थायी स्वास्थ्य का आधार है। छोटी-छोटी बातों में सावधानी बड़ी बीमारियों से रक्षा करती है। शरीर को सक्रिय रखना, मन को शांत रखना और भोजन को संयमित रखना-ये तीन सूत्र मधुमेह नियंत्रण के त्रिदेव हैं। इस वर्ष के विश्व मधुमेह दिवस का संदेश यही है कि केवल दवा नहीं, बल्कि जीवन की दिशा बदलनी होगी। मधुमेह को नियंत्रण में रखने का सबसे कारगर उपाय है- संतुलित जीवन जब मन, शरीर और आत्मा का समन्वय होता है तो स्वास्थ्य अपने आप खिल उठता है।

बालश्रम की भट्ठी में झुलसता देश का भविष्य?

- नरेन्द्र भारती

बेशक प्रत्येक वर्ष की तरह 14 नंवम्बर 2025को बाल दिवस मनाया जा रहा है ।मगर ऐसे आयोजन औपचारिकता भर रह गये है। जिन बच्चों के हाथों में किताब, कापी, पैंसिल होनी चाहिए वे हाथ जोखिम उठा रहे हैं मजदूरी कर रहे हैं गैंती-बेलचा चला रहे हैं नन्हे हाथों में छाले आ जाते हैं जब यह मजदूरी करते हैं ।देश में आज बाल श्रमिकों का आंकड़ा कम होने के बजाए बढ़ता जा रहा है। इस पर रोकलगानी होगी।आज नाबालिग बच्चों को जबरदस्ती बाल मजदूरी की तरफ झोंका जाता है।बाल मजदूरों की सुरक्षा के लिए काफी कानून बने हैं पर वे नाकाफी साबित हो रहे हैं। यदि इन्हे कारगर ढंग से लागू किया जाए तो इस पर कुछ हद तक रोक लग सकती है। आज यह समस्या विश्व व्यापी बनती जा रही हैं। समझ नहीं आता कि जिनके अभी खेलने कूदने के दिन हैं वे ऐसे काम करते हैं कि रुह कांप उठती हैं ।देश में समय-समय पर बाल मजदूरी के हजारों मामले प्रकाश में आते रहते है ।देश में बाल मजदूरी के आंकडे चैंकाने वाले है ।प्रतिदिन कही न कही बाल मजदूरों को रिहा करवाया जाता है ।हर रोज एसे मामले समाचारों की सुखि।यां बनती है ।ऐसे मामलो को पर कुछ दिन कारबाई होती है उसके बाद वही परिपाटी चलती रहती है ।बाल मजदूर पिसते रहते है ।जनमानस को भी बाल मजदरी के ऐसे मामलों की शिकायत प्रशासन से करनी चाहिए ताकि उनका शोषण रोका जा सके। देश के प्रत्येक राज्य में ऐसे मामले घटित होते रहते है ।अगर प्रशासन सर्तकता से इन पर संज्ञान ले तब इस पर रोक लग सकती है ।कानूनों की अवहेलना करने वालों पर शिकंजा कसा जाए ।मालिको को हवालातों में डाला जाए जो बच्चों का शोषण कर रहे है ।प्रशासन को छापेमारी करके इन बच्चों को छुडाना चाहिए। आखिर कब तक बालश्रम कानून की धज्जियां उडती रहेगीं। बाल मजदूरी एक कड़वी सच्चाई है इससे सरकारों को अनदेखा नहीं करना चाहिए अपितू सख्त कानून बनाकर इसका खात्मा करना चाहिए। जिनके अभी खेलने कूदने के दिन हैं वे ऐसे काम करते हैं कि रुह कांप उठती हैं। बाल मजदूरी आज एक बहस का विषय बनता जा रहा है,बालश्रम की समस्या हमारे देश में नई नहीं है और बेहद गंभीर स्थिति में पहुंच चुकी है चाय की दुकानों ,ढाबों ,होटलों, उद्योगों और घरों में भी 18.18 घंटे काम लिए जाने की घटनाएं तो आम हैं ही ,इन्हे इसके बदले दिया जाने वाला मेहनतनामा भी कम होता है ,देश का भविष्य कहलाले वाले इन नौनिहालों के साथ अमानवीय व्यवहार किया जाता है ,यह किसी भी सभ्य समाज और कानून में मान्य नहीं होना चाहिए ।देश में बाल मजदूरों की संख्या निरंतर बढती जा रही है। बेशक देश आजाद हो चुका है मगर देश का आधार माने जाने वाले बच्चे आज भी बाल मजदूरी की जजीरों से आजाद नहीं हो पाए हैं,देश में हर रोज बाल मजदूरों को रिहा करवाया जा रहा है फिर भी यह समस्या कम नहीं हो रही है ।हर राज्य में बाल मजदूर पकडे जा रहे है'प्रतिदिन देश में बालमजदूरों को रिहा करवाया जाता है ।अगर इस पर सख्त कानून बनाया जाए तो यह बालमजदूरी पर रोक लग सकती है । बालश्रम की भट्ठी में बचपन झुलस रहा है मगर जनता के मसीहा बेखबर हैं कानूनों का मजाक उडाया जा रहा है सरकारें भी कानून बनाकर इतिश्री कर लेती है यदि शिकजा कसा जाए तो इस पर कुछ हद तक रोक लग सकती है ।,श्रम विभाग व्दारा भी कभी कभार छापामारी की जाती है मगर फिर वही सिलसिला चलता रहता है ।सरकारें मूकदर्शक बनी हुई हैं,यदि सरकारों को जरा भी सदमा होता तो इस प्रथा पर जरूर रोक लगाती। यह समस्या विश्वव्यापी है। आज पटाखा फैक्टरियों,चूडियों के उद्योगों में ,गलीचा बनाने वाले उद्योगों में बाल मजदूरों की संख्या ज्यादा है ।देश में समय-समय पर बाल मजदूरों को सामाजिक संस्थाओं द्वारा छुडाया जाता है ।भारतीय संविधान की अनुच्छेद 24 के अर्न्तगत बालश्रम अबैध घोषित है। मगर कानून फाईलों की शोभा बढा रहे हैं ।उतरप्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडू ,गुजरात, आन्ध्रप्रदेश, में उद्योगों में अधिकतर काम बालश्रमिकों के कधों पर हैं ।बालश्रम का यह अवैध धंधा बडे पैमाने पर पनपता जा रहा है ।समाज को इस पर मंथन करना होगा ।अगर समय रहते इस पर रोक न लगाई तो भविष्य में हालात बेकाबू हो सकते है ।देश में खैनी, जरदा, तम्बाकू, गुटका,बीडी, व अन्य नशीले पदार्थों के उद्योगों में बालश्रमिक ही इन को बनाते हैं ।माचिस ,आतिशबाजी, के उद्योगों में इनका शोषण किया जाता है। इनके मालिक इनको भर पेट खाना तक नहीं खिलाते है जिस कारण कई बाल मजदूर बीमार हो जाते है और असमय काल का ग्रास बन जाते हैं इनके मालिको द्वारा इनके स्वास्थ्य की जांच तो दूर की बात है ।बाल मजदूरी गरीबी की वजह से पैदा होती हैं। परिवार पालने के लिए दिन रात काम करते हैं इन बाल मजदूरों को आराम तक का समय भी नहीं मिलता है । बालश्रम के उन्मूलन के लिए सरकार को प्रभावी कदम उठाने चाहिए। यह देश के लिए बहुत ही शर्मनाक है। आज बाल मजदूरों की संख्या में अप्रत्याशित रुप से वृद्धि होती जा रही हैं मगर सरकारें इस पर रोक लगाने में अक्षम नजर आ रही है प्रतिदिन हजारों बाल मजदूरों को सामाजिक संस्थाओं के प्रयासों से मुक्त करवाया जाता है मगर ऐसे भी मामले हैं जो प्रकाश में नहीं आ रहे हैं और बालमजदूर नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं ।बाल मजदूरी की इस प्रथा को जड़ से मिटाना होगा। बचपन को बचाना होगा। एक अभियान चलाना चाहिए ताकि बाल मजदूरों को मुक्त करवाया जा सके ।यह देश हित में है। प्रशासन को चाहिए बिना समय गंवाए इस पर त्वरित एक्शन लेना चाहिए। बाल मजदूरी को रोकने के लिए समाज के लोगों को आगे आना होगा ताकि इस पर नकेल लग सके और देश का भविष्य बर्बाद होने से बच सके।

जिंदगी बचाने वाले डॉक्टर कैसे बने आतंक के सौदागर?

- मनोज कुमार अग्रवाल

लालकिला विस्फोट साजिश मामले में उच्च शिक्षित छह डॉक्टरों के नाम जुड़ जाने के बाद कई मिथक टूट रहे हैं जैसे अशिक्षा और बेरोजगारी आतंकवाद को जन्म देती है आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता है। इस मामले में शिक्षित और लाखों मासिक की तनख्वाह पाने वाले सभी मुस्लिम दहशतगर्दी की साजिश से जुड़े मिले हैं। सवाल है कि इन्हें कौन रेडिक्क्लाइज (उग्र कट्टरपंथी) बना रहा है? जिंदगी देने वाले डॉक्टर ही दहशत फैलाने का औजार कैसे बन गए? ये कौन सी मजहबी तालीम है जो उच्च शिक्षित एम डी डॉक्टर्स का भी ब्रेनवॉश कर उन्हें दहशत फैलाने के नापाक मंसूबों से जोड़ देती है? पिछले कुछ दिनों से देश के अलग-अलग शहरों में आतंकियों की गिरफ्तारी और विस्फोटक सामग्रियों की बरामदी के बीच सोमवार शाम को लाल किले के पास जोरदार धमाका होना इस बात का प्रमाण है कि संभवत आतंकियों ने इस घटना को बौखलाहट में अंजाम दिया है, लेकिन इसके साथ यह भी साबित होता है कि आतंकी देश के विभिन्न हिस्सों में अपनी जड़े जमा चुके है। आतंक का जाल पूरे देश में फैल चुका है। दिल्ली में लाल किले के पास हुए जोरदार धमाके में 12 लोगों की मौत और दो दर्जन से ज्यादा लोगों का घायल होना काफी दुःखद और हृदयविदारक घटना है, क्योंकि यह विस्फोट इतना भयानक था कि लोगों के चिथड़े उड़ गए। धमाके की वजह साफ नहीं है, क्योंकि दिल्ली पुलिस ने इस संबन्ध में कुछ नहीं कहा है, लेकिन माना जा रहा है कि आतंकियों ने ही अपने नापाक मनसूबों को अंजाम दिया है। संभवत दिल्ली में विस्फोट कर आतंकी पूरे देश में यह संदेश देना चाह रहे हैं कि तमाम गिरफ्तारियों के बीच उनका मनोबल गिरा नहीं है। दिल्ली, जो देश की प्रशासनिक और राजनीतिक धुरी है, में लाल किले जैसा ऐतिहासिक और प्रतीकात्मक स्थान पर धमाका होना, सीधे-सीधे देश की सुरक्षा व्यवस्था और खुफिया एजेंसियों को चुनौती है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब श्रीनगर, अनंतनाग, गांदरबल, शोपियां, फरीदाबाद और सहारनपुर में व्यापक छापेमारी चल रही थी और सात संदिग्धों की गिरफ्तारी के साथ भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई थी। इसलिए यह मानना तर्कसंगत होगा कि यह धमाका आतंकियों की बौखलाहट में की गई कार्रवाई हो सकती है, लेकिन इसकी भयावहता इस बात में है कि यह दिखाता है कि नेटवर्क अब भी सक्रिय और संगठित है। आंकड़े और घटनास्थल की विस्तृत जानकारी ने यह संकेत दिया है कि यह कोई साधारण विस्फोट या हमला नहीं था, बल्कि लंबी परतों में फैला एक नेटवर्क चल रहा था। देश में विभिन्न स्थानों से कुल मिलाकर लगभग तीन टन के आसपास विस्फोटक पदार्थ और संबंधित सामग्री बरामद हुई है, और मामला एक व्हाइट कलर आतंकी मॉड्यूल से जुड़ा बताया जा रहा है यानी प्रोफेशनल्स, छात्र और नागरिक का भी शामिल होना समझ को झकझोर देता है। सबसे स्तब्ध करने वाली बात यह है कि जिन लोगों पर संदेह हुआ उनमें मेडिकल डॉक्टर भी शामिल थे। रिपोर्ट बताती ताती हैं कि अनंतनाग के एक सरकारी मेडिकल कॉलेज से एके-47 राइफल बरामद की गई और दो-तीन डॉक्टरों की गिरफ्तारी के बाद यहीं से छानबीन आगे बढ़ी। जिन डॉक्टरों का नाम सामने आया है, उनमें अब जिन्हें हिरासत में लिया गया जिस कार में विस्फोट किया गया उसे भी एक डॉक्टर उम्र चला रहा था कुल छह डॉ के नाम सामने आ चुके हैं।

आज का राशिफल

मेष नई जगह पर निवेश करने का विचार बना रहे हैं, तो सोच-समझकर फैसला लेना लाभकारी सिद्ध होगा।

तुला अगर आप कुछ धन निवेश करते हैं, तो इससे स्थितियां बेहतर हो सकती हैं।

वृषभ दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। कामकाज की स्थिति अच्छी बनी रहेगी।

वृश्चिक आपके द्वारा पहले लिए गए निर्णय अब लाभदायक सिद्ध हो सकते हैं।

मिथुन लंबे समय से किसी समस्या का सामना कर रहे थे तो अब आपको समाधान मिल सकता है।

धनु मांगलिक कार्य आयोजित होने के चलते कार्यक्षेत्र में अपने कामकाज पर कम ध्यान दे पाएंगे।

कर्क परिस्थितियां बदलती हुई नजर आ सकती हैं। ऐसे में आपके लिए लाभ की स्थितियां बन सकती हैं।

मकर लंबे समय से समस्या का सामना कर रहे थे, तो उससे छुटकारा मिल सकता है।

सिंह आपका दिन मेहनत भरा रह सकता है। कार्यक्षेत्र में कामकाज के सिलसिले में कुछ देरी हो सकती है।

कुंभ विरोधियों से सावधान रहने की जरूरत है, अन्यथा वे आपके कार्यों में बाधा डाल सकते हैं।

कन्या समय की कमी है तो आप अपने अधूरे पड़े कार्यों को पूरा करने के बारे में विचार कर सकते हैं।

मीन स्वास्थ्य में गिरावट देखने को मिल सकती है, जिसके चलते कामकाज में भी कम रुचि रहेगी।

विशेष

प्रदूषण से 130 लोगों की मौत

पंजाब और दिल्ली का वायु प्रदूषण एक दूसरे को मात देते हुये नजर आ रहे है। हाल ही में पंजाब से खबर आई है। प्रतिदिन 130 लोगों की मौत प्रदूषण के कारण हो रही है। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज 2023 की रिपोर्ट से इसकी पुष्टि हुई है। पंजाब के नौ शहर सबसे ज्यादा प्रदूषित हैं। पंजाब विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार 2023 में पंजाब में विभिन्न कारणों से 2,30,000 लोगों की मौत हुई है। इनमें से 48000 मौत वायु प्रदूषण के कारण हुई हैं। दिल्ली में भी वायु प्रदूषण को लेकर जनता सड़कों पर आ गई है। हवा- पानी जीवन जीने का मौलिक अधिकार है। दिल्ली के लोग भी अब सड़कों पर आ रहे हैं। दिल्ली पुलिस आंदोलनकारियों को जेल भेज रही है।

अब हवा के लिए आंदोलन?

दिल्ली में पहली बार शुद्ध हवा के लिए आंदोलन हो रहा है। जीवन जीने के लिए सबसे पहले शुद्ध हवा की जरूरत है। रोटी कपड़ा और मकान बाद की जरूरत है। दिल्ली की सड़कों पर हजारों युवा शुद्ध हवा के लिए आंदोलनरत हुए। दिल्ली पुलिस के डंडों से उन्हें शुद्ध हवा तो नहीं मिली, हां पुलिस की गिरफ्तारी जरूर मिल गई।अब लोगों को जीवन जीने के लिए शुद्ध हवा के लिए आंदोलन करना पड़ रहे हैं। इससे ज्यादा शर्म की क्या बात हो सकती है एक तरफ हम तीसरी और चौथी अर्थव्यवस्था की बात कर रहे हैं। वहीं जीवन जीने के लिए शुद्ध हवा भी नहीं जुटा पा रहे हैं। यही भारत की सच्चाई है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1681: ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा बंगाल को अलग प्रेसीडेन्सी बनाने की घोषणा की गई। 1889: जवाहर लाल नेहरू का जन्म हुआ। 1891: बाबा साहेब आम्बेडकर का जन्म । 1955: कर्मचारी राज्य बीमा निगम की स्थापना हुई। 1957: बाल दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। 1961: चेकोस्लोवाकिया में दो रेलगाड़ियों की टक्कर में 11 व्यक्ति मारे गए और सैकड़ों अन्य घायल हो गए। 1971: पूर्वी पाकिस्तान में समुद्री तूफान से तीन लाख से अधिक लोग मारे गए। 1989: नीमीबिया के चुनाव में स्वापो को भारी सफलता मिली। 1991: बर्लिन में धरने पर बैठे लोगों को हटाने हेतु सुरक्षा बलों ने तीन सौ लोगों को गिरफ्तार किया व 71 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। 1993: पूर्व वित्तमंत्री यशवंत सिन्हा भाजपा में शामिल।

दैनिक पंचांग

14 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

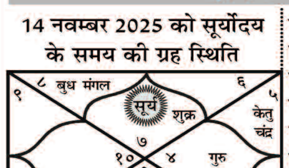

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	06.27 ब.से
चंद्र	सिंह में	धनु	08.43 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	10.49 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	12.35 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	14.08 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	15.38 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.18 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.17 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	21.30 बजे से
राहुकाल		सिंह	23.46 बजे से
10.30 से		कन्या	01.58 बजे से
12.00 बजे तक		तुला	04.09 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 318 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** मृगशीर्ष (दक्षिण भारत में कार्तिक) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** दशमी 00.50 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 21.21 बजे को समाप्त। **योग** इन्द्र 06.27 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 12.08 बजे तदनन्तर विष्टि 00.50 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 23.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 18° 14' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872528 **जूलियन दिन** 2460993.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उल्लावल **तारीख** 22 **विशेष** नेहरू जयंती, बाल दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

लातेहार में थ्रेसर मशीन में लगी आग, ट्रैक्टर-धान राख

लातेहार, एजेंसी। लातेहार जिले के बरवाडीह प्रखंड स्थित सरईडीह हाई स्कूल के पास बुधवार की शाम धान निकालने के दौरान एक थ्रेसर मशीन में आग लग गई। इस घटना में थ्रेसर मशीन, एक ट्रैक्टर और बड़ी मात्रा में धान जलकर राख हो गया, जिससे लगभग तीन से चार लाख रुपए का नुकसान होने का अनुमान है। ग्रामीणों के अनुसार, यह थ्रेसर मशीन पोखरीकला निवासी प्यारी साव का था। किसान अपने खेत से लाई गई धान की फसल की कटाई कर रहे थे, तभी अचानक मशीन में आग भड़क उठी। ग्रामीणों ने आग बुझाने के लिए पानी और बालू का उपयोग किया, लेकिन आग इतनी तेजी से फैली कि जब तक वे इसे नियंत्रित कर पाते, तब तक पूरी मशीन, ट्रैक्टर और धान जलकर खाक हो चुके थे। घटना की सूचना मिलते ही बरवाडीह पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। बरवाडीह थाना प्रभारी अनूप कुमार ने बताया कि आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

एचटीसी पर अनियमितताओं के आरोप:रिम्स में हीमोफीलिया मरीज और उनके परिजनों ने किया हंगामा

रांची, एजेंसी। झारखंड के कई जिलों से आए हीमोफीलिया मरीजों और उनके परिजनों ने मंगलवार को रिम्स में विरोध-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि हीमोफीलिया ट्रीटमेंट सेंटर (एचटीसी), जो राज्य के सैकड़ों मरीजों के लिए जीवनरेखा माना जाता है, अब प्रशासनिक लापरवाही, वित्तीय अनियमितताओं और निजी हस्तक्षेप का केंद्र बन गया है। मरीजों का कहना है कि एचटीसी, जिसे नि :शुल्क और वैज्ञानिक उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू किया गया था, अब हिमोफिलिया सोसायटी रांची चैप्टर के प्रभाव में है। आरोप है कि यह एनजीओ रिम्स की सरकारी इमारत और उपकरणों का उपयोग अपने निजी कार्यालय की तरह कर रहा है। इधर, विरोध के बाद रिम्स प्रबंधन ने जांच का आदेश दिया है। रिम्स निदेशक ने कहा कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। रिम्स ने यह भी बताया कि यह सेंटर एक बाहरी संस्था द्वारा संचालित किया जाता है और इसके लिए रिम्स ने 2016 में स्थान उपलब्ध कराया था। मरीजों ने मांग की है कि एचटीसी में पारदर्शिता बहाल की जाए और इलाज की व्यवस्था को पुन : पूरी तरह सरकारी नियंत्रण में लाया जाए।

भाजपा ने धर्मांतरण निषेध कानून बना कर बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि : दास

जमशेदपुर, एजेंसी। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने बुधवार को कहा कि बिरसा मुंडा धर्मांतरण के विरोधी थे। जब झारखंड में भाजपा सरकार थी, तब धर्मांतरण निषेध कानून बनाकर बिरसा मुंडा को सच्ची श्रद्धांजलि दी गई थी। झारखंड स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर हम धरती आबा के आदर्श पर चलकर झारखंड और भारत को आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता और संस्कृति की दिशा में आगे ले जाएं, यही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि झारखंड में डबल इंजन सरकार के समय रांची के उस कारागार में जहां बिरसा मुंडा ने अंतिम सांस ली थी, वहां भव्य स्मारक एवं संग्रहालय का निर्माण कराया गया। नई दिल्ली स्थित बसेरा पार्क में धरती आबा की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया गया। रघुवर साकची स्थित भाजपा कार्यालय में बोल रहे थे। मौके पर भाजपा महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा, रमेश हांसदा आदि थे। झारखंड में पेसा कानून को अविलंब लागू करे सरकार : रघुवर दास ने राज्य सरकार से झारखंड में पेसा कानून को अविलंब लागू करने की मांग की। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आदिवासी समाज के उत्थान और स्वशासन को सशक्त करने की दिशा में कई कदम उठाए हैं। 1996 के पेसा कानून को प्रभावी रूप से लागू करने वाले 10 राज्यों में से सात ने 2014 के बाद ही पेसा कानून को लागू कर दिया था। इससे ग्राम सभाओं को जल, जंगल और जमीन पर वास्तविक अधिकार मिला है।

800 करोड़ के जीएसटी घोटाले के आरोपी को जमानत देने से हाईकोर्ट ने किया इनकार

रांची, एजेंसी। करीब 800 करोड़ रुपए के जीएसटी घोटाले के आरोपी शिवकुमार देवड़ा और मोहित देवड़ा को जमानत देने से हाईकोर्ट ने इनकार कर दिया। जस्टिस एसएन प्रसाद की कोर्ट ने सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रखा था। बुधवार को याचिका खारिज करने का फैसला सुनाया। सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से कहा गया था कि आरोपी गंभीर वित्तीय अपराध में संलिप्त हैं। इनके खिलाफ ठोस सबूत मिले हैं। अदालत ने ईडी के तर्क पर सहमति जताते हुए कहा कि इस स्तर के आर्थिक अपराध में जमानत नहीं दी जा सकती है। यह मामला शेल कंपनियों के नाम पर की गई फर्जी जीएसटी एंट्री के जरिए करीब 800 करोड़ रुपए के घोटाले से जुड़ा है। ईडी ने जांच के दौरान इस मामले में अब तक चार से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें शिवकुमार देवड़ा, मोहित देवड़ा, जमशेदपुर के जुगसलाई के कारोबारी विक्की भालोटिया और कोलकाता के कारोबारी अमित गुप्ता शामिल हैं। आरोप है कि इन्होंने करीब 14,325 करोड़ रुपए का फर्जी चालान तैयार किया।

खेलो झारखंड के तहत राज्यस्तरीय क्रिकेट चयन प्रक्रिया संपन्न, 325 खिलाड़ियों ने दिखाया दम

रांची, एजेंसी। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद रांची के तत्वावधान में खेलो झारखंड कार्यक्रम अंतर्गत राज्यस्तरीय अंडर-19 बालक और बालिका स्कूली क्रिकेट की खुली चयन प्रक्रिया बुधवार को रांची के साऊथ रेलवे कॉलोनी मैदान, चुटिया में संपन्न हुई। यह आयोजन स्कूली शिक्षा साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार के द्वारा किया गया था। जिसका उद्देश्य विद्यालय स्तर से खेल प्रतिभाओं को पहचानना और उन्हें राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर मंच प्रदान करना है।

राज्य के 325 युवा खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा : इस चयन प्रक्रिया में झारखंड के विभिन्न जिलों से कुल 325 क्रिकेट खिलाड़ियों ने भाग लिया। इनमें 258 बालक और 67 बालिका खिलाड़ी शामिल थे। सुबह से शुरू हुई चयन प्रक्रिया देर शाम तक चली। जिसमें खिलाड़ियों ने पूरे जोश, उत्साह और खेल भावना के साथ अपने प्रदर्शन से चयनकर्ताओं को प्रभावित करने की कोशिश की। मैदान पर खिलाड़ियों की प्रतिबद्धता और मेहनत देखते ही बन रही थी।

ट्रायल में दिखा खिलाड़ियों में उत्साह : मैदान पर उपस्थित चयन समिति के सदस्यों ने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग के आधार पर खिलाड़ियों का मूल्यांकन किया। खिलाड़ियों ने यह साबित कर दिया कि झारखंड के गांवों और कस्बों में क्रिकेट की गहरी जड़ें हैं। कई युवा खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से दर्शाया कि यदि उन्हें सही प्रशिक्षण और अवसर मिले, तो वे राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना सकते हैं।

कार्यक्रम पदाधिकारी ने दी शुभकामनाएं : इस अवसर पर राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए। सोरेंग ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आज के ट्रायल में झारखंड के विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों ने जिस जोश और कौशल का प्रदर्शन किया है, वह वास्तव में सराहनीय है। खेलो झारखंड कार्यक्रम का उद्देश्य ऐसे प्रतिभावान खिलाड़ियों की पहचान करना है जो भविष्य में राज्य ही नहीं, देश का भी नाम रोशन करें। उन्होंने आगे बताया कि चयन प्रक्रिया के बाद 21 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा।

जिसमें चयनित खिलाड़ियों को विशेषज्ञ कोचों द्वारा उन्नत स्तर का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस शिविर में खिलाड़ियों की तकनीक, फिटनेस और मानसिक मजबूती पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि वे राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार हो सकें।

राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे चयनित खिलाड़ी : प्रशिक्षण शिविर समाप्त होने के बाद अंतिम झारखंड राज्य अंडर-19 क्रिकेट टीम का गठन किया जाएगा। यह टीम आगामी राष्ट्रीय स्कूली खेलकूद प्रतियोगिता (स्त्रस्नद्ब) में राज्य का प्रतिनिधित्व करेगी। अंडर-19 बालक वर्ग की प्रतियोगिता 5 से 9 दिसंबर 2025 तक रोहतक (हरियाणा) में आयोजित की जाएगी, जबकि अंडर-19 बालिका वर्ग की प्रतियोगिता 1 से 6 जनवरी 2026 तक मध्य प्रदेश में आयोजित होगी।

झारखंड में खेल संस्कृति को नई दिशा : खेलो झारखंड अभियान राज्य सरकार की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जिसका उद्देश्य विद्यालय स्तर से खेल संस्कृति को मजबूत करना और नई खेल प्रतिभाओं को तैयार करना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से खिलाड़ियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। राज्य के विभिन्न जिलों में आयोजित हो रही चयन प्रक्रिया न केवल खेल प्रतिभाओं की पहचान का माध्यम बन रही हैं, बल्कि ग्रामीण और शहरी इलाकों के बच्चों में खेल के प्रति नई चेतना भी जगा रही है।

भविष्य के सितारों की खोज का मंच : खेल विशेषज्ञों का कहना है कि खेलो झारखंड जैसी पहल राज्य के खिलाड़ियों के लिए करियर की नई राहें खोल रही हैं। झारखंड से पहले भी क्रिकेट के क्षेत्र में कई खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे हैं और अब इस कार्यक्रम से नई पीढ़ी को भी वही अवसर मिल रहे हैं।

चयन प्रक्रिया के समापन के बाद अधिकारियों और प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पूरे आयोजन के दौरान बच्चों के चेहरे पर उत्साह और सपनों की चमक झलक रही थी। झारखंड के ये उभरते क्रिकेटर अब राष्ट्रीय मंच पर राज्य का परचम लहराने को तैयार हैं।

निजी संस्थान नहीं वसूल सकेंगे मनमानी फीस

रांची, एजेंसी। झारखंड में अब निजी शिक्षण संस्थान मनमानी फीस नहीं वसूल सकेंगे। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंगलवार को झारखंड व्यावसायिक शिक्षण संस्थान (शुल्क विनियमन) विधेयक-2025 को मंजूरी दे दी है। इसी साल 26 अगस्त को मानसून सत्र में विधानसभा से यह विधेयक पास हुआ था। इसके बाद इसे मंजूरी के लिए राज्यपाल को भेजा गया था। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा अधिसूचना जारी किए जाने के साथ ही यह राज्यभर में लागू हो जाएगा।

अधिनियम बन जाने के बाद अब राज्य सरकार द्वारा गठित होनेवाली शीर्ष कमेटी अलग-अलग संस्थानों, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, एएनएम कॉलेज, बीएड सहित अन्य कॉलेज और शिक्षण संस्थानों के लिए फीस का निर्धारण करेगी। मेडिकल, इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट व अन्य पाठ्यक्रमों की फीस को तार्किक बनाना इसका उद्देश्य है। कई राज्यों में व्यावसायिक शिक्षण संस्थानों के लिए सरकार की ओर से शुल्क तय किए गए हैं।

वो सबकुछ जो आपके लिए जानना जरूरी है : कैसे तय होगी फीस... इस अधिनियम के तहत फीस ढांचा तय करने के लिए शुल्क नियामक समिति का गठन होगा। सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में व्यावसायिक शिक्षा के शुल्क निर्धारण का आदेश दिया था, ताकि निजी संस्थानों की मनमानी पर रोक लग सके। इस फैसले के बाद महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों ने शुल्क नियामक समिति का गठन कर दिया है।

हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में बनेगी कमेटी : हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की अनुशंसा पर रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में शुल्क निर्धारण समिति का गठन किया जाएगा। इस कमेटी में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के सचिव द्वारा नामित राज्य के किसी विश्वविद्यालय के कुलपति इसके उपाध्यक्ष होंगे। इनके अलावा एक चार्टर्ड अकाउंटेंट और अलग-अलग पाठ्यक्रमों से जुड़े लोग सदस्य बनाए जाएंगे।

दीपक विभार हत्याकांड, तीन और आरोपी गिरफ्तार

जमशेदपुर (पूर्वी सिंहभूम), एजेंसी। जमशेदपुर के सिदगोड़ा थाना क्षेत्र में दीपावली की रात हुए दीपक विभार हत्याकांड में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मुख्य आरोपी प्रेम यादव सहित तीन और अपराधियों को गिरफ्तार किया है। हत्या में इस्तेमाल देशी सिक्सर, पिस्टल, दो मैगजीन और सात जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों को बुधवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। डीएसपी हेडक्वार्टर-1 भोला प्रसाद सिंह ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि आरोपी बाबूडीह कब्रिस्तान इलाके में छिपे हुए हैं। इस सूचना के आधार पर विशेष टीम ने छापेमारी कर प्रेम यादव और उसके दो साथियों, रौशन यादव एवं अंगद मुखी को दबोच लिया।

दीपक विभार को गोली मारी गई थी

यह घटना 20 अक्टूबर 2025 की रात कानूभट्ठा, भूईयांडीह में हुई थी। दीपक विभार को गोली मारी गई थी, जिसके बाद गंभीर रूप से घायल दीपक ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। इस वारदात के बाद सिदगोड़ा थाना में हत्या का मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने पहले मुख्य शूटर अशोक यादव को गिरफ्तार किया था। रिमांड पर पूछताछ के दौरान अशोक ने खुलासा किया था कि घटना के समय प्रेम यादव भी उसके साथ था और उसके पास एक देशी सिक्सर थी। अशोक के अनुसार, प्रेम ने घटनास्थल पर हवाई फायरिंग की थी, जिसके बाद अशोक ने दीपक के सीने में गोली मारी थी।

हथियार अंगद मुखी को सौंप दिया था

प्रेम यादव की गिरफ्तारी के बाद, उसकी निशानदेही पर बाबूडीह लाल भट्ठा निवासी रौशन यादव को पकड़ा गया। रौशन ने पुलिस को बताया कि उसने हथियार अंगद मुखी को सौंप दिया था। अंगद मुखी की बताई जगह, भुइयांडीह डंपिंग यार्ड से पुलिस ने हत्याकांड में इस्तेमाल हथियार बरामद कर लिया। बरामद हथियारों में एक देशी सिक्सर, दो मैगजीन और सात कारतूस शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, अशोक यादव की निशानदेही पर स्वर्णरेखा नदी किनारे से एक और हथियार बरामद किया गया है।

सर्किट हाउस एरिया में अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, 21 हजार वर्गफीट जमीन खाली

जमशेदपुर, एजेंसी। सोनारी थाना अंतर्गत सर्किट हाउस एरिया में टाटा स्टील लैंड डिपार्टमेंट, क्यूआरटी व पुलिस प्रशासन के सहयोग से कुल तीन अलग-अलग लोकेशन से बुलडोजर चलाकर करीब 21 हजार वर्गफीट लीज जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। इसमें नॉर्थ वेस्ट स्थित पोद्दार हाउस के समीप अतिक्रमण तोड़ने का कब्जाधारी व उनके परिवार के लोगों ने विरोध किया।

इस कारण कुछ देर अभियान रूका रहा। लेकिन बाद में कब्जा किये जमीन का कोई दस्तावेज नहीं दिखाने पर सख्ती से बुलडोजर से शौचालय व अन्य संरचना तोड़ने की कार्रवाई की गयी। इससे पूर्व दो अन्य जगहों पर शांतिपूर्वक लीज जमीन पर अवैध रूप से बीस फीट ऊंचे टीन शेड वाला बाउंड्रीवाल व एक जगह में कंटीले तार की फेंसिंग को बुलडोजर से तोड़ने की कार्रवाई की गयी। दोपहर तीन बजे से शुरू हुआ अतिक्रमण हटाओ अभियान शाम तक चला। अभियान में टाटा स्टील लैंड डिपार्टमेंट के सीनियर एरिया मैनेजर सुनील सिंह टीम के साथ मौजूद थे।

1।स्थान- सर्किट हाउस नॉर्थ वेस्ट, होल्डिंग नंबर 21, आरके साहू के घर के बगल में आरके साहू के कब्जा वाला 10 हजार वर्गफीट में अवैध रूप से बना बीस फीट ऊंचा टीनाशेड का बाउंड्री था, उक्त बाउंड्री घेरकर अवैध निर्माण की तैयारी थी। टीना शेड को दो बुलडोजर से तोड़ा गया। 2। स्थान-सर्किट हाउस नॉर्थ वेस्ट, होल्डिंग नंबर 13, काबरा हाउस लोहे के ग्रिल से तीन हजार वर्गफीट में अवैध रूप से बाउंड्री बनाया गया था, उसे बुलडोजर से तोड़ा गया। 3। स्थान-सर्किट हाउस नॉर्थ वेस्ट, होल्डिंग नंबर 01, पोद्दार हाउस के बगल में पेवर्स बिछाकर, पौधा लगाकर व शौचालय का अवैध निर्माण किया गया था।

चाईबासा में उत्पाद विभाग की छापामारी, अवैध मिनी शराब फैक्ट्री का हुआ भंडाफोड़

चाईबासा, एजेंसी। पश्चिम सिंहभूम जिला के झींकपानी थाना अंतर्गत चडाबासा गांव से उत्पाद विभाग ने भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त कर मिनी फैक्ट्री को ध्वस्त किया। जिसमें सैकड़ो लीटर तैयार अवैध शराब, रैपर, ढक्कन, खाली बोतल, स्प्रीट समेत अन्य भारी मात्रा में सामग्री बरामद की गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए चाईबासा उत्पादन आयुक्त अरविंद कुमार ने कहा कि गुप्त सूचना के आधार पर झींकपानी थाना अंतर्गत चाडाबासा गांव में गुरुवार सुबह 4 बजे उत्पाद विभाग की टीम छापामारी करने पहुंची।

काफी खोजबीन के बाद एक पुराने घर में अवैध शराब बनाने की मिनी फैक्ट्री के रूप में बरामद किया गया। वहां से 101 पेटी तैयार अवैध शराब, 500 लीटर अवैध शराब बनाने के लिए रखा स्प्रिट, हजारों खाली बोतल, ढक्कन, रैपर आदि बरामद की गई।

सभी सामग्री को जब्त कर कार्यालय लाया गया। हालांकि, मिनी फैक्ट्री में कोई व्यक्ति नहीं मिला। लेकिन उनके मालिक का पता लगाया जा रहा है जल्द ही उन पर कार्रवाई की जाएगी।

प्रथम दृष्टा मनोज साहनी और हरीश बेहरा नामक व्यक्ति की जानकारी मिली है। उनको गिरफ्तार करने के लिए छापामारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि चाईबासा जिला में किसी भी हालत में अवैध शराब का संचालन नहीं करने दिया जाएगा। विभाग पूरी तरह मुस्तैद है, आज जो अवैध शराब बरामद किया गया है उन्हें बाजार में ही बेचा जाने वाले था और लोगों को पूरी तरह जहर पिलाया जाने वाला था।

लोग थोड़े कम दाम के कारण गलत चीज का इस्तेमाल करने लगते हैं, जबकि इससे जान को खतरा हो सकता है। जब्त अवैध शराब की बाजार कीमत लगभग 20 से 22 लाख रुपये हो सकती है।

आम ग्रामीणों से अपील भी है कि किसी प्रकार अवैध शराब बनाने खरीदने बेचने की जानकारी मिलने पर तत्काल उत्पाद विभाग को इसकी जानकारी दें। जिस पर आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

झारखंड पर मंडरा रहा बिजली आपूर्ति का खतरा! डीवीसी बोकारो थर्मल की 500 एमडब्ल्यू यूनिट बंद

बेरमो, एजेंसी। डीवीसी बोकारो थर्मल स्थित 500 मेगावाट क्षमता वाली ए यूनिट को मंगलवार देर रात 1 बजकर 35 मिनट पर बंद कर दिया गया। प्लांट बंद करने का निर्णय मंगलवार को लिया गया। अभियंताओं ने बताया कि नूरीनगर स्थित दोनों ऐश पौंड पूरी तरह भर चुके हैं, जिससे ऐश डिस्पोजल संभव नहीं है। बैठक के बाद सभी विभागों को इस संबंध में सूचना साझा की गई। जानकारी के अनुसार, मंगलवार देर रात तक प्लांट से लगभग 360 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा था। यूनिट को बंद करने से पहले इसे फुल लोड 500 मेगावाट पर चलाया गया। ऐश पौंड से छाई उठाव का कार्य विगत चार माह से ठप पड़ा है। 15 जुलाई से ही बेरमो हाइवा कोयलांचल एसोसिएशन एवं विस्थापितों के आंदोलन के कारण

उठाव कार्य बाधित है।

हालांकि, एक नवंबर को चंद्रपुरा स्थित डीवीसी निदेशक भवन में बेरमो एसडीएम मुकेश मछुआ की अध्यक्षता में हुई त्रिपक्षीय बैठक के बाद आंदोलन समाप्त हुआ था,लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। ऐश पौंड में कार्यरत 55 मजदूरों ने वेतन भुगतान की मांग को लेकर काम ठप कर रखा है। प्रबंधन ने बताया कि पौंड के भीतर अब नई छाई जमा करने की जगह नहीं बची है। दोनों पौंड पूरी तरह भरे होने के कारण अब दीवार बनाकर छाई रोकने का प्रयास किया जा रहा है।

बीएयू का 8वां दीक्षांत समारोह: 1021 विद्यार्थियों को दी गयी उपाधि, राज्यपाल ने बढ़ाया उत्साह

रांची, एजेंसी। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय का 8वां दीक्षांत समारोह बुधवार को बीएयू में संपन्न हुआ। दीक्षांत समारोह में राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष गंगवार, केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ, कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की शामिल हुईं। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि ये गौरव का पल है कि आज बीएयू के 1021 विद्यार्थियों के बीच प्रमाण पत्र और उपाधि का वितरण किया जा रहा है।

इस विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का रहा है लंबा इतिहास : उन्होंने बताया कि जब देश आजाद हुआ, उस वक्त एक सुई का कारखाना तक नहीं था। देश कभी अकाल तो कभी बाढ़ एवं अन्य दूसरी चुनौतियों का सामना कर रहा था। उस दौर से देश को हमारे नेताओं ने आगे बढ़ाया। देश में हरित क्रांति के दौर के दौरान 1980 में छोटानागपुर के इलाके में क्रकी स्थापना हुई। उन्होंने आगे कहा कि इस कृषि विश्वविद्यालय के साथ उपलब्धियों की लंबी फेहरिस्त जुड़ी हुई है।

किसानों को उन्नत कृषि की ओर जाना जरूरी : देश के जीडीपी में कृषि क्षेत्र का 18 प्रतिशत का योगदान है। करीब 70 प्रतिशत आबादी वाले समूह की

ये भागीदारी वैसे तो कम है लेकिन देश के किसानों की भूमिका को कभी नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। कृषि विश्वविद्यालय से शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों को हमेशा इस बात का ध्यान रखना होगा कि कैसे किसानों की आय में वृद्धि हो, कैसे वो उन्नत कृषि के साथ जुड़ सके। कैसे झारखंड के किसान सशक्त बने उन्होंने कहा कि आपके लिए देश और राज्य पहली प्राथमिकता में है। आपके ईमानदार पहल से किसानों के जीवन में बड़ा बदलाव संभव है।

गांव में बसती है भारत की आत्मा: राज्यपाल

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों और शोधार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह केवल उपाधि प्राप्त करने का अवसर नहीं बल्कि नई यात्रा की शुरुआत है, जिसमें मेहनत, संघर्ष, सीख, साधना और आत्म-विश्वास का समावेश होता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी ही विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा और पहचान के वाहक होते हैं। राज्यपाल ने बताया कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है और गांवों की आत्मा कृषि में है। कृषि केवल उत्पादन नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा, परिवार, पर्यावरण और जीवन-दर्शन से जुड़ी हुई है। भगवान बिरसा मुंडा की धरती झारखंड की भूमि कृषि, वनों और जैव-विविधता से समृद्ध है। उन्होंने कहा कि किसान केवल 'अन्नदाता' ही नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के आधार हैं। समाज में किसान का सम्मान ही देश की वास्तविक समृद्धि का प्रतीक है। उन्होंने आह्वान किया कि कृषि को केवल आजीविका नहीं, बल्कि सम्मान और नवाचार के क्षेत्र के रूप में देखा जाना चाहिए। राज्यपाल संतोष गंगवार ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि इस साल विश्वविद्यालय से 1021 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जा रही हैं, जिनमें छात्राओं की संख्या ज्यादा है, यह भी हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि यह बदलते भारत की नई तस्वीर है। यहां शिक्षित बेटियां समाज को नई दिशा दे रही हैं। वे अपने जीवन की नई यात्रा में आत्मविश्वास, ज्ञान और चरित्र के साथ आगे बढ़े तथा अपने कार्यों से विश्वविद्यालय, राज्य और देश का नाम रोशन करें।

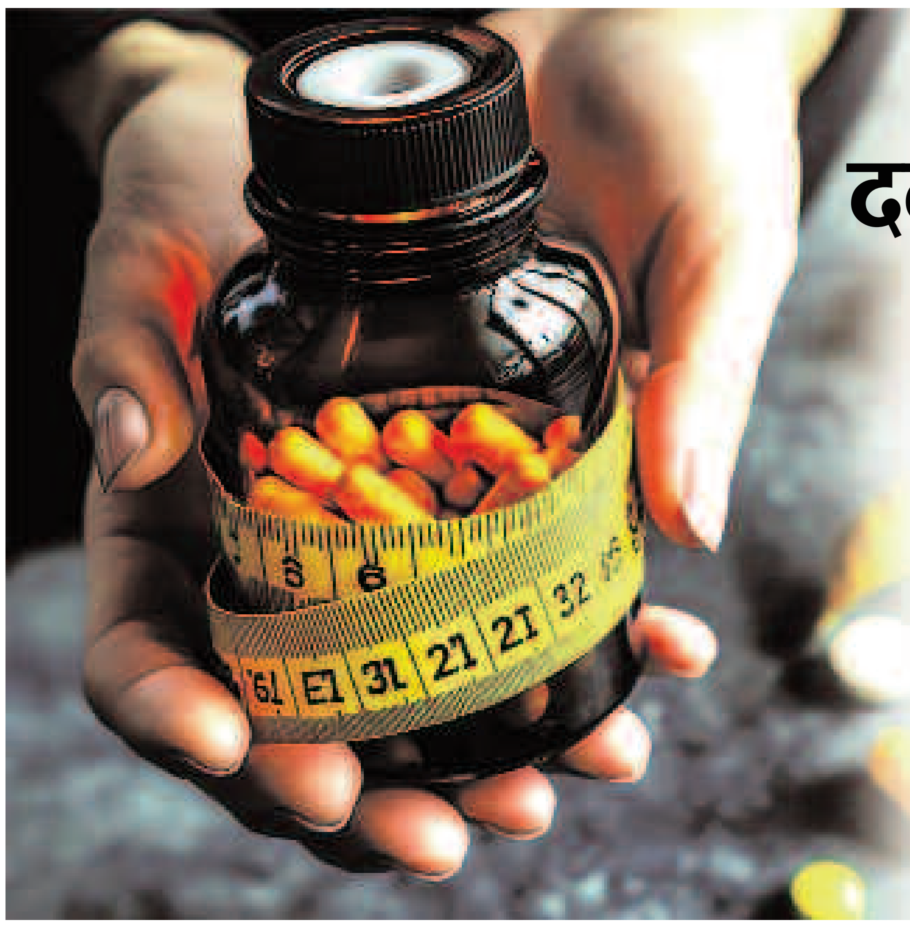

अगर आप भी वजन कम करने वाली दवाएं लेते हैं तो हो जाएं सावधान

वजन कम करने के लिए दवाओं के सेवन से बेहतर होगा कि आप अन्य फंडे अपनायें, जैसे आप कम वसा वाली खुराक ले सकते हैं, बिना रिफाइन किया हुआ आटा इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए जानें, मोटापा कम करने वाली दवाइयां लेने से क्या नुकसान हो सकते हैं।

- मोटापा कम करने वाली दवाओं के प्रयोग से आंतों में वसा नहीं जमती और वसा मल के साथ निकल जाती है, यानी आपको उतनी ऊर्जा नहीं मिलती जो कि आमतौर पर किसी चीज को खाने से मिलती है और फलस्वरूप आप दुबले होने लगते हैं।
- इन दवाओं के सेवन से लीवर को नुकसान होता है। दरअसल, गुर्दों को नुकसान पहुंचने का कारण आंतों में ऑक्सेलिक अम्ल का अधिक जमाव होना है, जिससे गुर्दे खराब हो सकते हैं।
- शोधों में भी साबित हो चुका है कि मोटापा कम करने वाली दवाएं पैंक्रियाज (अग्न्याशय) को भी नुकसान पहुंचाती है।
- इन दवाओं से सिर्फ गुर्दों को नुकसान ही नहीं पहुंचता बल्कि गुर्दों में पथरी की शिकायत होने की आशंका भी बढ़ जाती है।
- यह दवाएं आपका मोटापा तो शायद कम न कर पाए, लेकिन आपको उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों के साथ ही याददाश्त में कमी यानी आपकी स्मरण शक्ति को कमजोर करने जैसी गंभीर बीमारियों को अवश्य बढ़ा देती है।
- आमतौर पर लोग मोटापा कम करने वाली दवाओं के विज्ञापन देखकर प्रभावित होते हैं, लेकिन दवा कंपनियों द्वारा दिए जा रहे प्रलोभन भविष्य में आपके स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकते हैं।
- यदि आप वजन घटाने के लिए किसी दवा का सेवन करना भी चाहते हैं तो किसी विशेषज्ञ या डॉक्टर के परामर्श बिना मोटापा घटाने वाली दवाओं का सेवन न करें।
- वजन कम करने वाली दवाओं से निद्रा, अवसाद, तनाव रहना, शारीरिक कमजोरी जैसी बीमारियों से ग्रस्त होने का खतरा बढ़ सकता है।
- डॉक्टर्स की मानें तो मोटापा कम करने का सरल व सस्ता उपाय है नियमित सैर करना। यानी आप नियमित रूप से सैर करके अपने वजन को आसानी से कम कर सकते हैं। या फिर आप बैलेंस डाइट लेकर भी वजन को नियंत्रित कर सकते हैं।
- इतना ही नहीं युवा वजन घटाने के लिए वेट लूज इंजेक्शंस और कैप्सूल्स तक का इस्तेमाल करते हैं। वेट लूज करने वाली ड्रग्स में क्रोमियम का इस्तेमाल किया जाता है, जो मधुमेह रोगियों को दिया जाता है।
- आमतौर पर 20 मिनट तक वर्कआउट करने के बाद शरीर की वसा जलनी शुरू होती है, क्योंकि इससे पहले कार्बोहाइड्रेट बर्न होता है।

लोग फिट रहने और वजन कम करने के लिए दवाएं तक लेने से नहीं चूकते और वे यह भूल जाते हैं कि ये दवाएं घातक साइड इफेक्ट दे सकती हैं। यानी मोटापा कम करने वाली दवाओं के सेवन से अतिरिक्त प्रभाव भी होते हैं, जिनसे डायबिटीज, उच्च रक्तचाप जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

सेहत के मामले में बहुत गुणकारी है सेंधा नमक

भारतीय घरों में सेंधा नमक का इस्तेमाल खूब किया जाता है। आमतौर पर व्रत के खाने में इसे इस्तेमाल किया जाता है। सेहत के मामले में भी यह नमक बहुत गुणकारी है। सेंधा नमक का प्रयोग आयुर्वेद में सालों से उपचार के लिए किया जाता रहा है। एक हालिया अध्ययन की मानें तो यह नमक पाचन संबंधी दिक्कतों को दूर करने में मददगार है। अगर आपको पाचन की समस्या है या सर्दी लगी है तो सेंधा नमक की मदद से आप आराम पा सकते हैं।

सामान्य नमक में दो तत्व खासतौर पर पाए जाते हैं- सोडियम और क्लोराइड. जबकि सेंधा नमक आयरन, जिंक, निकेल, कोबाल्ट, मैग्नीज, कॉपर रिच होता है जो हमारी सेहत के लिए जरूरी तत्व हैं। इसके अलावा अनिद्रा की शिकायत को दूर करने में भी यह नमक मददगार है। सेंधा नमक में पाए जाने वाले मिनरल्स व्यक्ति को कई रोगों से दूर रखने में मदद करते हैं। यह नमक पाचक रसों का निर्माण करता है, इसलिए यह पाचन को दुरुस्त रखने का काम भी करता है। सेंधा नमक का उपयोग करने से ब्लड प्रेशर के उपचार, कब्ज, अपच, गैस व सीने में जलन जैसी कई बीमारियों के लक्षणों को भी कम करने में मदद कर सकता है। आइए जानते हैं ऐसे ही सेंधा नमक के कुछ गजब के फायदे।

ब्लडप्रेशर करे कंट्रोल

सेंधा नमक हाई ब्लडप्रेशर को कंट्रोल करके कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है जिससे हार्ट अटैक का खतरा भी कम रहता है।

स्ट्रेस करता है कम

सेंधा नमक स्ट्रेस कम करने में भी मदद करता है। इतना ही नहीं यह सेरोटोनिन और मेलाटोनिन हार्मोन्स का बैलेंस बनाएं रखता है जो तनाव से लड़ने में मदद करते हैं।

बॉडी पेन करता है कम

सेंधा नमक मांसपेशियों के दर्द और ऐंठन के साथ ही ज्वाइंट्स पेन को भी कम करने का काम करता है।

साइनस में दे राहत

साइनस के दर्द से छुटकारा पाने के लिए सेंधा का सेवन फायदेमंद रहता है। अगर आपको स्टोन की प्राब्लम है तो सेंधा नमक और नींबू को पानी में मिलाकर पीने से कुछ ही दिनों में पथरी गलने लगती है।

अस्थमा को करे दूर

अस्थमा, डायबिटीज और आर्थराइटिस के मरीजों के लिए सेंधा नमक का सेवन काफी फायदेमंद होता है। नींद न आने की समस्या में भी सेंधा नमक काफी फायदेमंद होता है।

गले की खराश के लिए सेंधा नमक

सेंधा नमक में डिकंजेस्टेंट गुण हो सकते हैं, जो गले में फंसे बैक्टीरिया युक्त बलगम को पतला कर उसे शरीर से बाहर निकालने में मदद कर सकते हैं। साथ ही यह खांसी की समस्या से भी राहत दिला सकता है। गले में खराश की समस्या दूर करने के लिए सेंधा नमक युक्त गुनगुने पानी से गरारे किए जा सकते हैं।

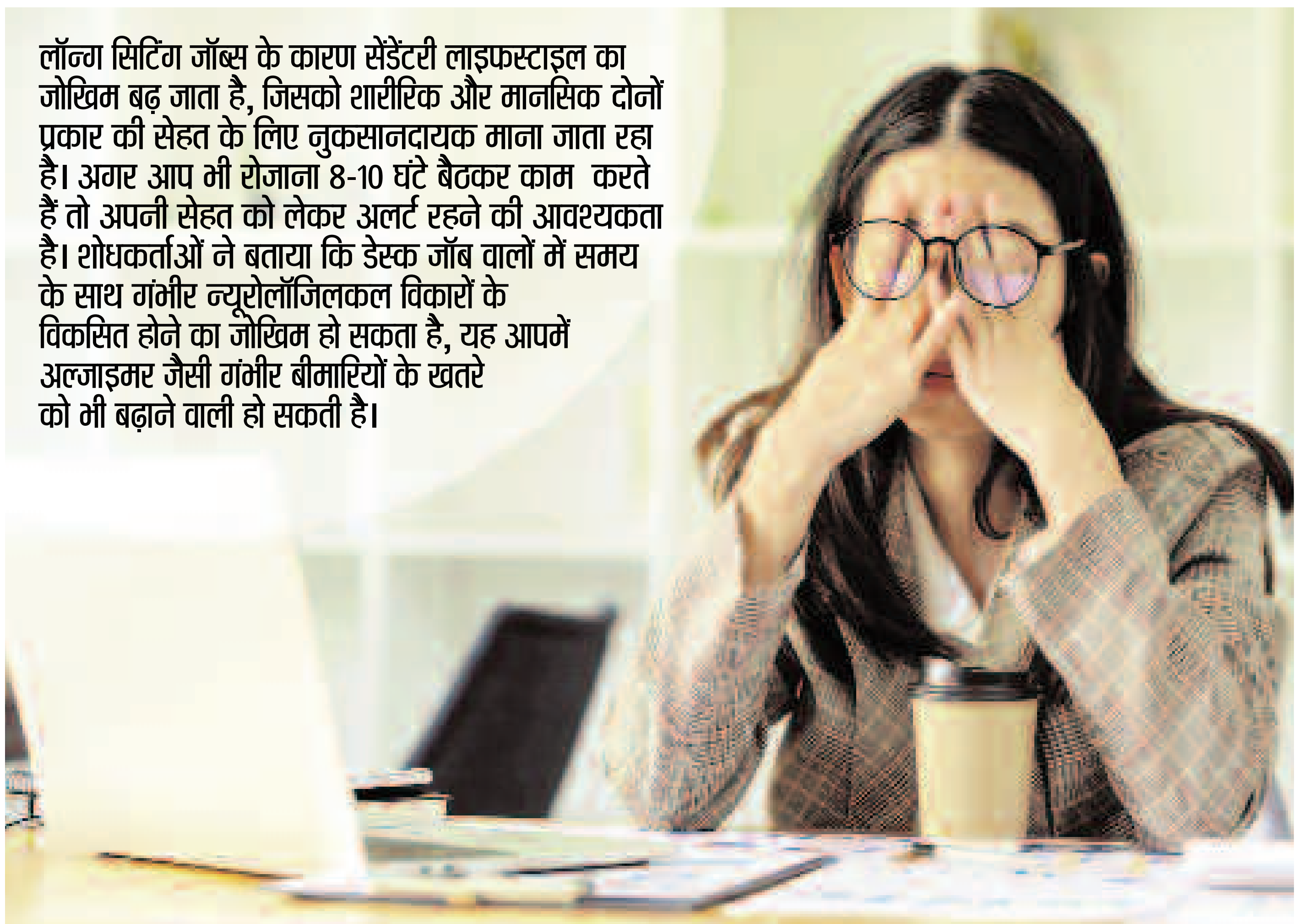

लॉन्ग सिटिंग जॉब्स के कारण सेंडेंटरी लाइफस्टाइल का जोखिम बढ़ जाता है, जिसको शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सेहत के लिए नुकसानदायक माना जाता रहा है। अगर आप भी रोजाना 8-10 घंटे बैठकर काम करते हैं तो अपनी सेहत को लेकर अलर्ट रहने की आवश्यकता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि डेस्क जॉब वालों में समय के साथ गंभीर न्यूरोलॉजिलकल विकारों के विकसित होने का जोखिम हो सकता है, यह आपमें अल्जाइमर जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे को भी बढ़ाने वाली हो सकती है।

अल्जाइमर-डिमेंशिया रोग का खतरा बढ़ा रही है 8-10 घंटे की डेस्क जॉब

डेस्क जॉब या लंबे समय तक एक स्थान पर बैठकर काम करते रहने की आदत को पहले के अध्ययनों में कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं वाला बताया गया है। लॉन्ग सिटिंग जॉब्स के कारण सेंडेंटरी लाइफस्टाइल का जोखिम बढ़ जाता है, जिसको शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सेहत के लिए नुकसानदायक माना जाता रहा है। अगर आप भी रोजाना 8-10 घंटे बैठकर काम करते हैं तो अपनी सेहत को लेकर अलर्ट रहने की आवश्यकता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि डेस्क जॉब वालों में समय के साथ गंभीर न्यूरोलॉजिलकल विकारों के विकसित होने का जोखिम हो सकता है, यह आपमें अल्जाइमर जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे को भी बढ़ाने वाली हो सकती है। अल्जाइमर रोग, डिमेंशिया के प्रमुख कारणों में से एक है, आमतौर पर इसका जोखिम 60 की उम्र के बाद वाले लोगों में देखा जाता रहा है। हालांकि इस शोध में बताया गया है कि जॉब करने वाले लोगों में भी इस रोग का जोखिम बढ़ता जा रहा है, जिसको लेकर सभी लोगों को अलर्ट रहने की आवश्यकता है।

सेंडेंटरी लाइफस्टाइल और डिमेंशिया का खतरा

कुछ दशकों पहले तक वयस्कों में डिमेंशिया या अल्जाइमर रोग के खतरे को न के बराबर माना जा रहा था, हालांकि समय के साथ इस आयु वर्ग में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य जोखिमों को बढ़ते हुए देखा गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, वर्तमान में 55 मिलियन लोग अल्जाइमर-डिमेंशिया से पीड़ित हैं। लाइफस्टाइल की समस्याओं के चलते इस तरह की समस्याओं को जोखिम और भी बढ़ गया है। इससे संबंधित प्रकाशित अध्ययन में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया अगर आप रोजाना 10 घंटे से अधिक की सिटिंग जॉब करते हैं तो ये स्थिति आपमें डिमेंशिया के विकसित होने का कारण हो सकता है।

गतिहीन व्यवहार संपूर्ण सेहत के लिए हानिकारक लेखकों ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि आधे से ज्यादा अमेरिकी लोगों के दिन का करीब साढ़े नौ घंटे से अधिक का समय बैठे हुए बीतता है और ये आदत संज्ञानात्मक और संरचनात्मक मस्तिष्क की उम्र बढ़ने से जुड़ी हुई है। गतिहीन व्यवहार में सिर्फ ऑफिस में लंबे समय तक बैठना ही नहीं, लंबे समय तक बैठकर टेलीविजन देखना, कंप्यूटर पर काम करना और गाड़ी चलाना भी इसमें शामिल है।

अध्ययन में क्या पता चला?

गतिहीन व्यवहार किस प्रकार से मस्तिष्क के लिए समस्याकारक है, इसको जानने के लिए शोधकर्ताओं ने यूके बायोबैंक से डेटा एकत्र किया। प्रतिभागियों को एक सप्ताह के लिए अपनी कलाई पर एक्सेलेरोमीटर पहनने के लिए कहा गया। फिर एकत्र किए गए डेटा पर एक मशीन लर्निंग-आधारित विश्लेषण किया गया ताकि यह आकलन किया जा सके कि वे कितने गतिहीन थे।

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

डिमेंशिया के जोखिमों के बारे में अध्ययनकर्ता डॉ. कोहेन कहती हैं, सेंडेंटरी लाइफस्टाइल को पहले से ही कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं के लिए जिम्मेदार माना जाता था, जिसमें मोटापा, उच्च रक्तचाप और मधुमेह जैसी समस्याएं थीं, इसके कारण अब डिमेंशिया का जोखिम भी बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। शारीरिक निष्क्रियता, वैस्कुलर हेल्थ के लिए भी हानिकारक है, ये मस्तिष्क में रक्त के प्रवाह को कम करके सेरेब्रोवास्कुलर रोग होने की आशंका को बढ़ा सकती है।

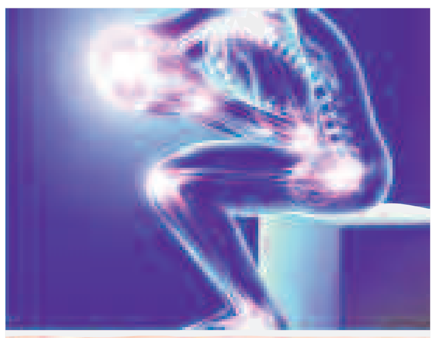

बॉडी हेल्थ के लिए जरूरी होती हैं वाइट ब्लड सेल्स

सफेद रक्त कोशिकाएं यानी वाइट ब्लड सेल्स खून में पाई जाने वाली ब्लड सेल्स हैं, जो बॉडी हेल्थ के लिए जरूरी होती हैं। इनका काम शरीर में ब्लड प्रेशर मेंटेन रखना, खून को साफ रखना और इन्फेक्शन से लड़ना है। इतना ही नहीं, यह इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाती हैं, खून में मौजूद गंदगी को हटाती हैं, संक्रमण को मारकर उन्हें बाहर निकालती हैं। शरीर में सफेद रक्त कोशिकाओं की कमी से आपको संक्रमण बढ़ने, बुखार, त्वचा की समस्याएं, बैक्टीरियल ब्लड इन्फेक्शन, दर्द और सूजन, खून की रुकावट, अस्थमा, कमजोरी, थकान आदि जैसे लक्षण और समस्याएं हो सकती हैं। यदि आपको इन लक्षणों में से कुछ दिखाई देते हैं या यदि आपको लगता है कि आपकी सफेद रक्त कोशिकाओं की संख्या कम हो सकती है, तो आपको अपने चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। खाने-पीने की कुछ चीजों के सेवन से आपको शरीर में वाइट ब्लड सेल्स बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

संतरा - संतरा विटामिन सी का अच्छा स्रोत होता है, जो सफेद रक्त कोशिकाओं की संख्या बढ़ा सकता है और इम्यून सिस्टम को मजबूत कर सकता है। संतरा एंटीऑक्सीडेंट का भी खजाना है और इसके सेवन से WBC बढ़ती हैं।

आम - आम में भरपूर मात्रा में विटामिन ष्ट होता है, जो सफेद रक्त कोशिकाओं की वृद्धि को बढ़ा सकता है। 1 कप (165 ग्राम) आम आपकी दैनिक विटामिन सी की जरूरत पूरी करता है। इससे सफेद रक्त कोशिकाएं बढ़ती हैं।

अमरूद - अमरूद भी विटामिन सी का बढ़िया स्रोत होता है और सफेद रक्त कोशिकाओं की मात्रा को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। इसके अलावा अमरूद ब्लड शुगर लेवल को भी कंट्रोल करता है।

अदरक - अदरक में अच्छी मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो सफेद रक्त कोशिकाओं की सुरक्षा कर सकते हैं और उन्हें बढ़ाने का काम करते हैं। अदरक के सेवन से ऑटोइम्यून बीमारियों वाले लोगों में सूजन को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है।

ब्रोकली - ब्रोकली में विटामिन सी, बी6, और ए विटामिन की अच्छी मात्रा होती है, जो सफेद रक्त कोशिकाओं को बढ़ावा देने में मदद कर सकती है। ब्रोकोली के सेवन से इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाने में मदद मिलती है। इनके अलावा पालक, लहसुन, किशमिश, दही और खजूर जैसी चीजों के सेवन से भी वाइट ब्लड सेल्स को बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

दिमाग को रखना हैं शांत तो खाएं सूरजमुखी के बीज

सूरजमुखी के फूल के बारे में तो आप सबने सुना होगा लेकिन इसके बीज भी सेहत के लिए बड़े ही फायदेमंद होते हैं। सूरजमुखी को एक औषधीय पौधा भी माना जाता हैं। इसके बीजों का इस्तेमाल ड्राईफ्रूड के तौर पर भी किया जाता है। वहीं इसके तेल का इस्तेमाल भी बहुत ज्यादा किया जाता है। इसमें लिनोलिक एसिड, ओलिक एसिड, पामिटिक एसिड, विटामिन ई, डी और ए भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

दिमाग बनाए शांत

इसके बीजों में ट्रीप्टोफैन उच्च मात्रा में होने के कारण यह आपके दिमाग को शांत रखने में काफी मदद करता हैं। यह आपको माइग्रेन और स्ट्रेस से छुटकारा दिलाता हैं।

हृदय रोगों से बचाएं

सूरजमुखी के बीज में विटामिन ई भरपूर मात्रा में होने के कारण यह मनुष्य शरीर में कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करके हार्ट अटैक आने से रोकते हैं। इसके बीजों में उच्च मात्रा में बीजाइन पाया जाता है, जो हाई ब्लड प्रेशर पर कंट्रोल पाता हैं।

पाचन क्रिया में मदद

इन बीजों में बड़ी मात्रा में फाइबर पाया जाता हैं। जो पेट की समस्याएं कब्ज, कैंसर और बवासीर जैसी बिमारियों से राहत देते हैं। इसके तेल की कुछ बूंदे दूध में डालकर पीने से कब्ज जैसी बीमारी से राहत मिल सकती हैं।

हड्डियों को रखे मजबूत

सूरजमुखी के बीजों में मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में होने के कारण यह हमारी हड्डियों को मजबूत और लचीलापन लाते हैं। इसमें मौजूद मैग्नीशियम हड्डियों की सरंचना करने में मदद करता हैं।

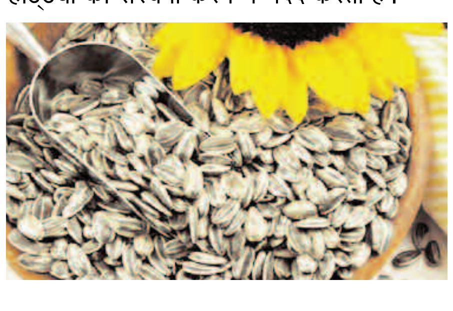

भारत में ऑनलाइन किराना की तेजी

डिलीवरी और डिजिटल सुविधा ने बदला खरीदारी का तरीका

नई दिल्ली, एजेंसी।
पीडब्ल्यूसी की एक रिपोर्ट के अनुसार ऑनलाइन किराना भारत के समग्र किराना खुदरा बाजार का एक छोटा सा हिस्सा है, लेकिन सुविधा, सहज डिजिटल भुगतान एकीकरण, प्रभावी सोशल मीडिया मार्केटिंग और त्वरित डिलीवरी विकल्प जैसे कई कारकों के कारण यह तेजी से विस्तार कर रहा है। आजकल उपभोक्ता अपनी जरूरत, कुल खरीद राशि और रिटर्न पॉलिसी के आधार पर ऑफलाइन और ऑनलाइन खरीदारी के बीच चयन करते हैं।

भारत में ऑनलाइन किराना बाजार में मजबूत वृद्धि देखी जा रही है। पीडब्ल्यूसी की एक रिपोर्ट के अनुसार ऑनलाइन किराना बाजार अपनी क्विक डिलीवरी सेवाओं, उत्पादों की बड़ी वेराइटी और सुविधाजनक डिजिटल अनुभवों के कारण लोगों के बीच प्रचलन में है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि ऑनलाइन किराना भारत के समग्र किराना खुदरा बाजार का एक छोटा सा हिस्सा है, लेकिन सुविधा, सहज डिजिटल भुगतान एकीकरण, प्रभावी सोशल मीडिया मार्केटिंग और त्वरित डिलीवरी विकल्प जैसे कई कारकों के कारण यह तेजी से विस्तार कर रहा है। फ्लिपकार्ट है उपभोक्ताओं के बीच प्रसिद्ध उपभोक्ताओं ने फ्लिपकार्ट को इसके सुविधाजनक थोक खरीद विकल्पों, प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण, विविध उत्पाद चयन, विश्वसनीय डिलीवरी और न्यूनतम ऑर्डर आवश्यकताओं की अनुपस्थिति के कारण पसंद किया। अमेजन को किराने की खरीदारी के लिए दूसरा सबसे पसंदीदा बाजार माना गया, जबकि उपभोक्ताओं ने बिगबास्केट, जियोमार्ट और स्विगी इंस्टामार्ट की त्वरित डिलीवरी सेवाओं और मजबूत ग्राहक सहायता के लिए सराहना की।

दो अलग-अलग खरीदारी पैटर्न की पहचान

रिपोर्ट में भारत भर में उभर रहे दो अलग-अलग खरीदारी पैटर्न की भी पहचान की गई है, मासिक थोक खरीदारी और कम कीमत की आपातकालीन खरीदारी। प्रमुख खिलाड़ियों में, फ्लिपकार्ट शहरी निवासियों और शेष भारत के उपभोक्ताओं, दोनों के बीच किराने की खरीदारी के लिए सबसे पसंदीदा बाजार बनकर उभरा है, जहां 32 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने इसे अपनी पहली पसंद के रूप में चुना है।

मांसाहारी किराना को लेकर उपभोक्ताओं की अलग पसंद

ऑनलाइन किराना प्लेटफॉर्मों के बढ़ते चलन के बावजूद, शहरी और शेष भारत के उपभोक्ता ताजा उपज और मांसाहारी किराना सामान ऑफलाइन खरीदना पसंद करते हैं। यह सतत प्राथमिकता उत्पाद की गुणवत्ता, ताजगी, सीमित वापसी नीतियों और स्थानीय व्यवसायों को समर्थन देने की इच्छा से संबंधित चिंताओं से उत्पन्न होती है।

उपभोक्ता कैसे करते हैं ऑफलाइन और ऑनलाइन खरीदारी के बीच का अंतर?

आजकल उपभोक्ता अपनी जरूरत, कुल खरीद राशि और रिटर्न पॉलिसी के आधार पर ऑफलाइन और ऑनलाइन खरीदारी के बीच चयन करते हैं। रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि त्वरित डिलीवरी की पेशकश और न्यूनतम ऑर्डर की जरूरत को हटाने से इस खंड में ऑनलाइन खरीदारी को और बढ़ावा मिल रहा है। देश के 66 प्रतिशत खरीदारों पर सोशल मीडिया का पड़ा प्रभाव अध्ययन से एक प्रमुख निष्कर्ष यह सामने आया कि शेष भारत के 66 प्रतिशत खरीदारों ने सोशल मीडिया पर सामग्री देखने के बाद किराने की खरीदारी के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म या ब्रांडों की कोशिश की। इससे उपभोक्ता की पसंद और खरीदारी व्यवहार को आकार देने में डिजिटल मार्केटिंग और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के बढ़ते प्रभाव पर प्रकाश डाला गया। अन्य दैनिक आवश्यक वस्तुएं किराने की ऐप्स पर सबसे अधिक बिकने वाली श्रेणियों में से एक बन गई हैं। इन वस्तुओं में खराब गुणवत्ता का जोखिम न्यूनतम होता है और त्वरित डिलीवरी व थोक ऑर्डरिंग विकल्पों की सुविधा के कारण ये ऑनलाइन खरीदारों के लिए लोकप्रिय विकल्प बन जाते हैं।

खपत के दम पर दूसरी तिमाही में 7.2% की रफ्तार से बढ़ेगी जीडीपी

आठ फीसदी की मजबूत दर से बढ़ी निजी खपत

नई दिल्ली, एजेंसी।
देश की अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में भी 7.2त्न की मजबूत वृद्धि दर्ज कर सकती है। निजी खपत में 8त्न तक बढ़ोतरी इसकी मुख्य वजह होगी। आयकर राहत और स्थिर आय से उपभोग में मजबूती आई है। अप्रैल-जून में जीडीपी 7.8त्न बढ़ी थी। रेटिंग एजेंसी इंडिया रेटिंग्स के अनुसार, जीएसटी और आयकर सुधार से आर्थिक गतिविधियां सक्रिय रही।

देश की अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून अवधि के बाद दूसरी तिमाही में भी 7.2 फीसदी की मजबूत रफ्तार से बढ़ने की उम्मीद है। निजी खपत में मजबूत वृद्धि इसकी प्रमुख चालक होगी। अप्रैल-जून में वास्तविक जीडीपी की वृद्धि दर पांच तिमाहियों में सबसे तेज 7.8 फीसदी रही थी, जबकि 2024-25 की दूसरी तिमाही में यह 5.6 फीसदी की रफ्तार से बढ़ी थी।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) 28 नवंबर को चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के जीडीपी वृद्धि के आंकड़े जारी करेगा। रेटिंग एजेंसी इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने बुधवार को एक रिपोर्ट में कहा, वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में निजी खपत सालाना आधार पर आठ फीसदी बढ़ेगी। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में यह सात फीसदी और दूसरी तिमाही में 6.4 फीसदी बढ़ी थी।

रेटिंग एजेंसी के अर्थशास्त्री एवं कार्यकारी निदेशक पारस जसराय ने कहा, उच्च एवं निम्न आय वाले परिवारों की स्थिर वास्तविक आय बढ़ने के कारण निजी खपत में उछाल वृद्धि का एक प्रमुख चालक है। आयकर कटौती से भी उपभोग मांग को बल मिला। अगर जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने के कारण खरीदारी के फैसले स्थगित नहीं किए गए होते, तो निजी उपभोग और भी तेजी से बढ़ता।

विनिर्माण-सेवा क्षेत्र से भी वृद्धि दर को सहारा

जसराय ने कहा, विनिर्माण क्षेत्र में माल निर्यात वृद्धि के साथ मजबूत सेवा क्षेत्र ने दूसरी तिमाही में आपूर्ति पक्ष से जीडीपी वृद्धि को बढ़ावा दिया। इस दौरान निवेश मांग 7.5 फीसदी की मजबूत दर से बढ़ी है, जिसमें स्थिर सरकारी पूंजीगत खर्च महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

टैरिफ दबाव के बीच त्योहारों की मजबूत मांग ने अर्थव्यवस्था को दी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी टैरिफ दबाव के बावजूद त्योहारी सीजन के आंकड़ों ने भारत की आर्थिक तस्वीर को बेहतर किया है। एसबीआई म्यूचुअल फंड की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि त्योहारों में कारों, बड़े घरेलू उपकरणों जैसे महंगे सामानों की बिक्री में तेज बढ़ोतरी देखी गई है। इन श्रेणियों में फाइनेंसिंग गतिविधि भी मजबूत बनी हुई है, जो बताती है कि वैश्विक दबावों के बावजूद उपभोक्ताओं का भरोसा कायम है। हालांकि वैश्विक चुनौतियों और टैरिफ के असर के कारण आने वाले महीनों में आर्थिक वृद्धि के अनुमान कमजोर रह सकते हैं। एसबीआई ने कहा कि हाल ही में जीएसटी में की गई कटौती का असर धीरे-धीरे अर्थव्यवस्था पर दिखने लगा है। अक्तूबर महीने में कुल जीएसटी संग्रह उम्मीदों के अनुरूप रहा, जो दर्शाता है कि खपत की रफ्तार स्थिर है। महंगाई के मोर्चे पर भी स्थिति अनुकूल है। रिपोर्ट के मुताबिक, आगे के अनुमान लक्ष्य स्तर के करीब टिके हुए हैं, जबकि मौजूदा आंकड़े भी नीचे की ओर हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि मौजूदा विकास और महंगाई के अनुमान यह संकेत देते हैं कि मौद्रिक समर्थन के लिए कुछ गुंजाइश अभी भी बची है। दिसंबर की मौद्रिक नीति समीक्षा को संभावित रूप से इस चक्र की अंतिम दर कटौती के लिए सक्रिय माना जा सकता है।

मुथूट फिनकॉर्प लिमिटेड का मुनाफा 28.3 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। मुथूट पप्पाचन ग्रुप की प्रमुख एनबीएफसी मुथूट फिनकॉर्प लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में मजबूत नतीजे दर्ज किए हैं। कंपनी के अनुसार, इसकी कंसोलिडेटेड एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) बढ़कर ?55,707.53 करोड़ पर पहुंच गई, जबकि कर-पश्चात लाभ (पीएटी) ?630.36 करोड़ रहा। दूसरी तिमाही में कंपनी का प्रदर्शन बेहतर रहा। इस दौरान पीएटी 59.56त्न बढ़कर ?429.81 करोड़ हो गया। वहीं राजस्व 28.38त्न बढ़कर ?2,712.13 करोड़ पर पहुंचा। कंपनी ने कहा कि यह वृद्धि अनुशासित संचालन और ग्राहकों के प्रति बढ़ते भरोसे का परिणाम है। सेनको गोल्ड लिमिटेड ने सितंबर तिमाही के लिए समेकित शुद्ध लाभ में चार गुना वृद्धि के साथ 48.8 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की। यह सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव के बावजूद बेहतर मार्जिन और हीरे के आभूषणों की अधिक मांग के कारण हुई। पिछले वर्ष की इसी अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ 12.1 करोड़ रुपये था। तिमाही के लिए समेकित राजस्व वर्ष-दर-वर्ष 2 प्रतिशत बढ़कर 1,536.1 करोड़ रुपये हो गया, जबकि समायोजित ईबीआईटीडीए 30 प्रतिशत बढ़कर 106.5 करोड़ रुपये हो गया।

अक्तूबर में बिजली मांग में 5.2 प्रतिशत की गिरावट

ठंडे मौसम और बारिश ने घटाया लोड

नई दिल्ली, एजेंसी।
बेमौसम बारिश के कारण अक्तबूर में भारत की बिजली मांग में 5.2 प्रतिशत की गिरावट आई है। नुवामा रिसर्च की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बिजली की मांग बेमौसम बारिश और कम तापमान के कारण कम हुई, जिससे कूलिंग लोड की जरूरत कम हो गई। बेमौसम बारिश के कारण अक्तबूर में भारत की बिजली मांग में 5.2 प्रतिशत की गिरावट आई है। नुवामा रिसर्च की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बिजली की मांग बेमौसम बारिश और कम तापमान के कारण कम हुई, जिससे कूलिंग लोड की जरूरत कम हो गई। अक्तूबर में औसत तापमान पिछले साल के 27.1 डिग्री सेल्सियस की तुलना में गिरकर 25.6 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। इससे देश भर में बिजली की मांग में कमी आई। अधिकतम बिजली की आवश्यकता भी घटकर 210 गीगावाट रह गई, जो अक्तूबर 2024 में 219 गीगावाट थी।

सौर और गैर-सौर ऊर्जा के बीच बड़ा अंतर देखा गयात्न रिपोर्ट में बताया गया है कि बिजली बाजार में सौर और गैर-सौर ऊर्जा घंटों के बीच काफी अंतर देखा गया। सौर ऊर्जा घंटों की आपूर्ति मांग से 422 प्रतिशत अधिक रही, जिससे कीमतें 2.2 रुपये प्रति किलोवाट घंटा पर बनी रहीं। गैर-सौर ऊर्जा घंटों की आपूर्ति भी ऊंची बनी रही, जिससे कीमतें पिछले साल के 4.7 रुपये प्रति किलोवाट घंटा की तुलना में घटकर 3.2 रुपये प्रति किलोवाट घंटा रह गईं। इंडिया एनर्जी एक्सचेंज (आईईएक्स) की कुल बिजली की मात्रा में 16 प्रतिशत (वर्ष दर वर्ष) की वृद्धि हुई। यह वास्तविक समय बाजार (आरटीएम) लेनदेन में 47 प्रतिशत की वृद्धि से प्रेरित थी।

पीएलएफ गिरकर 57.5 प्रतिशत पर आ गया

तापमान पॉवर जेनरेशन विशेष रूप से प्रभावित हुआ, अखिल भारतीय प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) गिरकर 57.5 प्रतिशत पर आ गया। यह चार वर्षों का निम्नतम स्तर है। एनटीपीसी का पीएलएफ एक वर्ष पूर्व के 78.1 प्रतिशत से तेजी से गिरकर 68 प्रतिशत पर आ गया। लेकिन, कमजोर मांग के बावजूद, देश के कुल उत्पादन में ताप विद्युत का योगदान लगभग 70 प्रतिशत बना रहा।

गुजरात के खावड़ा में बनेगी देश की सबसे बड़ी बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजना

नई दिल्ली, एजेंसी। अदाणी ग्रुप ने गुजरात के खावड़ा में 1,126 मेगावॉट क्षमता वाला देश का सबसे बड़ा बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रोजेक्ट स्थापित करने की घोषणा की है। यह परियोजना 2026 तक शुरू होगी और नवीकरणीय ऊर्जा को अधिक स्थिर और विश्वसनीय बनाने में मदद करेगी। अदाणी ग्रुप ने मंगलवार को बैटरी बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षेत्र में कदम रखने की घोषणा की है। समूह गुजरात के खावड़ा में 1,126 मेगावॉट / 3,530 मेगावॉट-घंटा (क्षमता वाला बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) स्थापित करेगा। यह परियोजना न केवल भारत की सबसे बड़ी, बल्कि दुनिया के सबसे बड़े एकल-स्थान ऊर्जा भंडारण प्रोजेक्ट्स में से एक होगी। कंपनी के अनुसार, इस अत्याधुनिक सुविधा में 700 से अधिक बैटरी कंटेनर लगाए जाएंगे और इसे मार्च 2026 तक चालू करने का लक्ष्य रखा गया है। यह यूनिट खावड़ा में बन रहे दुनिया के सबसे बड़े अक्षय ऊर्जा कॉम्प्लेक्स का हिस्सा होगी। बैटरी स्टोरेज सिस्टम का उद्देश्य सौर और पवन जैसी नवीकरणीय ऊर्जा को अधिक विश्वसनीय बनाना है। यह तकनीक बिजली को तब उपयोग के लिए सहेजती है, जब उत्पादन कम या न के बराबर हो, जैसे रात के समय या कम हवा वाले दिनों में। इससे ग्रिड स्थिरता बढ़ती है, बिजली बिल घटते हैं और जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम होती है। अदाणी समूह ने बताया कि यह प्रोजेक्ट उन्नत लिथियम-आयन बैटरी तकनीक और एनर्जी मैनेजमेंट सिस्टम के साथ तैयार किया जा रहा है।

निर्यातकों ने 45000 करोड़ रूपये की सरकारी योजनाओं को सराहा

बोले- वैश्विक प्रतिस्पर्धा को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली, एजेंसी।
निर्यात क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार की ओर से घोषित योजनाओं को निर्यातकों ने सकारात्मक बताया है। निर्यातकों का कहना है कि सरकार की ओर से मंजूर की गई 45,000 करोड़ रुपये की दो योजनाओं से उद्योग को किफायती वित्त, अनुपालन जटिलताओं और ब्रांडिंग की कमी जैसी दीर्घकालिक चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी। निर्यातकों का मानना है कि निर्यात संवर्धन मिशन (25,060 करोड़ रुपये) और ऋण गारंटी योजना (20,000 करोड़ रुपये) भारत के निर्यात पारिस्थितिकी तंत्र और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को मजबूत करेगी। उपाध्यक्ष ए शक्तिवेल भी सरकार की योजनाओं को सही मानते हैं हैं। उन्होंने कहा कि इन उपायों से उद्योग के सामने मौजूद हालिया चुनौतियों का समाधान करने में मदद मिलेगी। शक्तिवेल ने कहा, इस पहल से वित्त तक पहुंच बढ़ेगी, बाजार की तैयारी में सुधार होगा, भारत के निर्यात पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती मिलेगी और बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा होगा। इससे भारत के निर्यात क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।÷

- सीआईआई की राष्ट्रीय निर्यात समिति के अध्यक्ष और पैटन इंटरनेशनल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक संजय बुधिया ने कहा कि इन उपायों का मकसद एमएसएमई, पहली बार निर्यात करने वाले और श्रम-प्रधान क्षेत्रों को सशक्त बनाना है। इससे वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं के बीच लचीलापन सुनिश्चित हो सकेगा। बुधिया ने कहा, वित्तीय और गैर-वित्तीय हस्तक्षेपों को एक छतरी के नीचे लाकर, यह किफायती वित्त, अनुपालन जटिलताओं और ब्रांडिंग की कमी जैसी दीर्घकालिक चुनौतियों का समाधान करता है, और एमएसएमई के लिए नए अवसरों को खोलता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा व्यापार प्रणालियों के साथ डिजिटल एकीकरण से निर्यातक अनुभव में बदलाव आएगा, कागजी कार्रवाई कम होगी, तेजी से वितरण संभव होगा।

एनएसओ के आंकड़े: जीएसटी कटौती का असर

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी दरों में कटौती से खाने-पीने के सामान समेत रोजमर्रा की अन्य वस्तुएं सस्ती होने से खुदरा महंगाई अक्तूबर, 2025 में घटकर रिकॉर्ड निचले स्तर 0.25 फीसदी पर आ गई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई का यह आंकड़ा वर्तमान श्रृंखला (आधार वर्ष 2012) में सबसे कम है। इसमें जनवरी, 2014 से आंकड़े शामिल हैं। खुदरा महंगाई की दर सितंबर, 2025 में 1.44 फीसदी और अक्तूबर, 2024 में 6.21 फीसदी रही थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने बुधवार को आंकड़े जारी कर बताया, सब्जी, फल, अंडा जैसे खाद्य उत्पादों के साथ आम लोगों के उपयोग वाली करीब 380 वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कटौती से महंगाई दर में नरमी आई है। खुदरा महंगाई के आंकड़ों पर अनुकूल तुलनात्मक आधार प्रभाव का असर भी देखने को मिला। आंकड़ों के मुताबिक, सब्जियों, फल, अनाज समेत अन्य वस्तुओं की कीमतों में गिरावट से खाद्य महंगाई अक्तूबर में घटकर शून्य से नीचे 5.02 फीसदी पर आ गई। सितंबर में खाने-पीने की वस्तुओं की महंगाई दर (-)2.33 फीसदी और अक्तूबर, 2024 में 10.87 फीसदी थी। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, खाद्य कीमतों में नरमी के साथ खपत वाली कई वस्तुओं पर जीएसटी दर घटाए जाने से महंगाई में कमी आई है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) 2025-26 के लिए अपने खुदरा महंगाई अनुमान को 2.6 फीसदी से और कम कर सकती है। नायर ने कहा, अक्तूबर के आंकड़े दिसंबर में रेपो दर में 0.25 फीसदी की कटौती का समर्थन करेंगे। यह स्थिति तब तक बनी रहेगी, जब तक दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर आश्चर्यजनक रूप से ऊंची न रहे।

ओपनएआई में हिस्सेदारी बढ़ाने से जापान की सॉफ्टबैंक का मुनाफा दोगुना

नई दिल्ली, एजेंसी।
एआई में निवेश करने वाली कंपनियों का मुनाफा अब उनके वित्तीय परिणामों में दिखने लगा है। जापान की प्रमुख निवेश कंपनी सॉफ्टबैंक ग्रुप ने इस साल की दूसरी तिमाही में जबरदस्त कमाई की है। कंपनी का शुद्ध लाभ 2.5 ट्रिलियन येन (करीब 16.6 अरब डॉलर) तक पहुंच गया। यह पिछले साल की तुलना में दोगुने से भी अधिक है। आइए इस बारे में विस्तार से जानें।

जापान की प्रमुख निवेश कंपनी सॉफ्टबैंक ग्रुप ने इस साल की दूसरी तिमाही में जबरदस्त मुनाफा कमाया है। कंपनी का शुद्ध लाभ 2.5 ट्रिलियन येन (करीब 16.6 अरब डॉलर) तक पहुंच गया। यह पिछले साल की तुलना में दोगुने से भी अधिक है। इस बढ़त का मुख्य कारण ओपनएआई में सॉफ्टबैंक की हिस्सेदारी का मूल्य बढ़ना है। ओपनएआई वही कंपनी है जिसने चैटजीपीटी जैसे एआई टूल्स बनाए हैं।

विश्लेषकों ने इस तिमाही में 207 अरब येन के लाभ का अनुमान लगाया था, जबकि सॉफ्टबैंक ने 2.5 ट्रिलियन येन का मुनाफा दर्ज किया। पिछले साल इसी तिमाही में कंपनी को 1.18 ट्रिलियन येन का लाभ हुआ था। सॉफ्टबैंक की विजन फंड इकाई ने अकेले 3.5 ट्रिलियन येन का निवेश लाभ दर्ज किया। इसमें से 2.16 ट्रिलियन येन ओपनएआई से जुड़े निवेश से आया। डेटा सेंटर जैसे बुनियादी ढांचे की मांग ने सॉफ्टबैंक को बड़ा फायदा पहुंचाया है। कंपनी के शेयर भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। हालांकि, कुछ निवेशकों को चिंता है कि कहीं यह 'एआई बुलबुला' न साबित हो, यानी भारी निवेश के बावजूद उतना लाभ न मिल पाए।

एआई में निवेश से बंपर कमाई

ओपनएआई में निवेश की कहानी

मार्च में सॉफ्टबैंक ने ओपनएआई में 300 अरब डॉलर के मूल्यांकन पर निवेश किया था। अक्तूबर में में कंपनी ने ओपनएआई के कर्मचारियों से 500 अरब डॉलर के मूल्यांकन पर 6.6 अरब डॉलर के शेयर खरीदे। ओपनएआई में निवेश में लिए सॉफ्टबैंक ने एनवीडिया के 32.1 मिलियन शेयर बेचे, इसकी कीमत करीब 5.83 अरब डॉलर थी। अप्रैल से अब तक कंपनी ने तीन अलग-अलग मुद्राओं में कुल 620 अरब येन, 2.2 अरब डॉलर और 1.7 अरब यूरो के बांड जारी किए। ओपनएआई में निवेश के लिए 8.5 अरब डॉलर का ब्रिज लोन लिया गया।

आईपीएल 2026 का सबसे बड़ा ट्रांसफर

● जडेजा लौट सकते हैं राजस्थान रॉयल्स, संजू होंगे सीएसके के नए स्टार

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में अब तक का सबसे बड़ा खिलाड़ी ट्रांसफर देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार चेन्नई सुपर किंग्स के दिग्गज ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा अपने करियर की शुरुआत करने वाली टीम राजस्थान रॉयल्स में वापसी करने वाले हैं। इस संभावित मेगा डील के तहत राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन सीएसके का हिस्सा बन सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि जडेजा को फ्रेंचाइज़ी में कप्तानी की जिम्मेदारी मिल सकती है, जिससे यह सौदा आईपीएल इतिहास के सबसे चर्चित ट्रेड में से एक बन जाएगा।

जडेजा की 'घर वापसी' – नेतृत्व के नए अवसर
रिपोर्ट के मुताबिक, 37 वर्षीय रवींद्र जडेजा अपने करियर के अंतिम चरण में कप्तानी की भूमिका निभाने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने आईपीएल 2008 में राजस्थान रॉयल्स से ही अपने सफर की शुरुआत की थी और 2008 के खिताबी अभियान में अहम भूमिका निभाई थी। जडेजा ने 2012 में सीएसके जॉइन किया और अगले 13 सीजन में 2198 रन और 143 विकेट झटके, जिससे टीम ने तीन खिताब अपने नाम किए। राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन का मानना है कि उनके अनुभव से टीम को स्थिरता और दिशा मिलेगी, खासकर रियान पराग और यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ियों के साथ।

क्यों राजस्थान को चाहिए जडेजा जैसा कप्तान– संजू सैमसन के नेतृत्व में राजस्थान ने कुछ अच्छे सीज़न जरूर खेले, लेकिन पिछले दो वर्षों में निरंतरता की कमी रही है। अब टीम एक ऐसे कप्तान की तलाश में है जो युवा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन दे सके और दबाव के पलों में शांत रह सके और जडेजा इस भूमिका के लिए एकदम उपयुक्त हैं। सूत्रों के मुताबिक, जडेजा को 'लीडरशिप रोल' देने की चर्चा चल रही है ताकि वे ड्रेसिंग रूम में संतुलन और आत्मविश्वास ला सकें।

दिग्गज शेन वॉटसन को मिली बड़ी जिम्मेदारी

● कोलकाता नाइट राइडर्स में निभाएंगे ये भूमिका

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से पहले ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन को टीम का सहायक कोच नियुक्त किया है। 59 टेस्ट, 190 एकदिवसीय और 58 अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैच खेल चुके क्वींसलैंड के शेन वॉटसन, अभिषेक नायर के साथ काम करेंगे, जिन्हें हाल ही में तीन बार की पूर्व चैंपियन केकेआर टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। वॉटसन इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स के साथ जुड़े हुए थे। 44 वर्षीय वॉटसन आईपीएल के दिग्गज खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 12 सीजन खेले हैं। उन्होंने 2008 में राजस्थान रॉयल्स को आईपीएल के पहले सीरीज में शानदार जीत दिलाई थी। उन्होंने उस सीजन में एमवीपी का खिताब जीता था और 2013 में फिर से यह कारनामा दोहराया था। इस बीच, ड्वेन ब्रावो केकेआर टीम के मेंटर बने रहेंगे।

दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 209 रन से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप में भारतीय टीम ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की। बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला गया मुकाबला भारतीय टीम ने 209 रन के बड़े अंतर से जीता। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 292 रन बनाए थे। कप्तान दीपिका टीसी बी3 ने 58 गेंदों पर 91 रनों की पारी खेली थी। फूला सरेन बी3 ने 22 गेंदों पर नाबाद 54, अनेखा देवी बी2 ने 14, अनु कुमारी बी1 ने 14 और काव्या वी बी1 ने नाबाद 12 रन बनाए। इसके अलावा भारतीय टीम को 52 अतिरिक्त रन और 26 पेनल्टी रन मिले। 293 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया 19.3 ओवर में 57 रन पर सिमट गई। दीपिका टीसी बी3 को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। भारत ने अपना पहला मैच श्रीलंका के खिलाफ जीता था। दिन का पहला मुकाबला नेपाल और श्रीलंका के बीच खेला गया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने 20 ओवरों में 8 विकेट पर 87 रन बनाए थे। बी3 मिहिरानी दुलांजलि ने 23 रन बनाए थे। नेपाल की तरफ से कांति योगी ने 21 रन देकर 3 विकेट लिए। बिनीता पुन ने 11 रन देकर 1 विकेट लिया।

88 रनों का लक्ष्य नेपाल ने 5.2 ओवर में हासिल कर लिया। मनकेशी चौधरी ने 22 गेंदों पर 11 चौकों की मदद से नाबाद 61 रनों की पारी खेली। मनकेशी की इस विस्फोटक पारी के दम पर नेपाल ने श्रीलंका को 9 विकेट से हरा दिया। मनकेशी चौधरी प्लेयर ऑफ द मैच रहीं। दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप का आयोजन भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में किया जा रहा है। टूर्नामेंट 11 से 23 नवंबर तक खेला जाएगा।

पुजारा ने जुरेल को प्लेइंग 11 का हकदार बताया, इस नम्बर पर बल्लेबाजी करें

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल की हालिया शानदार फॉर्म की सराहना करते हुए कहा है कि वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में प्लेइंग इलेवन में जगह पाने के पूरी तरह हकदार हैं। पुजारा का मानना है कि जुरेल टीम के मध्यक्रम को मजबूत कर सकते हैं और छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए अहम भूमिका निभाएंगे। कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में 14 नवंबर से शुरू होने वाले इस टेस्ट में भारतीय टीम तीन स्पिनर और दो तेज गेंदबाजों के संयोजन के साथ उतर सकती है।

ध्रुव जुरेल के चयन पर पुजारा का समर्थन– चेतेश्वर पुजारा ने कहा कि जुरेल इस समय बेहतरीन फॉर्म में हैं और उन्होंने घरेलू व अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, 'ध्रुव जुरेल छठे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं, जहां पहले करुण नायर खेलते थे। उनकी फॉर्म देखकर यह कहना गलत नहीं होगा कि वे इस प्लेइंग इलेवन के लिए पूरी तरह तैयार हैं।' पुजारा के अनुसार भारत का शीर्ष क्रम लगभग तय है, केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल ओपनिंग, साई सुदर्शन तीसरे नंबर पर, शुभमन गिल चौथे, और ऋषभ पंत पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे।

लॉरा वोल्वार्ड्ट बनीं अक्टूबर 2025 की आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ, विश्व कप में रनों की रानी

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट को उनके शानदार प्रदर्शन और प्रेरणादायक नेतृत्व के लिए अक्टूबर 2025 की आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ के खिताब से सम्मानित किया गया है। भारत में आयोजित महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के दौरान वोल्वार्ड्ट ने न केवल सबसे अधिक रन बनाए, बल्कि अपनी टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उनके बल्ले से आठ मैचों में 470 रन निकले, औसत रहा 67.14 और स्ट्राइक रेट 97.91, जो उनके क्लास और निरंतरता का प्रमाण है।

लगातार प्रदर्शन से बनीं नंबर 1 बल्लेबाज

- विश्व कप के दौरान वोल्वार्ड्ट ने कई मैचों में अहम भूमिका निभाई
- न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत में निर्णायक योगदान
- भारत के खिलाफ 70 रनों की संयमित पारी
- बांग्लादेश के खिलाफ 60* रनों की नाबाद पारी
- पाकिस्तान के खिलाफ 90 रनों की आक्रामक पारी
- इन लगातार प्रदर्शनों ने उन्हें आईसीसी महिला बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर 1 पर पहुंचा दिया।

बल्ले से दमदार प्रदर्शन - 470 रन और शानदार औसत– लॉरा वोल्वार्ड्ट ने अक्टूबर में खेले गए महिला विश्व कप 2025 में आठ मैचों में 470 रन बनाए। उन्होंने तीन अर्धशतक और एक शानदार शतक जड़ा, जिससे दक्षिण अफ्रीका को कई मैचों में जीत मिली। उनका प्रदर्शन बेहद स्थिर रहा, हर मैच में उन्होंने रन बनाए और टीम को मजबूती दी। उन्होंने 67.14 की औसत और 97.91 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए दिखाया कि वह केवल एक तकनीकी बल्लेबाज़ नहीं, बल्कि एक आक्रामक मैच फिनिशर भी हैं।

'यह सम्मान मेरे लिए बेहद खास' : वोल्वार्ड्ट

पुरस्कार मिलने पर वोल्वार्ड्ट ने अपनी खुशी जताते हुए कहा, 'महिला क्रिकेट के लिए यह एक ऐतिहासिक आयोजन था, और भारत में विश्व कप प्रदर्शन के बाद यह सम्मान मिलना गर्व की बात है। टूर्नामेंट में कई शानदार मैच हुए और खिलाड़ियों ने अद्भुत प्रदर्शन किया। यह सम्मान मेरे लिए बहुत मायने रखता है।' उन्होंने आगे कहा कि भले ही टीम खिताब नहीं जीत सकी, लेकिन वह अपनी टीम की लड़ाकू भावना और निरंतरता पर गर्व महसूस करती हैं। 'हमने दिल से खेला, और हमें पूरा भरोसा है कि अगला विश्व कप खिताब अब हमारी पहुँच में है।'

इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में ऐतिहासिक 169 रन – वोल्वार्ड्ट के अभियान की सबसे बड़ी झलक सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ देखने को मिली, जब उन्होंने 143 गेंदों पर 169 रन ठोक डाले। उनकी इस पारी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने 320 रन का विशाल लक्ष्य खड़ा किया और पहली बार महिला विश्व कप फाइनल में प्रवेश किया। यह पारी न केवल टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक रही, बल्कि उनके करियर का भी मील का पत्थर साबित हुई।

विश्व कप शतरंज

प्रज्ञानन्दा ने बचाई बाजी

● अर्जुन, कार्तिक, हरिकृष्णा और प्रणव ने भी खेला ड्रॉ

गोवा, एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर्स के लिए मंगलवार का दिन राहत और रोमांच दोनों लेकर आया। फ़ीडे वर्ल्ड कप 2025 के चौथे दौर की पहली बाजी में भारत के आर. प्रज्ञानन्दा रूस के डेनियल डुबोव के खिलाफ एक समय हार की कगार पर पहुँच गए थे पर उन्हें एक बार फिर अपने विरोधी की कुछ ग़लत चालों का और ख़ुद की हर कीमत पर लड़ते रहने का फ़ायदा हुआ आवर मुश्किल स्थिति से ड्रॉ निकालकर प्रज्ञानंद नें अपनी उम्मीदें कायम रखीं है।

वहीं भारत के अर्जुन एरिगैसी, कार्तिक वेंकटारमन, प्रणव वी और पी. हरिकृष्णा ने भी अपने-अपने मुकाबलों में केल मोहरो से खेलते हुए ड्रा खेला। दूसरे वरीय अर्जुन एरिगैसी ने अनुभवी हंगेरियन ग्रैंडमास्टर पीटर लेको के खिलाफ सिर्फ 20 चालों में खेल ड्रॉ कर लिया। हरिकृष्णा ने स्वीडन के निल्स ग्रैंडेलियस को 32 चालों में रोका, जबकि कार्तिक वेंकटारमन ने वियतनाम के ली क्वांग लियेम से 36 चालों में अंक साझा किया। जबकि भारत के दल के सबसे युवा खिलाड़ियों में से एक प्रणव नें उज़्बकिस्तान के अनुभवी खिलाड़ी याकूबबोएव नोदिरबेक के ख़िलाफ़ 82 चालों तक चले मैराथन मुक़ाबले में शानदार बचाव करते हुए आधा अंक बांटा।

वहीं प्रज्ञानन्दा का मुकाबला दिन का सबसे रोमांचक रहा। चौदहवीं चाल पर 'डी' प्यादा आगे बढ़ाने के बाद वे असुविधाजनक स्थिति में आ गए और घड़ी के दबाव में फंस गए। खेल की 39वीं चाल में उनसे एक भारी भूल हुई और अगर डुबोव घोड़े की चाल देख लेते तो प्रज्ञानन्दा की हार तय थी हालांकि डुबोव से निर्णायक चाल छूट गई और अंततः 41 चालों के बाद बाजी ड्रॉ पर समाप्त हुई। अन्य महत्वपूर्ण मुकाबलों में दो बार के चैंपियन यूएसए के लेवोन एरोनियन ने पोलैंड के राडोस्लॉव वोइटाजेक को 37 चालों में सफेद मोहरों से हराया। वहीं पेरू के जोसे एडुआर्डो मार्टिनेज अलकांतारा ने रूस के एलेक्सी साराना को 39 चालों में परास्त किया।

अर्जुन तेंदुलकर को ट्रेड करने की तैयारी में मुंबई इंडियंस

आईपीएल 2026: इस टीम से खेलते दिख सकते हैं 'सचिन के लाल'

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के लिए रिटेन खिलाड़ियों की लिस्ट जारी होने से पहले ट्रेड डील सुर्खियों में है। संजू सैमसन और रविंद्र जडेजा को लेकर राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच ट्रेड डील होने की संभावना है। इस बीच खबर है कि मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर को मुंबई इंडियंस ट्रेड करने की तैयारी में है। वह अर्जुन को लखनऊ सुपर जायंट्स को देना चाहती है और शार्दुल ठाकुर को अपने साथ जोड़ना चाहती है।

रिपोर्ट के अनुसार लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस के बीच शार्दुल ठाकुर और अर्जुन तेंदुलकर को ट्रेड करने को लेकर चर्चा हो रही है। हालांकि, यह ट्रेड डील थोड़ी अलग है। दोनों खिलाड़ियों का फ्रेंचाइजियों के बीच स्वतंत्र आदान-प्रदान हो सकता है। सीधे-सीधे शब्दों में इसे ऑल कैश ट्रांसफर कहा जा सकता है।

बीसीसीआई देगा एक्सचेंज की जानकारी– आईपीएल के ट्रेड नियमों के अनुसार खिलाड़ियों के एक्सचेंज की आधिकारिक घोषणा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को करनी होती है।

इसी वजह से फ्रेंचाइजी अभी तक चुप हैं। क्रिकबज के अनुसार मुंबई क्रिकेट जगत के सूत्रों ने पुष्टि की है कि एक्सचेंज स्वैप की संभावना है। यह घोषणा अगले कुछ दिनों में हो सकती है। साथ ही 15 नवंबर को खिलाड़ियों को रिटेन और रिलीज करने की सूची भी जारी होनी है।

शार्दुल ठाकुर को पिछले साल जेद्दा में हुई आईपीएल मेगा नीलामी में अनसोल्ड रहने के बाद आईपीएल 2025 की शुरुआत से पहले लखनऊ सुपरजायंट्स ने उनके बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये में रिप्लेसमेंट खिलाड़ी के रूप में चुना था। उन्होंने एलएसजी के लिए 10 मैचों केवल 18 रन बनाए, लेकिन 13 विकेट लेने में कामयाब रहे। उन्होंने मुख्य रूप से नई गेंद से प्रभावी गेंदबाजी की।

अर्जुन तेंदुलकर को नहीं मिला खेलने को मौका

अर्जुन तेंदुलकर पिछले कुछ सीजन से मुंबई इंडियंस टीम का हिस्सा हैं। पिछली दो नीलामियों में उन्हें उनके बेस प्राइस 20 लाख रुपये में जोड़ा गया। 26 वर्षीय बाएं हाथ के ऑलराउंडर को पिछले सीजन में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था, लेकिन पिछले दो सीजन में उन्होंने चार मैच खेले हैं। 2023 में तीन और 2024 में एक मैच खेले। कुल मिलाकर उन्होंने पांच आईपीएल मैचों में 13 रन बनाए हैं और तीन विकेट लिए हैं।

पाक दौरा छोड़कर लौटेगी श्रीलंकाई टीम!

इस्लामाबाद आतंकी हमले के बाद खौफ में खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान दौरे पर गई श्रीलंकाई टीम के आठ खिलाड़ियों ने इस्लामाबाद में हुए बम धमाके के बाद सुरक्षा चिंताओं के चलते घर लौटने का फैसला किया है. इस्लामाबाद की एक कोर्ट में सोमवार को हुए इस धमाके में 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए थे. श्रीलंका क्रिकेट के एक सूत्र ने बुधवार को इसकी पुष्टि की. इस घटना के कारण रावलपिंडी में गुरुवार को निर्धारित दूसरा वनडे रद्द हो सकता है. बता दें कि पाकिस्तान ने मंगलवार को खेले गए पहले वनडे में 6 रनों से जीत दर्ज की थी.

खिलाड़ियों ने सुरक्षा को लेकर जताई थी चिंता– इससे पहले श्रीलंका के खिलाड़ियों ने अपनी सुरक्षा को लेकर बोर्ड के सामने सवाल खड़े किए थे. उन्होंने पाकिस्तान दौरा रद्द करने की इच्छा बोर्ड से जताई थी. जिसके बाद 8 खिलाड़ियों ने पाकिस्तान से लौटने का फैसला लिया.

बता दें कि श्रीलंका की टीम को तीन मैचों की इस वनडे सीरीज के बाद जिम्बाब्वे और पाकिस्तान के साथ त्रिकोणीय सीरीज भी खेलनी थी. सूत्रों के मुताबिक, रावलपिंडी और इस्लामाबाद की नज़दीकी के कारण खिलाड़ियों ने सुरक्षा को लेकर चिंता जताई और स्वदेश लौटने की इच्छा व्यक्त की.

नकवी ने खिलाड़ियों से की थी मुलाकात– इस्लामाबाद में हुए आतंकी हमले के बाद श्रीलंकाई क्रिकेट टीम की सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन और गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने श्रीलंकाई टीम के अधिकारियों से मुलाकात की थी और उन्हें 'फूलप्रूफ सुरक्षा' का आश्वासन दिया था. लेकिन खिलाड़ी इससे आश्वस्त नहीं थे.

तमिल डेब्यू पर बोले

‘14 साल हिंदी में काम किया, अब अपने पंख फैलाने का वक्त है’

अभिनेता गुलशन देवैया अब तमिल फिल्मों में एंट्री करने जा रहे हैं। कन्नड़ फिल्म ‘कांतारा- चैप्टर 1’ में काम करने के बाद अब वो तमिल वेब सीरीज ‘लेगेसी’ में नजर आएंगे। ये एक क्राइम ड्रामा सीरीज है जिसमें गुलशन एक पुलिस अफसर का रोल निभा रहे हैं।

गुलशन देवैया को हाल ही में ऋषभ शेट्टी की फिल्म ‘कांतारा- चैप्टर 1’ में दमदार भूमिका में देखा गया। अब वे तमिल सिनेमा में दस्तक देने को तैयार हैं। एक्टर फिलहाल अपनी सीरीज ‘लेगेसी’ को लेकर सुर्खियों में हैं। अमर उजाला के साथ उन्होंने इसके बारे में कई दिलचस्प बातें शेयर कीं।

'भाषाई विविधता अपनाने का शानदार मौका': अपने तमिल डेब्यू को लेकर गुलशन देवैया ने कहा, ‘यह सीरीज मेरे लिए अपने करियर में भाषाई विविधता खोजने का एक शानदार मौका है। करीब 14 साल तक मैंने ज्यादातर हिंदी में ही काम किया है और अब मुझे लगता है कि मैं अपने पंख फैलाने और कुछ नया करने का वक्त आ गया है और मैं इसके लिए तैयार हूं। मेरे लिए यह भी बड़ी बात है कि मुझे आर माधवन, निमिषा, अभिषेक, गौतम कार्तिक, श्री व्यापुरी और तमिल इंडस्ट्री के कई अनुभवी कलाकारों के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिला।’

'ड्यूटी और परिवार के बीच जूझता एक पुलिस अफसर': अपने किरदार के बारे में उन्होंने आगे कहा, ‘इस शो में मैं एक ऐसे पुलिस अफसर का किरदार निभा रहा हूं जो अपनी ड्यूटी, परिवार और खुद के बीच जिम्मेदारियों को लेकर संघर्ष कर रहा है। अब तक का अनुभव मेरे लिए बहुत संतोषजनक रहा है और मैं चेन्नई में अपने आखिरी शेड्यूल के लिए लौटने का इंतजार कर रहा हूं।’

पहले भी निभा चुके हैं पुलिस अफसर के किरदार: बता दें, गुलशन पहले भी कई बार पुलिस अफसर के रोल में नजर आ चुके हैं। ‘दहाड’ में उन्होंने सोनाक्षी सिन्हा के साथ एक ईमानदार पुलिसवाले का किरदार निभाया था। ‘फुटफेरी’ में वो सीबीआई अफसर बने थे, जबकि ‘बैड कॉप’ में उन्होंने दोहरी भूमिका निभाई थी - एक ईमानदार पुलिस इंस्पेक्टर और उसका अपराधी जुड़वां भाई।

करियर का एक नया मोड़ साबित हो सकती है: सीरीज में गुलशन के साथ आर माधवन, गौतम कार्तिक, अभिषेक बनर्जी और निमिषा सजयन जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। इस शो का निर्देशन चारुकेश शेखर ने किया है और इसे कल्याण शंकर ने स्टोन बेंच प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बनाया है। शूटिंग अब अपने आखिरी चरण में है और इसका बड़ा हिस्सा चेन्नई में फिल्माया गया है। तमिल में यह गुलशन की पहली सीरीज है और उनके करियर का एक नया मोड़ साबित हो सकती है।

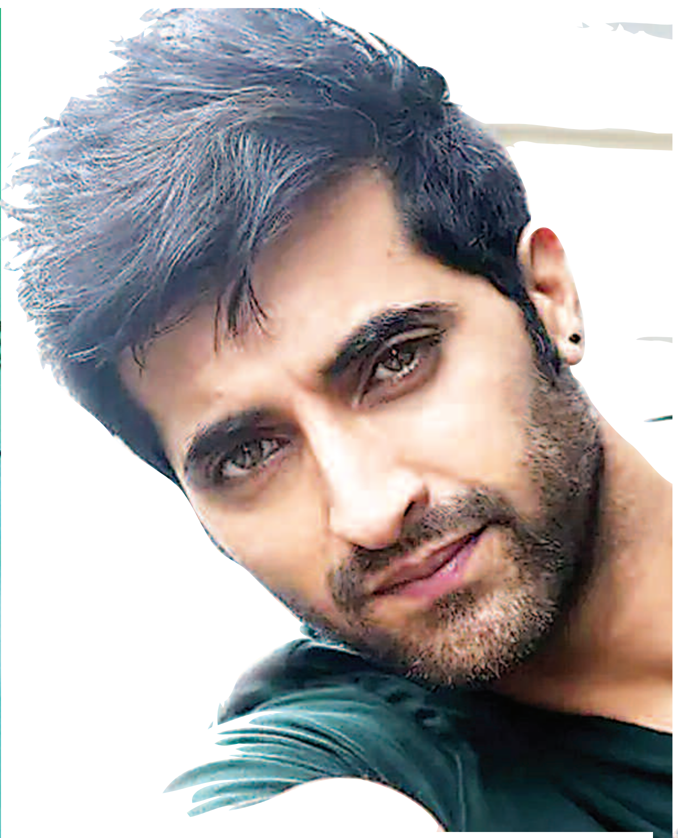

रेजिडेंट गहरी, गंभीर और सोचने पर मजबूर करने वाली फिल्म : अक्षय ओबेरॉय

अभिनेता अक्षय ओबेरॉय बॉलीवुड में अपने चुनौतीपूर्ण किरदारों के लिए जाने जाते हैं। इन दिनों वह अपनी अगली फिल्म ‘रेजिडेंट’ को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर है, जो मानवीय मानसिकता के गहरे और जटिल पहलुओं को दिखाने वाली है। अक्षय ने कहा कि उन्हें हमेशा से ऐसी फिल्में पसंद हैं, जो उन्हें भावनात्मक रूप से चुनौती दें और उनके अभिनय में गहराई लाएं। एक इंटरव्यू में अक्षय ने बताया कि ‘रेजिडेंट’ में उन्होंने अपने किरदार को पूरी तरह जिया है। उन्होंने कहा, ‘यह फिल्म मुझे सिर्फ डर या सस्पेंस दिखाने तक सीमित नहीं रखती, बल्कि यह किरदारों के मनोवैज्ञानिक पहलुओं और संघर्षों को उजागर करती है। मैं हमेशा ऐसी कहानियों की तरफ आकर्षित रहा हूं जो मुझे चुनौती दें। ऐसे किरदार जिनमें भावनाओं की गहराई, अनपेक्षित घटनाएं और थोड़ा जोखिम हो, मुझे बेहद पसंद हैं। ‘रेजिडेंट’ बिल्कुल ऐसी ही फिल्म है।’ अक्षय ने कहा कि उनकी पिछली फिल्म ‘सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी’ में रोमांस और कॉमेडी का मिश्रण था। वहीं, ‘रेजिडेंट’ गहरी, गंभीर और सोचने पर मजबूर करने वाली फिल्म है। यह फिल्म दर्शकों को सच का सामना करने पर मजबूर करती है, जिन्हें वे आमतौर पर नजरअंदाज कर देते हैं। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। ‘रेजिडेंट’ को आकाश गोइला ने निर्देशित किया है और इसे फिल्मेरा प्रोडक्शन कंपनी प्रस्तुत कर रही है।

अक्षय ओबेरॉय को बॉलीवुड फिल्म ‘सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी’ में देखा गया था, जिसे शशांक खेतान ने निर्देशित और धर्मा प्रोडक्शंस ने निर्मित किया था। फिल्म में वरुण धवन, जान्हवी कपूर, सान्या मल्होत्रा और रोहित सराफ जैसे बड़े कलाकार शामिल थे। कहानी दिल्ली के दो पूर्व प्रेमियों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने पुराने प्यार को फिर से जगाने की कोशिश करते हैं। प्राजक्ता कोली ने भी फिल्म में कैमियो किया था। फिल्म 2 अक्टूबर 2025 को दशहरा के मौके पर रिलीज हुई थी।

‘मुझे लगता है कि मैंने अभी शुरुआत भी नहीं की

इंटरनेशनल स्टार बन चुकीं अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म ‘एसएसएमबी 29’ को लेकर चर्चाओं में हैं। एसएस राजामौली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में प्रियंका महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ नजर आएंगी। 15 नवंबर को फिल्म का एक बड़ा इवेंट होना है। इस बीच अभिनेत्री ने एक्स पर अपने फैंस के साथ बातचीत का एक सेशन चलाया। इस दौरान देसी गर्ल ने फैंस के सवालों के कुछ मजेदार जवाब भी दिए। आस्क पीसीजे सेशन की शुरुआत में प्रियंका ने अपनी एक सेल्फी शेयर करते हुए कहा कि वो अभी कार में हैं। आप सब कहां हैं? सेशन के दौरान एक फैन ने पूछा कि आपने बॉलीवुड, हॉलीवुड, म्यूजिक और प्रोड्यूसर के तौर पर सब कुछ एक्सप्लोर किया है। अब ऐसा क्या है जो आप सीखना चाहती हैं या कुछ नया क्रिएट करना चाहती हैं? इस पर पीसी ने जवाब दिया, ‘मुझे लगता है कि मैंने अभी शुरुआत भी नहीं की है। मैं अभी बहुत कुछ करना और हासिल करना चाहता हूं। उम्मीद है कि मैं कर पाऊंगी।’

दीपिका पादुकोण के बाद अब

कुब्रा सैत ने संभाली नारीवाद की कमान, ‘लव लिंगो’ सीज़न 2 में बनीं पहली मेहमान

अपने बेबाक विचारों और निडर आवाज़ के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री कुब्रा सैत हाल ही में ‘लव लिंगो’ सीज़न 2 के पहले एपिसोड में मुख्य अतिथि बनीं नज़र आईं, जहाँ उन्होंने महिलाओं की पहचान, आत्म-स्वीकार और समाज के तयशुदा लेबल्स से परे जीने के मायनों पर खुलकर बात की। गौरतलब है कि जस सगू और अर्सला कुरैशी द्वारा होस्ट किया गया यह नया सीज़न प्रेम, भाषा और संस्कृति के गहरे रिश्ते को आगे बढ़ाता है, और अब कुब्रा की ईमानदार बातचीत ने शो के टोन को एक मजबूत दिशा दी है। कुब्रा कहती हैं, ‘अच्छी लड़कियाँ लड़कों से बात नहीं करतीं, अच्छी लड़कियाँ लिपस्टिक नहीं लगातीं, अच्छी लड़कियाँ बस सुनती हैं, बचपन में मैंने कहीं यह पंक्तियां पढ़ी थी। लेकिन अब मेरी ज़िंदगी में इनमें से कुछ भी नहीं है। मैं किसी तय कैलेंडर या नियमों के हिसाब से नहीं जीती और न जी सकती हूँ। कब शादी करनी है या कब खुश रहना है, ये मैं तय करूँगी। मैंने 30 साल की उम्र में तैरना सीखा, खुले समुद्र में गोता लगाया और मेरे लिए यही असली आज़ादी का एहसास है।’ पिछले सीज़न में दीपिका पादुकोण के प्रभावशाली विचारों की तरह, कुब्रा भी इस बार जेंडर आधारित उम्मीदों पर बातचीत को आगे बढ़ाती नज़र आई हैं और महिलाओं को अपने जीवन के मायने खुद तय करने का आमंत्रण देती हैं। बातचीत के दौरान अर्सला कुरैशी ने कुब्रा के चर्चित सीरीज़ सैक्रेड गेम्स से उनके चर्चित किरदार कुकू को याद किया, जिसने पर्दे पर एक जेंडर विशेष का प्रतिनिधित्व किया था। अर्सला ने कहा, ‘कोई मुंबई इस सोच के साथ नहीं आता कि मैं ट्रांसजेंडर का किरदार निभाकर मशहूर हो जाऊँगी, लेकिन आपने वो किया और ट्रांसजेंडर समुदाय को यह यकीन दिलाया कि वे जैसे हैं, वैसे ही रहकर भी दुनिया का प्यार पा सकते हैं।’ इस पर कुब्रा ने जवाब दिया, ‘मेरा मानना है कि अनुराग कश्यप जी ने इसे बहुत खूबसूरती से लिखा था। कुछ भी अकेले में नहीं बनता, सब कुछ सहयोग से बनता है। मैं बस सही वक्त पर सही जगह पर थी, और इतना किया कि ‘ना’ नहीं कहा। ‘ अनुराग कश्यप और नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ अपने अनुभव को याद करते हुए उन्होंने कहा, ‘ज़रा सोचिए, जब रेसिपी में अनुराग कश्यप और नवाजुद्दीन सिद्दीकी हों, तो मैंने क्रिएटिविटी पर भरोसा किया और बिना सोचे हाँ कह दिया।’ ‘सैक्रेड गेम्स’ से लेकर ‘लव लिंगो’ तक, कुब्रा सैत अपनी परफॉर्मेंस के साथ-साथ आज़ादी और आत्म-पहचान की विकसित होती समझ से भी प्रेरणा देती रही हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो कुब्रा सैत जल्द ही वरुण धवन और मृणाल ठाकुर के साथ फिल्म ‘है जवानी तो इश्क होना है’ में नज़र आनेवाली हैं।

काजोल बोलीं-

‘शादी की होनी चाहिए एक्सपायरी डेट’

अजय देवगन के साथ काजोल की शादी को 26 साल पूरे हो चुके हैं। लेकिन अब काजोल ने शादी को लेकर एक ऐसा बयान दिया है, जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह गया।

अभिनेत्री काजोल इन दिनों अपने टॉक शो ‘टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल’ को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। शो के लेटेस्ट एपिसोड में अब अभिनेता विक्की कौशल और अभिनेत्री कृति सेनन नजर आएंगे। हालांकि, शो के कुछ प्रोमो सामने आए हैं, जिनमें काजोल और ट्विंकल अपने मेहमानों के साथ जमकर मस्ती करती नजर आ रही हैं। अब इस एपिसोड के प्रोमो में दिखता है कि काजोल ने शादी की एक्सपायरी डेट होने का समर्थन किया है। साथ ही उन्होंने इस मामले में नया विकल्प होने की बात का भी पक्ष लिया है।

सिर्फ काजोल ने किया समर्थन

दरअसल, शो के ‘ये या वो’ सेगमेंट के दौरान सवाल पूछा गया, ‘क्या शादी की एक एक्सपायरी डेट और रिन्यूवल का विकल्प होना चाहिए?’ इस सवाल से कृति सेनन, विक्की कौशल और ट्विंकल ने अपनी असहमति जताई। उन्होंने इस सवाल पर रेड जोन चुना। लेकिन अभिनेता अजय देवगन की पत्नी और अभिनेत्री काजोल ने इस सवाल का समर्थन करते हुए ग्रीन जोन को चुना। इस पर ट्विंकल ने मजाकिया लहजे में कहा, ‘नहीं, यह शादी है, वॉशिंग मशीन नहीं।’

सही व्यक्ति से शादी होने की क्या गारंटी

अपने फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए काजोल ने कहा कि मुझे तो बिल्कुल ऐसा ही लगता है। क्या गारंटी है कि आप सही समय पर सही व्यक्ति से शादी करेंगे? रिन्यूवल का विकल्प सही होगा और अगर कोई एक्सपायरी है, तो किसी को ज्यादा देर तक परेशान नहीं होना पड़ेगा। यही नहीं काजोल ने ट्विंकल को भी ग्रीन जोन में शामिल होने के लिए मनाने की कोशिश की। लेकिन ट्विंकल अपने विचार पर अड़ी रहीं।

ट्विंकल-विक्की का मानना पैसे से खरीद सकते हैं खुशी

इसी सेगमेंट के दौरान अगला स्टेटमेंट था, ‘क्या पैसे से खुशी खरीदी जा सकती है।’ इस बार ट्विंकल खन्ना और विक्की कौशल इस बात से सहमत नजर आए और उन्होंने ग्रीन जोन चुना। जबकि काजोल ने इस कथन पर अपनी असहमति जताई। काजोल ने कहा कि आपके पास चाहे कितना भी पैसा हो, यह वास्तव में एक बाधा बन सकता है। यह आपको असली खुशी से दूर कर देता है। वहीं कुछ देर सोचने के बाद कृति ने माना कि पैसे से कम से कम कुछ हद तक खुशी खरीदी जा सकती है।

काजोल और ट्विंकल का कॉमन है एक्स

गेम के बाद ट्विंकल ने कहा कि सबसे अच्छे दोस्तों को एक-दूसरे के एक्स को डेट नहीं करना चाहिए। फिर उन्होंने मजाकिया अंदाज में काजोल को गले लगा लिया। ट्विंकल ने कहा मजाक में कहा कि हमारा एक एक्स कॉमन है, लेकिन हम बता नहीं सकते। इस पर काजोल तुरंत हंस पड़ीं और ट्विंकल को चुप रहने के लिए कहा।

36 साल बाद ‘शिवा’ फिल्म की इस चाइल्ड आर्टिस्ट से राम गोपाल वर्मा ने मांगी माफी, कहा- ‘मुझ पर लालच हावी था’

साल 1990 में आई अक्किनेनी नागार्जुन अभिनीत फिल्म ‘शिवा’ 14 नवंबर को थिएटर्स में फिर दस्तक दे रही है। इस फिल्म का निर्देशन रामगोपाल वर्मा ने किया था। ‘शिवा’ में चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में नजर आई एक अभिनेत्री से वे हाल ही में माफी मांगते दिखे हैं। रामगोपाल वर्मा ने हाल ही में माफी मांगी है और माफी मांगी है अपनी साल 1990 में रिलीज हुई फिल्म ‘शिवा’ की बाल कलाकार से। वह बाल कलाकार अब बड़ी हो चुकी हैं और एआई व कॉग्निटिव साइंस में रिसर्च कर रही हैं। उनका नाम है सुषमा आनंद अकोजू।

सुषमा आनंद ने शेयर किया फिल्म का क्लिप

दरअसल, सुषमा आनंद ने अपने एक्स अकाउंट से फिल्म ‘शिवा’ की एक क्लिप शेयर की, जिसमें वे बाल कलाकार के रूप में नजर आ रही हैं। इस फिल्म में नागार्जुन लीड रोल में नजर आए। सुषमा को नागार्जुन के साथ साइकिल पर बैठे देखा जा सकता है। नागार्जुन तेज रफ्तार में साइकिल दौड़ा रहे हैं और एक कार उनका पीछा कर रही है। वे तेज रफ्तार में साइकिल चला रहे हैं और सुषमा डरी-सहमी साइकिल पर बैठी हैं। अब यूएसए में हैं सुषमा उन्होंने यह वीडियो शेयर करते हुए लिखा है, ‘फिल्म ‘शिवा’ का हिस्सा बनना एक खूबसूरत याद है। मुझे साइकिल के उस चेज एडवेंचर ने काफी प्रभावित किया था और मुझे आगे के इंटेलेक्चुअल प्रयासों और रोमांच के लिए तैयार किया। किसी जादुई चीज का हिस्सा बनकर मैं सुरक्षित और उत्साहित महसूस कर रही थी। ‘शिवा’ एक यादगार फिल्म बनी हुई है। रोमगोपाल वर्मा ने उनका यह ट्वीट अपने एक्स अकाउंट पर री-पोस्ट करते हुए लिखा है, ‘यह ‘शिवा’ में साइकिल चेज सीन वाली लड़की है, जो अब बड़ी हो चुकी है।

पति पत्नी और पंगा शो से स्वरा भास्कर को मिली सीख

कोई भी रिश्ता परफेक्ट नहीं होता

टीवी और रियलिटी शो की दुनिया में कई बार हम सिर्फ मनोरंजन के लिए कुछ देखते हैं, लेकिन कभी-कभी वही अनुभव हमारे जीवन को गहराई से बदल देता है। ऐसा ही अनुभव अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने साझा किया, जब उन्होंने अपने पति फहाद अहमद के साथ रियलिटी शो ‘पति पत्नी और पंगा’ में भाग लिया। शुरू में स्वरा को यह शो सिर्फ मजेदार और हल्के-फुल्के पल देने वाला लगा था, लेकिन धीरे-धीरे यह उनके लिए एक भावनात्मक और सीखने वाला सफर बन गया। स्वरा ने बताया कि यह शो उनके दिल के बहुत करीब हो गया है। उन्होंने कहा, ‘‘जब मैंने शो के लिए हां कहा था, तो मुझे लगा कि यह सिर्फ मनोरंजन होगा। लेकिन, शो के दौरान एहसास हुआ कि यह अनुभव असली और भावनाओं से भरा हुआ है। इस शो ने मेरा रिश्ते को देखने का नजरिया बदल दिया और मुझे पति के साथ अपने संबंधों को गहराई से समझने का मौका मिला।'' स्वरा ने बताया, ‘'मैंने शो से समझा कि कोई भी रिश्ता परफेक्ट नहीं होता। रिश्ते को बनाए रखने के लिए प्यार और धैर्य जरूरी होते हैं। यह शो प्रतिस्पर्धा के बारे में नहीं था, बल्कि एक-दूसरे के साथ संबंध मजबूत करने के बारे में था।'' स्वरा ने सेट के माहौल के बारे में भी साझा किया और बताया कि वहां की ऊर्जा बहुत उत्साह और भावनाओं से भरी हुई थी। सभी कपल्स बहुत ईमानदार और असली थे। शो में हंसी भी थी, आंसू भी थे और साथ ही कुछ सीखने लायक अनुभव भी थे। इसके अलावा, स्वरा ने अपने को-कंटेस्टेंट्स के साथ अनुभवों के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, ‘'शुरुआत में सभी अजनबी थे, लेकिन धीरे-धीरे हम सभी ने दोस्ती की, जो गहरी होती चली गई और परिवार जैसा रिश्ता बन गया। यह अनुभव हमेशा याद रहेगा।'' 'पति पत्नी और पंगा' में स्वरा और फहाद के अलावा सुदेश लहरी-ममता लहरी, अविका गौर-मिलिंद चंदवानी, अभिनव शुक्ला-रुबीना दिलैक, हिना खान-रॉकी जायसवाल और गुरमीत चौधरी-देबिना बनर्जी समेत कई अन्य कपल्स भी शो का हिस्सा हैं। शो को सोनाली बेंद्रे और मुनव्वर फारूकी होस्ट कर रहे हैं। यह कलर्स टीवी पर 2 अगस्त को शुरू हुआ।

सलमान खान के गाने पर त्रिशाकर मधु ने दिखाई रानी जैसी अदाएं, फैंस हुए कायल

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की एक्ट्रेस त्रिशाकर मधु अपने स्टाइल और सोशल मीडिया पोस्ट्स को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। इस बीच उन्होंने बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह सुर्ख लाल रंग के जोड़े में दुल्हन बनी नजर आ रही हैं। अपने लुक से वह फैंस का ध्यान खींच रही हैं। खास बात ये है कि वह वीडियो में सलमान खान और रानी मुखर्जी के लोकप्रिय गाने पर शानदार एक्सप्रेशन्स देती दिखाई दे रही हैं। त्रिशाकर वीडियो में ब्राइडल लुक में काफी सुंदर लग रही हैं। वीडियो में वह सलमान खान और रानी मुखर्जी के मशहूर गाने ‘देखने वालों ने’ पर डांस करती नजर आ रही हैं। वह हर बीट के साथ अपने हाथों और स्टाइल की मूवमेंट को मैच कर रही हैं। उनके एक्सप्रेशन बेहद जबरदस्त हैं, और कैमरे के सामने उनकी हर मूव दर्शकों को अपनी ओर खींच रहा है। फैंस इस वीडियो पर कमेंट्स कर त्रिशा की जमकर तारीफ कर रहे हैं। गाना ‘देखने वालों ने’ सलमान खान और रानी मुखर्जी की फिल्म ‘चोरी चोरी चुपके चुपके’ का है, जिसे अलका याग्निक और उदित नारायण ने गाया है। इस गाने का संगीत अनु मलिक ने तैयार किया है और इसके बोल अनाम ने लिखे हैं। यह गाना अपने रोमांटिक और इमोशनल अंदाज के लिए जाना जाता है और आज भी दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय है। अगर त्रिशाकर मधु की बात करें, तो उन्होंने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी और धीरे-धीरे भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस में शामिल हो गईं। उन्होंने पवन सिंह, खेसारी लाल यादव और अरविंद अकेला कल्लू जैसे सुपरस्टार्स के साथ काम किया है।

साभार एजेंसी